PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, सोमवार
16.12.2024
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 310

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सेवा भारती ने 25 विभूतियों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सेवाभारती समाज में उपेक्षित एवं वंचित वर्गों के उत्थान के जिस कार्य में लगी है उससे निःसंदेह भारत को पुनः विश्वगुरू बनने और समावेशी भारत बनाने में सहयोग प्राप्त होगा। डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित सेवा सम्मान कार्यक्रम में शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। जय भारत मारुति लि. (जेबीएम) के सीएमडी सुरेन्द्र आर्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकारों के साथ राष्ट्र के जागृत लोगों को भी समाज के समावेशी विकास में कार्य करना पड़ेगा। एकात्म मानवतावाद एवं अंत्योत्य के जिन विचारों के साथ सेवा भारती के कार्यकर्ता कार्य कर रहे हैं वो निसंदेह सराहनीय है। राजनाथ सिंह ने सभी

सम्मान प्राप्त विभूतियों को बधाई दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि सेवा ही वो कार्य है जिससे समाज में असमानता की खाई को कम किया जा सकता है। आलोक कुमार जी शनिवार को नई दिल्ली में सेवा भारती द्वारा आयोजित सेवा सम्मान 2024 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आलोक कुमार ने कहा कि सेवा ही वो कार्य है जिससे समाज में असमानता की खाई को कम किया जा सकता है। ये एक ईश्वरीय कार्य है जिसमें समाज के हर वर्ग को जुड़ना चाहिए। सेवा भारती को अगले वर्ष 4 गुना ज्यादा लोगों को सेवा सम्मान देना चाहिए, ताकि सेवाभावियों का उत्साह कई गुणा बढ़ जाए। उन्होंने कहा कि पुराणों में कहा गया है कि परोपकार करना पुण्य है और दूसरों को परेशान करना पाप है। जो लोग किसी चीज से वंचित हैं, उसे प्राप्त करवाना पुण्य का काम है। सेवा भारती का मानना है कि व्यक्तिगत स्तर पर सेवा की जानी चाहिए और इसमें समरसता का भाव होना चाहिए। सेवा भारती द्वारा सेवा सम्मान के माध्यम से ऐसे महानुभावों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाता है जो समाज सेवा को अपने जीवन का ध्येय बना चुके है। इस वर्ष 10 श्रेणियों में 25 लोगों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। जिन विभूतियों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया उनमें बद्री भगत झण्डेवाला टेम्पल सोसाइटी एवं स्व. सुभाष गुप्ता (मरणोपरांत) को सेवा रत्न से सम्मानित किया गया। यशपाल गुप्ता, वेद कुमार वढ़ेरा, तुषार गुप्ता, सरदार हरमनजीत सिंह, अजय गुप्ता, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड, सत्यभूषण जैन, डॉ. संजय सचदेवा, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, साहिल मेंदीरत्ता, सान्या मेंदीरत्ता, संजय दत्ता, सीमा गुप्ता, सौरभ गर्ग, जादूगर सम्राट शंकर, बजरंग लाल अग्रवाल, गोपाल वर्मा, राकेश गुप्ता, संजीव मोंघा, सुभाष चंदर अग्रवाल, अंजू जैन, अलका बैगानी तथा सरदार नरेन्द्र सिंह चहल को सेवा भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि सेवा भारती समाज में विभिन्न सेवा प्रकल्पों का संचालन करने वाली संस्था है। सेवा भारती 1979 से समाज सेवा में कार्यरत है।

आप ने दिल्ली चुनाव के लिए सभी 70 प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चौथी और आखिरी लिस्ट रविवार 15 दिसंबर को जारी कर दी है। इस लिस्ट में 38 नाम शामिल किए गए हैं। इस सूची के अनुसार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि सीएम आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगी। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश और सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। आप ने दिल्ली चुनाव घोषित होने से बहुत पहले ही सभी 70 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही आप ने इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे हैं, जबकि चार विधायकों की सीट बदली है। मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से जंगपुरा, राखी बिडलान की मंगोलपुरी से मादीपुर, प्रवीण कुमार की जंगपुरा से जनकपुरी और दुर्गेश पाठक की करावल नगर से राजेंद्रनगर की गई है। यहां बताते चलें कि आम आदमी पार्टी ने 21 नवंबर से लेकर 15 दिसंबर तक चार सूची जारी कीं और सभी 70 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं।

ठंड ने यूपी में तोड़ा बीस साल का रिकॉर्ड, किसान की मौत, तापमान 3 डिग्री पहुंचा

- बर्फबारी ने बढ़ी ठंड, जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में पारा माइनस में

एजेंसी। नई दिल्ली

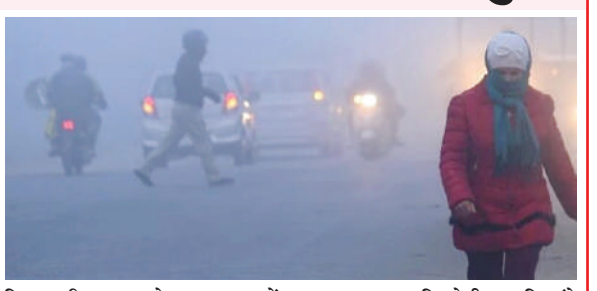

उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। यूपी में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे सप्ताह में कोल्डवेव चल रही है। यहां तीसरे या चौथे हफ्ते तक शीतलहर चलती है। तेज ठंड के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। यूपी में सबसे ज्यादा ठंड अयोध्या में पड़ रही है। यहां तापमान 3 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया है। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुल 15 शहरों में शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब और मध्यप्रदेश में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में तापमान माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि बर्फबारी के कारण यहां न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। जोजिला में तापमान माइनस 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, श्रीनगर में माइनस 3.4 डिग्री, पहलगाम में माइनस 4.0, गुलमर्ग में माइनस 3.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी। इन राज्यों में बिजली गिरने का भी अनुमान लगाया गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया रहेगा। पश्चिम बंगाल के तटों के आसपास 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। वहीं 17 दिसंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी में 12 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश होगी कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 7 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है। हरियाणा और यूपी में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में विजिबिलिटी भी घट सकती है। राजस्थान में कोल्डवेव का अलर्ट है। यहां कई शहरों में तापमान पांच डिग्री के नीचे रहने की उम्मीद है। 18 दिसंबर की बात करें तो तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के अलावा केरल में बिजली गिरने के साथ बारिश के आसार हैं। राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर चलेगी। तापमान में बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी ठंड बढ़ सकती है। यहां तापमान में गिरावट आ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू में मादक पदार्थ के साथ पाकिस्तानी ड्रोन जब्त

जम्मू। जम्मू के अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने करीब आधा किलोग्राम उच्च श्रेणी का मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जब्त किया है। इस मामले की जानकारी रविवार को सुरक्षा बल के अधिकारियों ने मीडिया को दी है। जानकारी दे रहे अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी ड्रोन अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से भारत में घुसा था। उक्त ड्रोन को शनिवार देर रात अरनिया सेक्टर स्थित चिनाज सीमा चौकी क्षेत्र से जब्त कर लिया गया है। ड्रोन और मादक पदार्थ बरामदगी की पुष्टि करते हुए बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि जवानों ने शनिवार रात आठ बजकर 10 मिनट पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। इसी के साथ मादक पदार्थ की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ड्रोन से 495 ग्राम मादक पदार्थ भी जब्त किया गया है। अपने एक बयान में अधिकारी ने कहा हा, कि 'बीएसएफ जम्मू के जवानों ने पुनः राष्ट्र विरोधी ताकतों के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया है, जो राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अब सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं होंगे 'एक देश एक चुनाव' से जुड़े दोनों विधेयक

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने संबंधी दो विधेयक अब सोमवार को लोकसभा में पेश नहीं किए जाएंगे। सोमवार को लोकसभा में सदन की होने वाली कार्यवाही के लिए पुनरीक्षित कार्य सूची में इन दोनों विधेयकों के पेश करने का कोई जिक्र नहीं है। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एक देश एक चुनाव से जुड़े दो विधेयक पेश करने वाले थे। दरअसल, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 18 सितंबर को 'एक देश, एक चुनाव' से जुड़ी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी थी। इसके बाद गुरुवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक देश एक चुनाव' से जुड़े दो विधेयकों को संसद में पेश किए जाने की मंजूरी दे दी थी। इनमें से एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है, जबकि दूसरा विधेयक विधानसभाओं वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के एक साथ चुनाव कराने के संबंध में है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति ने इस संबंध में विभिन्न पार्टियों और हितधारकों से इस पर विचार किया और अपनी सिफारिशें की थीं। इसमें प्रस्ताव किया गया है कि एक अवधि के बाद सभी राज्यों की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल छोटा कर एक साथ चुनाव कराए जाएं।

राम मंदिर बनाने वालों का सम्मान हुआ, ताजमहल बनाने वालों के हाथ काट दिए गएः सीएम योगी

एजेंसी। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि आपने देखा होगा कि 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी राम मंदिर का निर्माण करने वाले श्रमिकों का सम्मान कर रहे थे। एक तरफ जहां पीएम उन पर फूल बरसा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ, इससे पहले की स्थिति ऐसी थी कि ताजमहल का निर्माण करने वाले श्रमिकों के हाथ काट दिए गए थे। उन्होंने कहा कि इतिहास में बढ़िया कपड़ा उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के भी हाथ काट दिए गए थे, जिससे एक पूरी परंपरा और विरासत नष्ट हो गई। यूपी के सीएम ने कहा, आज भारत अपने श्रमबल का सम्मान करता है, उन्हें हर तरह की सुरक्षा देता है। दूसरी तरफ ऐसे शासक भी थे, जिन्होंने मजदूरों के हाथ काट दिए और बढ़िया कपड़े की विरासत को नष्ट कर दिया, परंपरा को पूरी तरह नष्ट कर दिया। पहली से पंद्रहवीं शताब्दी के बीच विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत के ऐतिहासिक योगदान के बारे में बात करते हुए सीएम योगी ने कहा, पहली शताब्दी से लेकर 15वीं शताब्दी तक यूरोप से जुड़े विद्वान भी स्वीकार करते हैं कि उस समय विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक थी और 15वीं शताब्दी तक यही स्थिति रही। मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 13 दिसंबर को विश्व हिंदू आर्थिक मंच की शुरुआत हुई और यह 15 दिसंबर तक चलेगा। सीएम ने भारत को पहचान के संकट से बाहर निकालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की। उन्होंने संभल में मिले मंदिर की पृष्ठभूमि में कहा, आज जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और उसका पोषण कर रहे हैं, ये लोग हमारी विरासत पर दावा करते हैं, जब वे कहीं नहीं थे, उनके बीज भी नहीं फूटे थे, तब भी हमारी विरासत थी।

- प्रियंका ने कहा-नड्डा जी हाथ मल रहे थे तो शाह जी सिर छू रहे थे

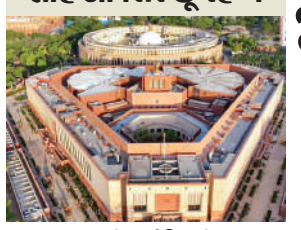

संविधान को लेकर दिए पीएम के भाषण को विपक्ष में बताया बोरिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान को लेकर अपने भाषण में कांग्रेस पर निशाना साधा था। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के भाषण को बोरिंग बताया। प्रियंका ने कहा कि पीएम ने कुछ भी नया या रचनात्मक नहीं कहा है। दशकों बाद मुझे अहसास हुआ कि मैं स्कूल के मैथ्स के डबल पीरियड में बैठी हूं। प्रियंका ने कहा कि बीजेपी नेता जेपी नड्डा हाथ मल रहे थे, पीएम ने उनको देखा तो वे ऐसी एक्टिंग करने लगे कि वे सुन रहे हैं, अमित शाह अपना सिर छू रहे थे। पीछे बैठे पीयूष गोयल ऐसे लग रहे थे कि वे सोने वाले हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे लगा कि पीएम कुछ नया बोलेंगे, लेकिन उन्होंने खोखले वादों के बारे में बात की। अगर उनमें भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है, तो उन्हें कम से कम अडानी पर बहस करनी चाहिए। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी का ये बहुत लंबा भाषण था। हमें 11 जुमलों की शपथ सुनने को मिली। वंशवाद की राजनीति की आलोचना करने वालों की पार्टी में वंशवाद की भरमार है। सच्चाई यह है कि एससी/एसटी, ओबीसी और दलितों का आरक्षण खत्म कर दिया गया है। जल्द ही एक दिन आएगा जब जाति जनगणना होगी और लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से उनके अधिकार और सम्मान मिलने लगेंगे। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पीएम मोदी के भाषण में कोई दम नहीं था। ये कांग्रेस के खिलाफ सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप था। कल और आज हमने उजागर किया कि उनकी एनडीए सरकार अब अडानी के लिए चल रही है। वे संविधान की बात करते हैं लेकिन इसका इस्तेमाल एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, एकाधिकार बना रहे हैं। जब हम संसद में संविधान पर चर्चा करते हैं, तो वे इसका कोई सम्मान नहीं करते। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि भाषण के दौरान पीएम मोदी सिर्फ गांधी परिवार को लेकर अड़े रहे। वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की आलोचना करते रहते हैं। उनका ध्यान केवल गांधी परिवार पर है, जिसने इस देश को स्वतंत्रता और संविधान दिलाया। हम इससे परेशान हैं। वहीं कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी का भाषण सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप का था। ऐसा भाषण पीएम के लिए उचित नहीं है। मैं हैरान हूं कि उन्होंने एक बार भी धर्मनिरपेक्ष शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। उन्हें याद रखना चाहिए कि वह संविधान के जरिए देश के पीएम बने हैं, जिसकी नींव कांग्रेस ने रखी थी। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने उन्होंने वंशवाद के खिलाफ बात की, लेकिन दंगों या महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों के बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया।

मशहूर तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने 72 साल की उम्र में अंतिम सांस ली

नई दिल्लीः मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का देहांत हो गया है. तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वे दिल से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे थे. वे 73 साल के थे. वे ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे थे.

राजस्थान के केबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक जाहिर करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, 'जाकिर हुसैन की तबले पर

असाधारण महारत ने संगीत की दुनिया में एक कालजयी विरासत बनाई है. उनके परिवार, दोस्तों और उन अनगिनत फैंस से मेरी गहरी सहानुभूति है, जिनके जीवन को उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी से प्रभावित किया. उनका संगीत हमारे दिलों में हमेशा गूंजता रहेगा.'

जाकिर हुसैन के मित्र बांसुरीवादक राकेश चौरसिया ने पीटीआई को बताया कि सेहत बिगड़ने के बाद उन्हें पिछले हफ्ते आईसीयू में भर्ती कराया गया था. वे दिल से जुड़ी समस्या के कारण पिछले हफ्ते से सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में भर्ती थे.

थाईलैंड में वार्षिक उत्सव में बम विस्फोट, 3 की मौत, 39 घायल

बैंकॉक। थाईलैंड में एक वार्षिक उत्सव में हुए बम विस्फोट में तीन की मौत हो गई। 39 लोग घायल हो गए। पीएम पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस विस्फोट में मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पैतोंगटार्न ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को घटना की जांच करने, अपराधियों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों को आगामी सभी त्योहारों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में, थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत सोंगखला में सड़क किनारे हुए विस्फोट में दो स्कूली बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गए थे। घायलों में एक जिला सहायक प्रमुख, एक रक्षा स्वयंसेवक और ग्रामीण भी शामिल था। यह विस्फोट थाई सेना और विद्रोहियों के समूह के बीच झड़प के बाद हुआ। इसके बाद नाराथिवात प्रांत के एक पहाड़ पर सुरक्षा बलों ने पांच संदिग्ध दक्षिणी विद्रोहियों को मार गिराया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर बाबूलाल मरांडी ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी । रांचीः भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी है। मरांडी ने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि देश को एकता और अखंडता के सूत्र में पिरोने वाले 'लौहपुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि। भाजपा ने अपने संदेश में लिखा है कि भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक, आधुनिक भारत के शिल्पकार महार, स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न 'लौह पुरूष' सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर शत—शत नमन।

रांची में तालाब से मिला अज्ञात शव

एजेंसी । रांचीः शहर के चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नायक टोली तालाब में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।स्थानीय लोगों ने तालाब में शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। शव के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिले हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराने पर किसी ने भी शव की पहचान नहीं की। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

मुख्य सचिव ने नीति आयोग के सम्मेलन में साझा किए प्रदेश और देश के विकास से जुड़े तथ्य

एजेंसी । रांचीः देश की राजधानी दिल्ली में नीति आयोग के तीन दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। झारखंड सरकार की तरफ से इस सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य सचिव अलका तिवारी ने की। इस सम्मेलन में विकास के लिए आत्मनिर्भर होने की प्रक्रिया में कृषि रोजगार, शहरी विकास, नवीनीकरण ऊर्जा, उन्नतशील अर्थव्यवस्था आदि पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन का विषय जनसांख्यिकी लाभांश का लाभ उठाना और विकास के नए आयामों के मार्ग प्रशस्त करना था। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने प्रदेश के विकास के लिए कई बिंदु रेखांकित किए। साथ ही सम्मेलन में प्रमुखता के बिंदु दलहन पर प्रदेश की सहभागिता पर विशेष जोर दिया। यह आयोजन केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को सशक्त बनाने के साथ देश में सहकारी संवाद स्थापित करने की अहम कड़ी है। इस अवसर पर प्रधान सचिव योजना मस्त राम मीणा, सचिव ग्रामीण विकास के श्रीनिवासन एवं सचिव उद्योग विभाग जीतेन्द्र कुमार सिंह आदि विशेष पदाधिकारी मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में पाक्षिक स्कूल न्यूज़लेटर का विमोचन

एजेंसी । कोडरमाः पीएम श्री जेएनवी कोडरमा ने रविवार को अपने पाक्षिक स्कूल न्यूज़लेटर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिले के वरीय पत्रकार संजीव समीर, राजेश कुमार, प्रेम भारती, रवि छाबड़ा, उमा शंकर के साथ ही ग्राफिक डिजाइनर रवि शंकर भी बतौर अतिथि मौजूद थे। समारोह की शुरुआत आमंत्रित लोगों को गुलदस्ता और बैज देकर की गई। इसके बाद प्राचार्य किशोर कुमार, उप-प्राचार्य पंकज एस राणा, अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया। न्यूज़लेटर का अनावरण प्राचार्य किशोर कुमार और विद्यालय के अन्य शिक्षको ने किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जिसमें बच्चों ने स्वागत गीत गाया और एक मधुर एकल गीत भी प्रस्तुत किया । पत्रकार संजीव समीर और प्रेम भारती ने बच्चों से कैरियर को गम्भीरता से लेने और जीवन में बड़ा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने को प्रेरित किया गया। प्राचार्य किशोर कुमार ने कहा, "न्यूज़लेटर केवल तथ्यों का संग्रह या अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यालय के जीवंत वातावरण को भी दर्शाता है। यह टीम वर्क और नवाचार की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

बिरहोर बच्चों के बीच पहुंचा सामाजिक संस्था, कपड़ों का किया वितरण

एजेंसी । रामगढ़। कर्णधार सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था रामगढ़ के तत्वधान में कड़ाके की ठंड देखते हुए रविवार को दोहाकातु स्थित बिरहोर बच्चों के बीच नए कपड़ो के साथ गरम कपड़ो का वितरण किया गया। मौके पर संस्था के संस्थापक विक्रांत गुप्ता ने कहा कि रामगढ़ की जनता के आशीर्वाद और हमारी टीम की एकता हमारे लिए ताकत का काम करता है। उन्होंने कहा कि संस्था करीब पांच सालों से यहां आकर सहयोग कर रहा है। आगे भी मदद के लिए आता रहेगा। संस्था के अध्यक्ष जयदीप सोनी ने लोगों से अपील की है कि उपयोग में ना आने वाली पोशाक कर्णधार रामगढ़ के ऑफिस में जमा करे, ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। इस अवसर पर आशीष साहू, अनिल महतो, कर्मवीर राम, रिशु गुप्ता, पवन कुशवाहा शमिल थे।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाने के दौरान लगा जाम, कोडरमा घाटी में रेंग रही हैं गाड़ियां

एजेंसी । कोडरमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत घाटी जमसोती नाला के समीप शनिवार की शाम लोहा लदे ट्रेलर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से चालक बाल बाल बच गया था। हालांकि दुर्घटना के बाद सड़क पूरी तरह से जाम हो गई थी और रांची पटना रोड के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लग गई थी। जिसे कोडरमा पुलिस का सहायता से आंशिक रूप से हटकर गाड़ियों का परिचालन शुरू कराया गया था। रविवार की सुबह करीब तीन बजे एक बार फिर से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाने का कार्य शुरू किया गया। जिसकी वजह से कोडरमा घाटी से लेकर कोडरमा चाराडीह तक लगभग 16 किमी में एक बार फिर जाम की समस्या बन गई। इस दौरान कई यात्री बस भी फंसे रहे। हजारों की संख्या में यात्री परेशान भी रहे। बाद में कोडरमा पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवा कर रविवार की शाम परिचालन को सामान्य कराया। जाम लगने के कारण घाटी में वाहनें अभी भी रेंग कर गुजर रही है।

एटीएस ने तीन बदमाशों को हथियार के साथ पकड़ा

एजेंसी । रांची

आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में बिहार के सिवान जिले के जिरादेई थाना क्षेत्र निवासी अभय कुमार मिश्रा उर्फ उर्फ मास्टर, रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र निवासी अब्दुल करीम और हजारीबाग के बड़का गांव निवासी प्रमोद कुमार साव शामिल हैं। इनके पास से दो पिस्टल, दो गोली और छह मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने रविवार को बताया कि पुलिस मुख्यालय ने राज्य में संगठित अपराधिक गिरोहों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने का निर्देश आतंकवाद निरोधी दस्ते को दिया है। इसी क्रम में रंगदारी के लिए जान मारने की धमकी के आरोप में दर्ज रातू थाना (काण्ड संख्या 360/24) को डीजीपी के आदेश पर 12 दिसंबर को एटीएस थाना (काण्ड संख्या 08/24) दर्ज किया गया। एसपी ने बताया कि इस मामले के अनुसंधान के क्रम में संदिग्ध अभय कुमार मिश्रा से पूछताछ की गई। पूछताछ में यह बात प्रकाश में आई कि अभय कुमार मिश्रा ने बरियातू थाना क्षेत्र में रहने वाले पत्थर व्यवसायी शैलेन्द्र प्रताप नारायण सिंह उर्फ अनूप सिंह को भी जान से मारने की धमकी देकर 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। इस संबंध में बरियातू थाना में गत 10 दिसंबर को मामला दर्ज कराया गया था। पूछताछ में एटीएस टीम को एक महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई कि अब्दुल करीम नामक व्यक्ति के पास हथियार है। इस सूचना पर पिठोरिया थाना और एटीएस टीम ने संयुक्त छापेमारी कर अब्दुल करीम के घर से दो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किया। साथ ही अब्दुल करीम को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि एटीएस टीम ने पाण्डेय गिरोह के सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध लगातार छापेमारी कर रही है। इस क्रम में भदानीनगर (काण्ड संख्या 223/24) के अप्राथमिकी आरोपित प्रमोद कुमार साव को हजारीबाग और एटीएस टीम ने संयुक्त छापेमारी कर गिरफ्तार किया। आरोपित प्रमोद साव हजारीबाग जिला के बड़कागांव थानाक्षेत्र में घटित हत्या, फायरिंग की घटना का वांछित अपराधी था। एसपी ने बताया कि अब्दुल करीम के खिलाफ पिठौरिया थाने में पूर्व से मामला दर्ज है। जबकि प्रमोद कुमार साव के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य अपराध से जुड़े छह मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली की साजिश के पीछे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हाथ : बाबूलाल मरांडी

एजेंसी । रांची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रविवार को हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली की साजिश के पीछे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हाथ है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली की साजिश के पीछे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हाथ साफ नजर आता है। पहले हेमंत सोरेन के जरिये सीआईडी जांच का झूठा आश्वासन दिया गया, फिर जेएसएससी ने खुद को क्लीन चिट दे दी। अब छात्र आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी के सख्त आदेश जारी कर सरकार ने युवाओं की आवाज दबाने की साजिश रच दी है। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सोरेन शायद भूल गए हैं कि झारखंड की भूमि आंदोलनों और संघर्षों की प्रतीक है। झारखंड का युवा दमनकारी नीतियों का करारा जवाब देना जानता है। उन्होंने लिखा है कि हेमंत सोरेन छात्रों की गिरफ्तारी का तुगलकी फरमान वापस लेकर सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच कराने का आदेश दें और छात्रों के गतिरोध को समाप्त करने की सकारात्मक पहल करें।

बोकारोः दुकानदार को चाकू घोंपने वाला होमगार्ड जवान गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः जिले के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर में शनिवार देर शाम एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। नशे में धुत एक होमगार्ड जवान संतोष सिंह ने फुटपाथी दुकानदार विक्रम सिंह को चाकू घोंपकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई की और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सेक्टर 4 थाना प्रभारी संजय कुमार ने जानकारी दी कि होमगार्ड जवान संतोष सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी घटना के समय नशे की हालत में था और लगभग एक घंटे से इलाके में हंगामा मचा रहा था। इसी दौरान उसने दुकानदार विक्रम सिंह पर अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने होमगार्ड जवान को पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि संतोष सिंह का व्यवहार घटना से पहले से ही असामान्य था।

पुलिस ने घायल दुकानदार विक्रम सिंह और आरोपी होमगार्ड जवान संतोष सिंह को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। दुकानदार की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि आरोपी जवान को भी चोटें आई हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी जवान के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि होमगार्ड जवान किस स्थिति में ड्यूटी पर था और उसके पास चाकू कहां से आया।

यह घटना एक बार फिर नशे के दुष्प्रभाव और इसके कारण बढ़ती हिंसा की ओर ध्यान खींचती है। पुलिस प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

यह घटना कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है, खासकर तब जब कानून की रक्षा करने वाले जवान ही अपराध में लिप्त पाए जाते हैं। उम्मीद है कि पुलिस सख्त कार्रवाई करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

सरकार की ओर से क्षेत्र वासियों को मिला तोहफा, वर्षों से बंद शेर शाहबादी प्रमाण पत्र हुआ निर्गत- विधायक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजमहल/साहिबगंजः विगत कई वर्षों से शेर शाहबादी प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने से क्षेत्र के युवाओं को नौकरी एवं रोजगार के अवसर में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

लगातार इसकी मांग क्षेत्र के लोग कर रहे थे। जिसको लेकरक्षेत्रीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि चुनाव से पूर्व राजमहल की सभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया गया था कि प्रमाण पत्र निर्गत करने की दिशा में आदेश दिया जाएगा।

सरकार बनते ही यह तोहफा क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए समर्पित किया गया। आज शेर शाह वादी प्रमाण पत्र निर्गत होने लगा। प्रमाण पत्र निर्गत होने को लेकर हर्ष व्यक्त करते हुए युवाओं की एक शिष्टमंडल क्षेत्रीय विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। युवाओं ने कहा कि लाखों युवा अब रोजगार और नौकरी से जुड़ने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे। इधर विधायक ने अंचल अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि प्रमाण पत्र निर्गत में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। अगर कहीं समस्या उत्पन्न होती है तो समन्वय स्थापित कर तुरंत निष्पादन करते हुए प्रमाण पत्र को निरंतर निर्गत करने की प्रक्रिया जारी रखेंगे

रांची के श्यामा प्रसाद विवि में गीता जयंती समारोह

एजेंसी । रांची

राजधानी रांची के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में रविवार को आयोजित गीता जयंती समारोह में नव नामांकित विद्यार्थियों के स्वागत कार्यक्रम ने शिक्षा, संस्कृति और आध्यात्मिकता के बीच एक अद्भुत सामंजस्य का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस विशेष आयोजन में संस्कृत विभाग ने भारतीय संस्कृति की गहराई और भगवद्गीता के अद्वितीय संदेश को विद्यार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय की मानविकी संकायाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अर्चना कुमारी दूबे ने कहा कि भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह मानवता को जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करती है। उन्होंने गीता के कर्मयोग सिद्धांत को युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताया, जो उन्हें जीवन में आने वाली कठिनाइयों से जूझने और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सतत प्रयासरत रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मचिंतन और मानसिक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, जो गीता के शिक्षण का मूल तत्व है। प्रो. दूबे ने शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेश कुमार मिश्र ने कहा कि भगवद्गीता को भारतीय संस्कृति और दर्शन का स्तंभ बताते हुए कहा कि यह ग्रंथ केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन नहीं देता, बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। उन्होंने संस्कृत भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों से इसे न केवल एक भाषा के रूप में देखने, बल्कि इसे भारतीय विज्ञान, दर्शन और सभ्यता के मूल आधार के रूप में समझने का आग्रह किया। डॉ. मिश्र ने गीता के प्रत्येक अध्याय को जीवन के विविध पक्षों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि यह ग्रंथ कर्म, ज्ञान और भक्ति का अनोखा संतुलन प्रस्तुत करता है। उन्होंने नव नामांकित विद्यार्थियों को संस्कृत के अध्ययन के प्रति प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने भगवद्गीता के श्लोकों की व्याख्या करते हुए उनके जीवनोपयोगी संदेशों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। उन्होंने गीता के कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग के सिद्धांतों पर विस्तार से चर्चा की और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात् करें। डॉ. द्विवेदी ने संस्कृत भाषा और गीता के महत्व को समझाते हुए कहा कि संस्कृत का अध्ययन न केवल शास्त्रों की गहराई तक पहुंचने में मदद करता है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और मूल्यों को समझने का माध्यम भी है। विभागीय शिक्षिका कुमारी जया ने गीता जयंती समारोह को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए इसे संस्कृत और भारतीय दर्शन को समझने का अनूठा माध्यम कहा।

चांडिल थाना प्रभारी निलंबित, डीजीपी ने सख्त कार्रवाई के दिए आदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेलाः डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सरायकेला के चांडिल थाना प्रभारी वरुण यादव को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सीआईडी की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि आम जनता के साथ बदसलूकी करने वाले पुलिसकर्मियों पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने हाल ही में सभी जिलों के रेंज डीआईजी और एसपी को इस विषय में सख्त आदेश दिए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिसकर्मियों को आम जनता के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए और जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करना चाहिए। इसके लिए सभी थाना प्रभारियों और थाना कर्मियों को दिशा-निर्देश भी जारी किए गए थे।

डीजीपी के निर्देशानुसार, राज्यभर में पुलिस के आचरण पर नजर रखी जा रही है, और दोषी पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। यह कदम पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया है।

लायंस क्लब ने किया स्वास्थ्य सेवा का इंतजाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो में रविवार से प्रारंभ किये गये हैप्पी स्ट्रीट के खुशनुमा कार्यक्रम में लायंस क्लब द्वारा संचालित लायंस नर्सरी स्कूल के बच्चों ने जहां कई तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत किये, वहीं लायंस क्लब के सदस्यों की ओर से लोगों के स्वास्थ्य सेवा के भी इंतजाम किये गये थे। इस दौरान लायंस क्लब के चिकित्सक ने वहां आने वाले लोगों के ब्लड प्रेशर आदि की जांच की और उचित परामर्श दिये। साथ ही, चाय-नाश्ते का भी प्रबंध किया गया था। इस कार्यक्रम में संस्था की ओर से अजय केडिया, दिनेश चड्ढा, मनोरमा चड्ढा, पी मिश्रा सहित अन्य लोग सक्रिय रहे।

ब्रह्मपुत्रा मैटेलिक प्लांट में झुलसा मजदूर, मौत के बाद ग्रामीणों ने किया हंगामा

एजेंसी । रामगढ़

रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्रह्मपुत्र मेटेलिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में झुलसने से एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर की मौत से गुस्साए स्थानीय ग्रामीणों ने रविवार को प्लांट के गेट पर हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार चार दिन पहले गोला निवासी पोदो महतो प्लांट में काम कर रहा था। इसी दौरान लोहा गलाने वाले सीसीएस की आग से वह बुरी तरह झुलस गया। आनन फानन में उसे बेहतर इलाज के लिए रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान ही रविवार को उस मजदूर की मौत हो गई। मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने प्लांट के गेट को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते हैं विधायक ममता देवी प्लांट पहुंची और प्रबंधन के साथ उन्होंने वार्ता की। इस दौरान मृतक के आश्रितों को 15 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी गई। साथ ही परिवार के भरण पोषण के लिए मृतक की पत्नी को नौकरी देने, दोनों छोटे बच्चों की पढ़ाई में मदद करने का आश्वासन प्रबंधन की ओर से दिया गया। सहमति बनने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

खुशियों के सवेरे "हैप्पी स्ट्रीट" में जेवेरियन परिवार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : रविवार को बोकारो इस्पात नगर में हैप्पी स्ट्रीट से सड़कों पर रौनक व अत्यन्त रोमांच दिखाई पड़ा । बोकारो स्टील सिटी को देश का पहला ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी का दर्जा प्राप्त हुआ है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बोकारोवासियों के लिए सेल प्रबंधन ने हैप्पी स्ट्रीट, जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया। यहाँ बोकारो के कोने-कोने से लोग शामिल हुए। यहाँ बोकारो के विभिन्न विद्यालयों ने भी अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। विद्यार्थियों ने जॉगिंग, वाकिंग, व्यायाम, साइकिलिंग,नृत्य, संगीत , स्वास्थ्य व फिटनेस से जुड़े कई कार्यक्रमों की प्रदर्शिनी लगाई। संत जेवियर्स स्कूल, बोकारो के भी विद्यार्थियों ने सर्दी के मौसम में सभी दशकों को अपने संगीत कला से मंत्रमुग्ध कर दिया। सवार लूं , इश्क सूफियाना, हाले दिल, स्नोमैन जैसे मनोमुग्धकारी गानों को पेश कर विश्वजीत, हर्ष, अंजली, इशिता, एंजेलिना और जिया ने सर्द हवा में खुशियों की गर्माहट भर दिया। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए फ्रांसिस टोपो एवं राहुल मौजूद रहे । साथ ही मदद एवं प्रबंधन के लिए मुकेश और गणेश वहाँ मौजूद रहे। विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए हाई स्कूल के उप प्राचार्य दीपक चौधरी मौजूद रहे। प्राचार्य फादर अरुण मिंज, एस. जे. ने हैप्पी स्ट्रीट, जनभागीदारी कार्यकर्म की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बोकारोवासियों में खास तौर पर युवाओं में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा।

मंजूरा मुखिया ने पंचायत के बच्चों के साथ मनाई पिकनिक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड के मंजूरा पंचायत के मुखिया ममता कुमारी एवं पूर्व मुखिया नरेश महतो ने रविवार को पंचायत क्षेत्र के छोटे छोटे बच्चों के साथ पिकनिक कर खुशियां बांटी। इस दौरान मंजुरा, सोखाडीह, गौरेयाडीह समेत अन्य कई टोले से पहुंचे बच्चों ने जमकर पिकनिक की मस्ती की। इस अवसर पर मुखिया ममता कुमारी ने बताया कि बच्चे भगवान के साक्षात रूप हैं। इसलिए पूस माह की शुरुआत से पूर्व बच्चों के साथ पुषालु मनाकर उन्हें नए वर्ष की अग्रिम बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बच्चों की पिकनिक के बाद नए साल में पूरे जिले के सभी पंचायतों के मुखिया के साथ भी पिकनिक मनाने की योजना बनाई जा रही है। मौके पर नरेश कुमार महतो,

पूजा सिंघल महतो, अभिषेक कुमार, राजकुमार,- नीतीश कुमार, पंकज, लखिन्द्र महतो, इंदु कुमारी, राहुल कुमार, सुनील कुमार, विष्णु कुमार, कुलदीप कुमार, रविंद्र महतो, तारकेश्वर महतो, संदीप महतो, तनीषा कुमारी, अमीषा पटेल, रानी कुमारी, ज्योति कुमारी, मनीषा कुमारी, जयंत कुमार व अन्य दर्जनों बच्चे मौजूद थे।

बोकारो विधायक से मिले झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ, बोकारो जिला इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में बोकारो की नवनिर्वाचित विधायक श्वेता सिंह से उनके सेक्टर तीन स्थित उआवास पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बधाई दी एवं नूतन कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। शिक्षक प्रतिनिधियों ने विधायक को झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ द्वारा शिक्षक एवं छात्र हित में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। विधायक ने शिक्षकों से ईमानदारी पूर्वक छात्र हित में कर्तव्य निर्वहन करने का सुझाव दिया। उन्होंने शिक्षकों की हर समस्याओं का निष्पादन करवाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवक होने के नाते जनता के हित में निरंतर कार्य करना ही हम सब का ध्येय है। उन्होंने प्लस टू शिक्षक संघ के पदाधिकारियों से मिलकर प्रसन्नता जाहिर की। इस अवसर पर संघ के संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक, सचिव डॉ अवनीश कुमार झा, कोषाध्यक्ष राजदेव साहू, उपाध्यक्ष डॉ शशिकांत पांडेय, संयुक्त सचिव डॉ शक्ति पद महतो, संगठन मंत्री ब्रजेश कुमार, तकनीकी सचिव धर्मेंद्र कुमार, सदस्य कपिल देव ठाकुर, प्रियंका कुमारी एवं अशोक कुमार महतो उपस्थित थे।

बोकारो में हैप्पी स्ट्रीट के तीसरे संस्करण की धमाकेदार शुरुआत

- खुशनुमा शहर, खुशहाल जीवन - फिर जागा खुशियों का नया सबेरा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति समर्थित ग्लोबल पार्टनर प्रोग्राम के तहत चयनित भारत की एकमात्र ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी बोकारो एक बार पुनः खास एक्टिव हो चुकी है। शहरवासियों को स्वस्थ तन, स्वस्थ मन और हर तरफ खुशहाली फैलाने के उद्देश्य से हैप्पीनेस मेले का सिलसिला एक बार फिर शुरू हो चुका है। खुशनुमा शहर, खुशहाल जीवन की सोच के साथ रविवार को बोकारो में हैप्पी स्ट्रीट का पुनः शुभारंभ हो गया। खुशियों का सवेरा थीम के साथ इसके तीसरे संस्करण की शुरुआत बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेन्द्र कुमार तिवारी ने गुब्बारा उड़ाकर की। इस अवसर पर उनके साथ बीएसएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। क्या बच्चा, क्या बड़ा, अधिकारी से लेकर कर्मचारी, हर कोई, हर उम्र का शख्स इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना।

हर किसी ने तनाव-मुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम, नृत्य-संगीत आदि को माध्यम बनाया। बोकारो मॉल के सामने से लेकर सेक्टर-4 गांधी चौक से लेकर तक की सड़क, जिसे हैप्पी स्ट्रीट का नाम दिया गया है, फिर गुलजार हो गई। डीपीएस बोकारो, चिन्मय विद्यालय, डीएवी इस्पात विद्यालय, मिथिला एकेडमी, लायंस नर्सरी स्कूल सहित विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने इस उत्सव में चार चांद लगा दिए। उनकी ओर से लगाए गए हैप्पी कैम्प में बच्चों ने झारखंड के पारंपरिक नृत्य, योग, संगीत, पेंटिंग, कसरत जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन किया। कोई नाचता दिखा, कोई पेंटिंग करता तो कोई गिटार बजाता। कोई योगाभ्यास कर रहा था, दौड़ रहा था, तो कुछ बच्चों की टोली ने भांति-भांति के करतब व कसरत दिखाई। डीपीएस बोकारो के बच्चों ने कराटे कौशल का भी शानदार प्रदर्शन किया।

सड़क बन गई मनोरंजन केन्द्र- इस दौरान सड़क मनोरंजन के केंद्र में तब्दील हो गई, जहां फिटनेस डांस, जुम्बा, एरोबिक्स, योग, लाइव बैंड और गेम शो जैसे आकर्षण थे। बच्चे, बुजुर्ग और हर आयु वर्ग के लोग दौड़ते, साइकिल चलाते, नाचते और स्केटिंग करते नजर आए। फुटबॉल, लूडो, कैरम, रस्साकशी, तीरंदाजी और स्किपिंग जैसे खेलों में लोग मशगूल रहे। दूर-दराज से लोग आए। सभी खुशी, मस्ती और फिटनेस से सराबोर दिखे। बोकारो मॉल से गांधी चौक तक आधे किलोमीटर की सड़क तीन घंटे तक हंसी, संगीत और गतिविधियों से गूंजती रही। इस इवेंट में 10,000 से अधिक निवासियों ने भाग लिया। शहरवासियों ने जमकर सेल्फियां लीं, फोटो खींचे और खिंचवाए तथा सोशल मीडिया पर साझा किया।

25 जनवरी तक चलेगा सिलसिला- बोकारो स्टील प्लांट द्वारा आयोजित 'हैप्पी स्ट्रीट' बोकारो के ग्लोबल एक्टिव सिटी का दर्जा पाने के बाद शुरू किया गया एक बड़ा आयोजन है, जो हर रविवार दो घंटे के लिए आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य लोगों को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस बार 24 जनवरी 2025 तक किया जाएगा।

जीवंत है हमारा शहर : निदेशक प्रभारी- हैप्पी स्ट्रीट के तीसरे संस्करण के उद्घाटन में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेन्द्र कुमार तिवारी सहित अधिशासी

निदेशकों ने भी भाग लिया। डीआई श्री तिवारी ने कहा कि हमारा शहर जीवंत है, जिसे यहां प्रत्यक्ष देखा जा सकता है। लोग यहां आकर खुशी से अपना समय बिता रहे हैं। हैप्पी स्ट्रीट का एकमात्र उद्देश्य है कि हर नागरिक खुश और स्वस्थ रहे।

वन पर्यावरण सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : वन पर्यावरण सुरक्षा समिति की कसमार व जरीडीह प्रखंड स्तरीय संयुक्त बैठक रविवार को कसमार प्रखंड के खैराचातर स्थित वन परिसर कार्यालय के प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो ने की। संचालन आनंद महतो ने किया। बैठक में वनों की सुरक्षा, जंगली हाथियों के उत्पात व समिति का सम्मेलन आयोजित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वन-पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सह संयुक्त ग्राम वन प्रबंधन समिति, लोधकियारी के अध्यक्ष विष्णु चरण महतो ने कहा कि क्षेत्र के जंगलों की सुरक्षा के लिए समितियों को अधिक सक्रिय होना होगा। उन्होंने कहा कि अवैध कटाई पर रोक लगाने के लिए विभाग एवं समिति के बीच बेहतर तालमेल के साथ काम करने की जरूरत है। बैठक में वन सुरक्षा अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रखंड एवं केंद्रीय स्तरीय महासम्मेलन जल्द आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बताया गया इसको लेकर एक प्रतिनिधिमंडल बोकारो डीएफओ से भी मुलाकात करेगा। मौके पर आनंद महतो, झरीराम महतो, पंचानन महतो, सुनील कुमार महतो, दिलीप कुमार महतो, अर्जुन महतो, राजेश्वर महतो, नित्यानंद महतो, संजय कुमार महतो, दिनेश महतो, गेंदालाल महतो, जवाहरलाल महतो, दुर्गा चरण महतो, सुलेखा देवी, समला देवी, शांति देवी, मनमोहन तिवारी, दशरथ टुडू, ठाकुरदास महतो, सुरेश कुमार महतो, धीरेंद्र नाथ महतो, वीरेंद्र कुमार महतो आदि मौजूद थे।

कसमार : सिंहपुर एवं हिसिम में मंत्री योगेंद्र ने किया धान अधिप्राप्ति केंद्र का उद्घाटन

किसानों से औने-पौने दाम में धान खरीदते बिचौलिए पकड़े गए तो होगी कार्रवाई : मंत्री

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड के सिंहपुर व हिसिम स्थित पैक्स में रविवार को धान अधिप्राप्ति केंद्र का शुभारंभ किया गया। पेयजल एवं स्वच्छता एवं उत्पाद व मद्द निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने इस केंद्र का शुभारंभ करते हुए किसानों से पैक्स के माध्यम से ही धान बेचने की अपील की। इस दौरान मंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बिचौलियों के पास अपनी धान औने-पौने दामों में नहीं बेचे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को प्रति क्विंटल 2400 रुपये के सरकारी समर्थन मूल्य का लाभ दे रही है। मंत्री ने कहा कि किसान अपना धान बिचौलियों के माध्यम से और खुले बाजार में न्यूनतम मूल्य पर या औने-पौने दाम पर धान की बिक्री नहीं कर धान अधिप्राप्ति केंद्र में ही बेचें एवं योजना का लाभ लें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कहीं भी कोई बिचौलिया किसानों से धान खरीदते एवं अवैध स्टॉक जमा करते नजर आए, तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर प्रखंड प्रमुख नियोति दे, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम,प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी, सीओ प्रवीण कुमार, थाना प्रभारी भजनलाल महतो, पूर्व जिप सदस्य विमल जायसवाल, सिंहपुर पंसस विनोद महतो रसलीन, शेरे आलम, कुलदीप करमाली, सिंहपुर पैक्स प्रबंधक भरत किशोर साव, पैक्स अध्यक्ष देवेंद्र साव, मनबोध घांसी, बैजनाथ महतो, अशरफ अली, शुभम झा, राकेश साव, मिथिलेश जायसवाल, छत्रु महतो, संजय महतो व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

घरेलू विवाद के बाद महिला ने तालाब में लगाई छलांग, मासूम की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बालीडीह थाना क्षेत्र के बनसिमली गांव में रविवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई। घरेलू विवाद के बाद एक महिला ने अपने 9 माह के बेटे को गोद में लेकर तालाब में छलांग लगा दी। ग्रामीणों की तत्परता से महिला को बचा लिया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी।

ग्रामीणों ने तालाब में कूदने की घटना देख तुरंत हरकत में आते हुए मां और बच्चे को गहरे पानी से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर बालीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सदर अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया, जबकि महिला रजनी कुमारी को बेहतर इलाज के लिए बीजीएच (बोकारो जनरल हॉस्पिटल) रेफर किया गया।

घरेलू कलह बनी घटना का कारण- पुलिस सूत्रों के अनुसार, रजनी कुमारी कोऑपरेटिव कॉलोनी की रहने वाली है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद को घटना का मुख्य कारण बताया जा रहा है। रजनी और उसके पति संजय सिंह के बीच लंबे समय से पारिवारिक मतभेद चल रहे थे, जिसने इस त्रासदी को जन्म दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है।

ससुराल से अलग रहने का निर्णय- परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, रजनी कुमारी का विवाह 2011 में कोऑपरेटिव कॉलोनी निवासी संजय सिंह से हुआ था। विवाह के कुछ महीने बाद ही संजय और रजनी ने ससुराल से अलग रहने का निर्णय लिया। संजय के पिता एस.एन. सिंह ने बताया कि संजय उनका सबसे बड़ा बेटा है। उन्होंने बड़े धूमधाम से बेटे का विवाह किया था, लेकिन विवाह के कुछ ही महीनों में बेटे-बहू ने अलग होकर रहने का फैसला किया।

एस.एन. सिंह ने बताया कि वे बेटे को हर महीने खर्चा भेजते थे और परिवार की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करते रहे। उन्होंने बताया कि रजनी और संजय की दो बेटियां पहले से हैं, जबकि करीब 7-8 महीने पहले ही उनका एक बेटा हुआ था। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा, "हमने पोते का चेहरा भी नहीं देखा था। आज की घटना ने हमें पूरी तरह तोड़ दिया है। बहू तो बच गई, लेकिन घर का चिराग बुझ गया।"

स्थानीय लोग स्तब्ध- घटना से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए समय रहते कदम उठाए जाने चाहिए थे। यह घटना घरेलू विवादों के कारण होने वाले गंभीर परिणामों की ओर इशारा करती है।

पुलिस जांच में जुटी- बालीडीह थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला को इस कदम तक पहुंचाने के पीछे क्या परिस्थितियां थीं। परिवार और रिश्तेदारों से पूछताछ जारी है।

यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि घरेलू विवादों को समय पर सुलझाना कितना जरूरी है। समाज को ऐसी स्थितियों में संवेदनशीलता और सतर्कता बरतने की जरूरत है ताकि इस प्रकार की त्रासदियों से बचा जा सके।

मईया सम्मान योजना के लाभुकों से पैसा वापस लेने का निर्णय गलत : लक्ष्मण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मईया सम्मान योजना के लाभुकों से पैसा वापस लेने का राज्य सरकार का निर्णय गलत है। भारतीय जनता पार्टी इसका विरोध करेगी। उक्त बातें जिला बीस सूत्री समिति के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता लक्ष्मण कुमार नायक ने रविवार को एक प्रेस बयान जारी कर कही। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सरकार ने मइँया सम्मान योजना के तहत राज्य की लगभग 57 लाख महिलाओं के एक एक हजार कर चार क़िस्त में भुगतान किया। अब चुनाव के बाद अयोग्य बताकर अधिकतर महिलाओं को योजना के लाभ से वंचित करने का निर्णय सरकार ने लिया है, जो सरासर गलत है। लक्ष्मण नायक ने कहा कि झारखंड की भोली भाली जनता को सरकार ने पहले मईया सम्मान योजना की राशि का प्रलोभन देकर वोट हासिल किया और अब उसे अयोग्य बताने पर सरकार तुली हुई है। जबकि सरकार ने वादा किया था कि चुनाव के बाद सभी को 2500 रुपये कर के दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के साथ ऐसा छल प्रपंच करना बंद करे और अपने वादे के मुताबिक 2500 रुपये का भुगतान सभी लाभुकों के बीच करे। अगर पैसा वापस लिया गया और महिलाओं को योजना से वंचित किया गया तो इसका जोरदार विरोध किया जाएगा।

धान अधिप्राप्त केंद्र का उद्घाटन, किसानों को मिली राहत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बोकारो विधानसभा क्षेत्र के राधा नगर स्थित धान अधिप्राप्त केंद्र का उद्घाटन स्थानीय विधायक श्वेता सिंह ने किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह केंद्र किसानों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि अब किसान अपनी उपज को सीधे केंद्र पर बेच सकते हैं, जिससे उन्हें बिचौलियों की समस्या से निजात मिलेगी। श्वेता सिंह ने कहा कि राज्य की वर्तमान गठबंधन सरकार हमेशा किसानों के हित में निर्णय लेने को प्राथमिकता देती है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके।

धान अधिप्राप्त केंद्र के उद्घाटन के बाद विधायक ने चास नगर निगम के रवींद्र भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह में हिस्सा लिया। यहां स्थानीय नागरिकों ने उनका स्वागत और सम्मान किया। इस मौके पर श्वेता सिंह ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, "आप सभी के प्रेम और स्नेह की बदौलत मुझे जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिला है। मैं पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आपके हितों की सेवा करती रहूंगी।"

इसके अलावा, बोकारो स्टील सिटी के श्री राम मंदिर मार्केट में ओरमांझी किसान उत्पादक संगठन लिमिटेड द्वारा ताजा सब्जियों की एक दुकान का भी उद्घाटन विधायक ने किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को शुभकामनाएं दीं और व्यापार में गुणवत्ता बनाए रखने की बात कही। विधायक ने इस पहल को किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

किसानों के लिए नई उम्मीद- धान अधिप्राप्त केंद्र के उद्घाटन और ताजी सब्जियों की दुकान की शुरुआत से क्षेत्र के किसानों में खुशी का माहौल है। इन योजनाओं से उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने और बेहतर बाजार तक सीधी पहुंच का लाभ मिलेगा। विधायक श्वेता सिंह की पहल को किसानों और स्थानीय जनता ने सराहा और इस कदम को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम बताया।

रोटरी प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रोटरी प्ले स्कूल, सेक्टर-4 में वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस खास अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का बेहतरीन प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत रोटरी प्ले ग्रुप की चेयरपर्सन रोटेरियन पूनम त्रेहान ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा को सराहते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनकी रचनात्मक क्षमताओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बच्चों ने इस अवसर पर कई रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नृत्य, गायन और नाटक शामिल थे। उनकी मासूमियत और जोश ने उपस्थित अभिभावकों और गणमान्य अतिथियों को भावविभोर कर दिया। नन्हे कलाकारों ने भारतीय संस्कृति और आधुनिक थीम्स पर आधारित प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रधानाध्यापिका रोटेरियन मानसी सहाना और उप प्रधानाध्यापिका एनी सीमा गिरी ने अपने संबोधन में स्कूल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोटरी प्ले स्कूल बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। "यह वार्षिकोत्सव बच्चों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन मंच है, साथ ही यह उनके अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों को सराहने का अवसर भी प्रदान करता है," उन्होंने कहा।

शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की सराहना- कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों के प्रयासों को भी विशेष रूप से सराहा गया। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के सदस्यों ने विद्यालय की पूरी टीम के समर्पण और मेहनत की प्रशंसा की। रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल बच्चों को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी बनते हैं।

बड़ी संख्या में उपस्थिति- इस अवसर पर बड़ी संख्या में रोटरी क्लब के सदस्य, अभिभावक, और स्थानीय गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को उपहार और अल्पाहार वितरित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ वार्षिकोत्सव का समापन हुआ।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने इस बात का आश्वासन दिया कि वह भविष्य में भी बच्चों और समाज के विकास के लिए इस प्रकार की गतिविधियों को प्रोत्साहित करता रहेगा। इस वार्षिक उत्सव ने बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, सोमवार, 16 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

बरमसिया गाँव में धान के ढेर में लगी आग चार किसानों का लाखों का धान जलकर हुआ खाक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बरहेट(साहेबगंज) : प्रखंड के बरमसिया गांव के तेलीटोला में रविवार के अहले सुबह धान के खलिहान में आग लग जाने से लाखों का धान जलकर खाक हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार के अहले सुबह जब गाँव के कुछ लोग टहलने निकले थे तभी उनकी नजर खलिहान में लगी आग पर पड़ी और लोगों ने हो हल्ला करना शुरू किया जिसके बाद गांव के दर्जनों लोग हो हल्ला सुनकर खलिहान में पहुंच गए और खलिहान में धान के ढेर में लगी आग को बुझाने में जुट गए । पंपिंग सेट लगाकर काफी देर तक लोगों ने कड़ी मशक्कत की जिसके बाद आग को बुझाने में सफलता मिली लेकिन तब तक अधिकांश धान जलकर राख हो चुका था। आग की इस घटना में गाँव के बबलू साह, हरिशंकर साह, गोवर्धन साह, जितेंद्र शाह का सैकड़ों मन धान जलने की बात बताई गई। पीड़ितों ने बताया कि धान के जल जाने से उन्हें एक वर्ष तक परिवार के भरण पोषण की भी समस्या उत्पन्न हो गई । परिश्रम और पुंजी भी धान के साथ खाक हो गाय।पीड़ितों ने जिला प्रशासन से मामले में मदद की मांग की है। आग कैसे लगी इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

भादुडीह गाँव के तलाब से पुलिस ने 55 वर्षीय महिला का शव किया बरामद, हत्या की आशंका

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बरहेट (साहेबगंज): रविवार के पूर्वाह्न बरहेट थाना पुलिस ने ग्रामिण की सूचना पर थाना क्षेत्र के भादुडीह गांव के तालाब से 55 वर्षीय महिला मरांगमय सोरेन का शव बरामद किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला के सिर में गहरे चोट के निशान हैं । चोट को देखकर आशंका व्यक्त की जाती है कि महिला की बीते रात किसी ने हत्या कर शव छिपाने के लिए तालाब में फेंक दिया होगा। सुबह ग्रामीणों से तालाब में शव होने की सूचना मिलने के बाद बरहेट थाना के अवसर निरीक्षक असीम कुजूर दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को बरामद करने के बाद आवश्यक प्रक्रिया करते हुए पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज भेज दिया । इधर पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर गरीबों व असहाय को बांटा गया कंबल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्य तिथि पर समाजसेवी सिद्धेश्वर मंडल के द्वारा प्रत्येक साल गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण का कार्यक्रम किया जाता है।वही आज शहर के पटेल चौक पर स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्य तिथि पर अवसर पर कंबल वितरण का कार्यक्रम किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सुमित कुमार पहुंचे। उन्होंने लौह

पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिए। वही मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा एवं डॉक्टर सुमित कुमार के द्वारा सैकड़ो गरीब,असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण किया।

इस दौरान मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने कहा कि ठंड के मौसम में समाजसेवी सिद्धेश्वर मंडल के द्वारा इस तरह गरीब असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण का कार्य काफी सराहनीय है।वही समाजसेवी सिद्धेश्वर मंडल ने कहा कि प्रत्येक साल सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि एवं 14 जनवरी मकर संक्रांति के अवसर पर लोगों के बीच कंबल वितरण का कार्य करते आ रहे हैं।

मौके पर मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा,सूर्या सुपर स्पेशलिस्ट के डॉ.सुमित कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद घनश्याम उरांव,जामुन दास,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मंदिर प्रबंध कमिटी का हुआ गठन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहेबगंजः साहिबगंज जिले के पुरानी साहेबगंज ओझा टोली में गंगेश्वर नाथ धाम मंदिर का प्रबंधन कमिटी का गठन किया गया जिसमें सर्वसमिती से कमिटी का अध्यक्ष प्रेम प्रकाश ओझा ,सचिव निर्भय कुमार ओझा ,कोषाध्यक्ष देवकुमार ओझा ,उप कोषाध्यक्ष संजीव ओझा ,उपाध्यक्ष विनय ओझा ,संरक्षक कौशल किशोर ओझा ,व सदस्य विजय प्रकाश ओझा ,शिवम ओझा ,शशांक ओझा ,अमन ओझा ,अरविंद ओझा व रिशु पाण्डेय बनाये गये है।

इस बैठक में निर्णय लिया गया की कैसे गंगेश्वर नाथ धाम मंदिर का प्रबंधन ढंग से चले और गंगा से संबंधित जो भी धर्म कर्म का कार्य होगा वह समिती के देख रेख में होगा इस निर्णय का समर्थन उपस्थित गांव के त्रिलोकी नाथ ओझा व जयप्रकाश ओझा ने ताली बजा कर किया।

इस अवसर पर ग्रामीण श्रीकांत ओझा ,अनिल पाण्डेय ,अजय ओझा ,राजेश ओझा ,राजीव ओझा व संजीव ओझा व सेंकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्राइम मीटिंग में अपराध पर नियंत्रण और लंबित मामलों के निष्पादन का आदेशः एसपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः रविवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने जिले के सभी थानों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी थानों के थानाध्यक्ष से उनके क्षेत्र में होने वाले कांडों के बारे में चर्चा किया तथा अहम निर्देश दिए।साथ ही 18 तारीख को जन समाधान कार्यक्रम को कैसे सफल बनाया जाए इस पर भी चर्चा किया गया।वही आगेह बैठक में अपराध नियंत्रण के लिए एसपी ने सभी थानाध्यक्षों और वरीय पुलिस पदाधिकारियों को अपराध में कमी लाने का कड़ा निर्देश दिया।चेतावनी दी कि अपराध का ग्राफ बढ़ा तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने रात्रि गश्ती तेज करने और कांडों का त्वरित गति से निष्पादन करने का भी निर्देश दिया। वही आगे कहा कि थानों पर पहुंचने वाले हर मामलों को निष्पादित किया करें। थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों के गुंडा पंजी में शामिल अपराधियों की कुंडली भी तैयार कर लें। किसी थाना क्षेत्र में शराब बिकने पर कार्रवाई होगी।

लंबित सहित अन्य मामलों की समीक्षा- क्राइम मीटिंग में एसपी ने थानेवार लंबित मामले, शिकायतें, लंबित अनुसंधान, गैर जमानती वारंट, नोटिसों का तामिला आदि की समीक्षा की। बैठक में एसडीपीओ समेत सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानाध्यक्षों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि थाना पहुंचने वाले लोगों के साथ शिष्ट व्यवहार करें। एसपी ने कहा कि किसी भी थाना क्षेत्र में अवैध बालू उत्खनन व शराब बिक्री की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष नपेंगे। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को हर हाल में अवैध लॉटरी व शराब तस्करी पर रोक लगाने को कहा। फरार चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजें। एसपी ने कहा सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्वयं रात्रि-गश्ती करेंगे।इस मौके पर एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक व सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे।

झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/पतनाः प्रखंड के धरमपुर पंचायत सचिवालय के बगल में इमली पेड़ के नीचे झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) के जिला सहायक मंत्री शकुंतला दास की अध्यक्षता बैठक हुई।बैठक में प्रस्तावित 21 दिसंबर 2024 को बाकुडी रेलवे मैदान में केंद्रीय अधिवेशन होने वाले कार्यक्रम की सफलता को लेकर बरहरवा,पतना एवं बरहेट प्रखंड के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा किया गया।बैठक में केंद्रीय अधिवेशन की सफलता को लेकर 18 से 20 दिसंबर तक रणधीर प्रसाद चौरसिया के नेतृत्व में नुक्कड़ सभा होगी।वही इस अधिवेशन में केंद्रीय पदाधिकारियों का चयन और उत्थान के लिए संकल्प लिया जाएगा।

बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव,लपसा हंसदा,रणधीर प्रसाद चौरसिया,फूल कुमारी देवी, आशा दास सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधायक ने किया धान क्रय केंद्र का शुभारंभ

किसान हित की योजनाओं से किसानों को लाभान्वित करें पदाधिकारी- विधायक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजमहल/साहिबगंजः राजमहल के प्रखंड परिसर एवं उधवा केलाबाड़ी लैंप्स में धान अधिप्राप्ति को लेकर धन करें केंद्र का शुभारंभ रविवार को क्षेत्रीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने फीता काटकर किया।

उन्होंने सभी पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि योजना से जुड़े किसान हित की सरकार के माध्यम से संचालित सभी योजनाओं का लाभुक किसान को लाभ मिले।किसानों को उनसे जुड़ी सभी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ पहुंचने की दिशा में पदाधिकारी कार्य करें।

राजमहल लेंम्पस के सचिव प्रोमित साहा ने कहा कि वर्तमान वर्ष में सरकार द्वारा2400 क्विंटल में धन क्रय की राशि तय की गई है।

एक किसान 200 क्विंटल तक धान दे सकते हैं। लगभग 100 किसान अपना पंजीकरण राजमहल में करवा चुके हैं।वही केलाबाड़ी के सचिव लवंग साहा ने कहा कि धान अधिप्राप्ति को लेकर लेम्पस के माध्यम से सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। धान अधिप्राप्ति की जा रही है। मौके पर राजमहल सीओ मो यूसुफ सहित अन्य मौजूद थे.

केलाबाड़ी लेंम्पस के नए भवन निर्माण की होगी पहल- केलाबाड़ी लैंम्पस के जर्जर भवन को देख विभागीय कार्रवाई से जुड़ी जानकारी क्षेत्रीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने प्राप्त की. संचालकों ने कहा कि विभाग को इसकी जानकारी दी गई है। विधायक की ओर से आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही संबंधित विभाग को भवन निर्माण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाएगा।

भारतीय शिल्प क्राफ्ट मेले का हुआ उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः शहर के पोखरिया टाउन हॉल में लगाए गए भारतीय शिल्प क्राफ्ट मेले का रविवार की देर शाम नगर परिषद के सिटी मैनेजर विरेश कुमार यादव एवं कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय कुमार यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया।इस मौके पर सिटी मैनेजर विरेश कुमार यादव ने कहा कि भारतीय शिल्प क्राफ्ट मेले का आयोजन होने से शहर में एक ही जगह पर कई तरह के आकर्षक सामान मिल जाएंगे व लोग मेले का लुत्फ उठाते हुए सामानों की खरीददारी करते हुए अपने परिवार के सदस्यों के साथ मनोरंजन भी कर सकेंगे। वही मेला प्रबंधक प्रदीप राठौर एवं राजा यादव ने संयुक्त रूप से मीडिया को बताया कि कि हमारे यहां भारत के सभी जगह से तरह-तरह के दुकान लगाए गए हैं जिसमें फिरोजाबाद की कांच की चूड़ियां,आकर्षक डिजाइनों में जुते चप्पल,श्रृंगार का सामान, ऊनी कपड़े,महिलाओं एवं युवतियों के लिए फैंसी कपड़े सस्ते दामों में उपलब्ध है।वही मेला संयोजक राजा यादव ने बताया कि यह मेला 15 दिसंबर से 1 जनवरी 2025 तक सुबह के 11 बजे से रात्रि के 9 बजे तक चलेगा।

मौके पर कुंदन भाई,अल्ताफ भाई,रामजी,मुजामिल भाई राजन वरुण,इजाज रुकसार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक आयोजित की गई, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः साहिबगंज जिला अंतर्गत आज दिनांक 15 दिसंबर 2024 को नया परिसदन हॉल में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ का आज बैठक आहूत की गई। बैठक में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव शहनवाज हसन मुख्य अतिथि थे। बैठक का संचालन अध्यक्ष अरविंद ठाकुर एवं सचिव प्रवीण कुमार ने किया। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन, अध्यक्ष अरविंद ठाकुर, सचिव प्रवीण कुमार, एवं शिव शंकर निराला और अन्य वरिष्ठ पत्रकारों के द्वारा साहिबगंज जिले के आंचलिक पत्रकारों को जिन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में अच्छे कार्य किए हैं उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया। साथ ही राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन ने सभी जेजेए मेंबर के साथ बैठक में मंथन किया है कि झारखंड सरकार की ओर से पेंशन और बीमा योजना की घोषणा इस विधानसभा में की गई है। इसको लेकर भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव ने प्रस्ताव रखा है की सभी आंचलिक पत्रकार भी जो पेंशन के योग्य हैं उनको भी पेंशन में शामिल किया जाए, केवल ऐसे पत्रकार को पेंशन ना मिले जो केवल सरकार से मान्यता प्राप्त है।

बैठक में अध्यक्ष अरविंद ठाकुर ने कहा कि जेजेए संगठन का उद्देश्य है सिर्फ जिला नहीं पुरे राज्य भर में पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान किया जाए, और पत्रकार के हित के लिए जो भी सरकार हो, अभी वर्तमान सरकार जो हेमंत सरकार है भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष ने कहा कि आर्थिक रूप से पत्रकार की मजबूती नहीं रहती है ऐसी योजनाएं बनाई जाए की आर्थिक रूप से पत्रकारों की मजबूती मिल पाए और आए दिन पत्रकारों के खिलाफ कोई ना कोई घटना हो रही है संगठन उसके लिए पत्रकारों के लिए लड़ते हैं और जो बन पड़ता पत्रकार के हित के लिए लाभ दिलाते हैं। जहां तक सवाल है कि प्रशासन की ओर से लाभ मिलना चाहिए नहीं मिल पाता है बैठक में इसकी भी चर्चा की गई। वहीं बैठक में विधायक जयराम महतो ने जो पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार किया है उनको नहीं करना चाहिए और अपने वाणी को वापस लेना चाहिए इसको लेकर सभी ने बैठक में विरोध किया है।

वहीं बैठक में सचिव प्रवीण कुमार ने भी कई मुद्दों पर चर्चा किया और संगठन के सभी मेंबर्स ने अपने-अपने सुझाव और विचार प्रकट किए। मौके पर साहिबगंज जिला के सभी प्रखंड से जेजेए संगठन के पत्रकार मौजूद थे।

गायत्री शक्तिपीठ द्वारा चौधरी कालोनी में रक्तदान शिविर का किया आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः रविवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वाधान में गायत्री शक्तिपीठ चौधरी कालोनी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन पुलिस उपाधीक्षक किशोर तिर्की,साहिबगंज, नगर थाना प्रभारी, अमित कुमार गुप्ता,उपाधीक्षक प्रशासनिक डॉ0 मुकेश कुमार , उपाधीक्षक सदर अस्पताल,डॉ0 मोहन मुर्मू, ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

पुलिस उपाधीक्षक ने कहा ऐसा आयोजन होते रहना चाहिए रक्तदान महादान होता है, इससे कई जरूरतमंदों को जीवन दान मिलता है। उक्त कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले वीरों को अल्पाहार की व्यवस्था निर्देश संस्थान द्वारा किया गया । एलआईसी एचएफएल हृदय परियोजना के अंतर्गत एलआईसी एचएफएल सीएसआर का सहयोग रहा।

इस कार्यक्रम में गायत्री परिवार के दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया, सदर अस्पताल के कई कर्मी उपस्थित थे और साथ ही निर्देश संस्था के कर्मी भी मौजूद थे।

मीडिया प्रतिनिधियों एवं पुलिस अधिकारियों का सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः सुजीत कुमार

साहिबगंज : पुलिस लाइन मैदान में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज दिनांक 15 दिसंबर 2024 को विधानसभा आम चुनाव 2024 के परिपेक्ष्य पुलिस अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को सम्मानित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पुलिस प्रशासन साहिबगंज के तत्वाधान से विधानसभा आम चुनाव 2024 के परिपेक्ष्य पुलिस अधिकारियों एवं जिला के सभी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया और प्रशस्ति पत्र दिया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने विधानसभा आम चुनाव 2024 में शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर बेहतर कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों, और मीडिया प्रतिनिधिगण को विधानसभा चुनाव में सहयोग करने को लेकर सम्मान समारोह में आभार व्यक्त किया।

वही मौके पर जिला के सभी पुलिस अधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी, मीडिया के प्रतिनिधि गण मौजूद थे।

ज़िला क्रिकेट अंडर-16 टूर्नामेंट का चैंपियन बना माही स्पोर्ट्स येलो,फाइनल में जवाहर नवोदय विद्यालय को 4 विकेट से हराया

मुख्यातिथि डीएफओ प्रबल गर्ग व विशिष्ठ अतिथि डीएसओ पंकज झा ने विजेता व उपविजेता टीम एवं खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः ज़िला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत 15 दिसंबर 24 रविवार को फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मुकाबला माही स्पोर्ट्स येलो बनाम जवाहर नवोदय विद्यालय के बीच खेला गया। जवाहर नवोदय विद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20.4 ओवर में 144 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सोनू उरांव ने 26 व महेश कुमार ने 51 रनों की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज रौनक दूबे ने 5 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी माही स्पोर्ट्स येलो की टीम ने 24.1 में 6 विकेट पर 147 रन बनाते हुए 4 विकेट से जीत दर्ज की। वमीक नईम 42, आदित्य ज्ञान ने 39 व तौसीफ अंसारी ने 22 रनों की पारी खेली। जवाहर नवोदय के गेंदबाज अभिषेक कुमार ने 3, वसीम व अमन ने 1-1 विकेट लिया। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज रौनक दूबे को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। वहीं टूर्नामेंट में सबसे अधिक 268 रन बनाने वाले माही स्पोर्ट्स येलो के खिलाड़ी आदित्य ज्ञान को बेस्ट बैट्स मैन, 12 विकेट लेने वाले संत जेवियर स्कूल ए टीम के गेंदबाज आकाश को बेस्ट बॉलर एवं माही स्पोर्ट्स येलो के हरफनमौला खिलाड़ी वमीक नईम को 12 विकेट लेने व 146 रन बनाने पर मैन ऑफ दी सीरीज घोषित किया गया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम, प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा जबकि स्कोरिंग केएस सौरभ ने किया। मुख्य अतिथि डीएफओ प्रबल गर्ग एवं विशिष्ठ अतिथि जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा ने विजेता, उपविजेता टीमों व खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान डीएफओ प्रबल गर्ग ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए विजेता और उपविजेता टीम को शुभकामना दी। कहा कि दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर फाइनल तक का सफर किया। खेल में हार-जीत लगी रहती है। उपविजेता बनना भी एक उपलब्धि है। मेहनत करें और अगली बार विजेता बनने की कोशिश करें। उन्होंने कामना करते हुए कहा कि यहां से निकल कोई खिलाड़ी देश के लिए खेले। डीएसओ पंकज झा ने भी अपने बचपन के दिनों को याद कर दोनों टीमों को शुभकामना दी।

मौके पर जेएससीए डिस्ट्रिक्ट सब कमिटी चेयरमैन चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, डॉ कमल महावर, डॉ तुफैल अहमद, डॉ सुमित, अशोक चौधरी, चेतन भरतिया, सुरेश बजाज, सतीश सिन्हा, राकेश गुप्ता, ज़िला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा सहित अन्य मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

भारतमाला परियोजना में पहुंचे दो अपराधी, चली गोली, गिरफ्तार

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र में चल रहे भारत मालापरियोजना में गोलीबारी करने पहुंचे दो अपराधियों को पुलिस ने दबोच लिया है। इस दौरान मिस हैंडलिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लग गयी है। इससे वह घायल हो गया है। घायल का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। पुलिस एक अन्य अपराधी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की देर शाम राहुल सिंह गिरोह के दो अपराधी गोला थाना अंतर्गत चल रहे भारतमाला प्रोजेक्ट से रंगदारी को लेकर गोलीबारी करने पहुंचे। इस दौरान एक अपराधी को मिस हैंडलिंग के कारण बाये पैर में गोली लग गई। इससे वह घायल हो गया, जिसके बाद एक अन्य अपराधी के साथ पुलिस ने घायल अपराधी को पकड़ लिया। जबकि दो अपराधी भागने में सफल रहा। घायल अपराधी का पहचान सुरेंद्र गंझू (22) के रूप में हुई है। जबकि एक अन्य गिरफ्तार की पहचान सोमनाथ गंझू (20) के रूप में की गई है। दोनों लातेहार जिले के बरियातू के रहने वाले है।

सरकार ने मजबूत इच्छाशक्ति को प्रकट किया है: प्रदीप यादव

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता जाहिर की। उन्होंने कहा अभिभाषण में सरकार की सोच और संकल्पों को प्रदर्शित किया गया है। सरकार के कमिटमेंट को दर्शाता है। सरकार ने यह कहने का प्रयास किया है कि हम गरीबों के लिए हैं। सरकार ने समझा है कि नर की सेवा ही नारायण की सेवा है। सबको साथ लेकर चलने का संकल्प है। सरकार सबका साथ सबका विकास करना चाहती है। प्रदीप यादव ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे घटकर 24 पर चले गए। हमारे संकल्पों पर जनता ने मुहर लगायी है। जुमलों पर जनता ने विश्वास नहीं दिखाया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दंगा-फसाद कराने का प्रयास किया गया। घुसपैठ को देखने की जिम्मेदारी केन्द्रीय गृह मंत्री की है। ये घुसपैठ के नाम पर दंगा कराना चाहते हैं। प्रदीप यादव ने जाति जणगणना की वकालत की।

कारो प्रोजेक्ट में फॉरेस्ट क्लीयरेंस को लेकर निरीक्षण

बोकारो, एजेंसी। सीसीएल बीएंडके एरिया अंतर्गत कारो परियोजना में 226 हेक्टेयर जमीन के फॉरेस्ट क्लीयरेंस को लेकर गुरुवार को बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार ने बीएंडके जीएम के रामकृष्णन के साथ परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएफओ ने परियोजना के समीप कारो जंगल का अवलोकन किया। डीएफओ ने जंगल में लगे पेड़ों की नंबरिंग करने का निर्देश दिया। प्रबंधन द्वारा डंपिंग एरिया किये जाने वाले प्लांटेशन स्थल का निरीक्षण किया। प्रबंधन ने कहा कि परियोजना विस्तार के लिए जल्द फॉरेस्ट क्लीयरेंस जरूरी है। डीएफओ ने कहा कि कोयला खनन के दौरान हम पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ करते हैं। हमारी जिम्मेवारी है कि पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिए खाली जगह में पौधरोपण करें। उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट क्लीयरेंस को लेकर प्रक्रिया जल्द पूरी की जायेगी, ताकि माइंस विस्तार हो सके। मौके पर फॉरेस्टर जगदीश कुमार, वनकमी अक्षय कुमार मुंडा, बीएंडके जीएम के रामकृष्णन, एसओ पीएंडपी शंभू झा, कारो के पीओ सुधीर सिन्हा, एकेके ओसीपी के पीओ केएस गेवाल, पर्यावरण अधिकारी विनय अंचल आदि थे।

पूर्व पार्षदों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा, निगम चुनाव की मांग की

रांची, एजेंसी। रांची नगर निगम के पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा, अर्जुन राम, विनोद कुमार सिंह, भरी लिंडा आदि पूर्व पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राज्यपाल से मिले। प्रतिनिधमंडल ने उन्होंने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि रांची नगर निगम का कार्यकाल अप्रैल 2023 में ही समाप्त हो गया है। उसके बाद से मेयर, डिप्टी मेयर एवं पार्षदों के सारे पद रिक्त हैं। बताया कि समूचे शहर में कचरे का अंबार फैला है, हजारों की संख्या में स्ट्रीट लाइटे बंद पड़ी हैं, निगम की व्यवस्था चरमरा गई है। बताया कि झारखंड प्रदेश में करीब 12 नगर निकाय में 2020 से ही चुनाव लंबित हैं। जबकि पड़ोसी राज्य बिहार और मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग को आरक्षण देते हुए चुनाव करा ली गई है। उन्होंने सभी बातों पर संवैधानिक लेते हुए जल्द चुनाव कराने के लिये राज्य सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें।

रांची की हवा तीन सिगरेट के बराबर जहरीली, 300 के करीब पहुंचा आंकड़ा, लोगों को खासी सावधानी बरतने की जरूरत

रांची, एजेंसी। झारखंड एक तरफ शीतलहर की चपेट में है। वहीं दूसरी तरफ झारखंड के कई शहरों की वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्तर पर पहुंच गई है। अगर रांची की बात करें तो यहां की भी हवा में जहर घुलने लगा है। रांची में एक्यूआई 300 के करीब पहुंच गया है। वहीं झारखंड के बड़े शहरों जमशेदपुर और धनबाद में भी एक्यूआई 200 के पार पहुंच चुका है। ऐसे में बाहर निकल रहे लोगों को खासी सावधानी बरतने की जरूरत है। बरकेले अर्थ के मुताबिक रांची में एक व्यक्ति हर रोज 3 सिगरेट पीने जितना धुआं अपने फेफड़ों में भर रहा है।

रांची में सुबह ठीक से धूप भी नहीं निकली थी कि 9 बजते ही एक्यूआई उछल कर 150 के पार पहुंच गया। वहीं पिछले 24 घंटे में एक्यूआई का आंकड़ा 178 रहा। जमशेदपुर में प्रदूषण का स्तर सबसे ऊपर रहा। यहां एक्यूआई का आंकड़ा 190 और धनबाद में 167 दर्ज किया गया। क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक आज रांची में एक्यूआई 280, धनबाद में 238 और जमशेदपुर में 228 रहने की आशंका है। इस दौरान लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। ऐसे में लोगों को बाहर निकलते वक्त मास्क लगाकर निकलना चाहिए।

मौसम विभाग के मुताबिक एक्यूआई अगर 0 से 50 के बीच रहे तो इसे बेहद अच्छा माना जाता है। तो वहीं 51 से 100 तक मॉडरेट की श्रेणी में रखा जाता है। 100 से 200 के बीच खराब 201 से 300 तक अनहेल्दी माना जाता है।

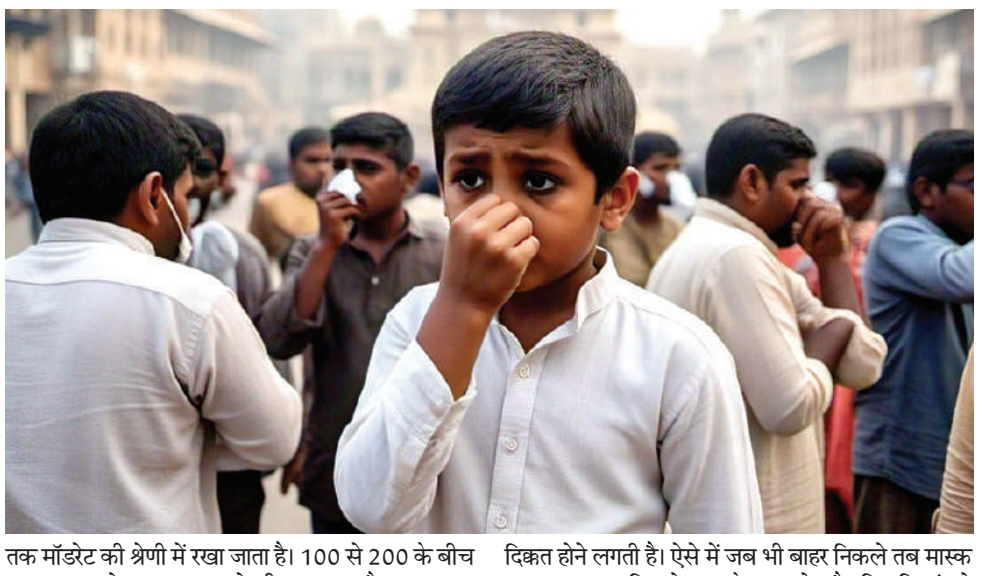

खराब हवा की गुणवत्ता के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। ऐसे में जब भी बाहर निकले तब मास्क लगा कर बाहर निकले। घर के दरवाजे और खिड़कियां को हमेशा बंद रखने का प्रयास करें। घर के अंदर छोटे पेड़ या पौधे लगाने से कुछ राहत मिलेगी। वहीं एयर प्यूरीफायर लगाने से भी आपको हवा साफ करने में मदद मिलेगी।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) की धनबाद शाखा ने 'कॉर्पोरेट संस्कृति और वित्तीय नेतृत्व' विषय पर सीएफओ मीट और सेमिनार का आयोजन किया। अध्यक्षता शाखा के चेयरमैन सीए राहुल सुरेका और कोषाध्यक्ष सीए नंद किशोर तुलस्यान ने संयुक्त रूप से की। मुख्य वक्ता मैथन पावर लिमिटेड के सीएफओ, सीए काजल कुमार सिंह थे। उन्होंने कॉर्पोरेट संस्कृति और वित्तीय नेतृत्व पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने बताया कि कैसे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट सीएफओ बनने तक का सफर तय कर सकता है। उन्होंने एआइ पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में कुल 52 सदस्य और छात्र उपस्थित हुए।

बीसीसीएल कार्मिक विभाग के चार अधिकारियों का तबादला हुआ है। सभी बीसीसीएल के सिजुआ एरिया में पदस्थापित थे। प्रमोद कुमार को सेंद्रा बांसजोड़ा से लोयाबाद के वासुदेवपुर कोलियरी, निलेश जोशी को वासुदेवपुर से सेंद्रा बांसजोड़ा कोलियरी, तारा सिंह को मुदीडीह कोलियरी से प्रशासनिक विभाग सिजुआ एरिया, मुकेश कुमार को प्रशासनिक विभाग से मुदुडीह स्थानांतरित किया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 84 करोड़ रुपए समझौता राशि की वसूली

बोकारो, एजेंसी। बोकारो में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 13 बेंचों का गठन कर मामलों की सुनवाई की गई। बोकारो सिविल कोर्ट में 9, जबकि तेनुघाट अनुमंडल न्यायालय में 4 बेंचो का गठन किया गया, जहां चेक बाउंस, बिजली बिल, पारिवारिक विवाद, दीवानी, श्रम, उत्पाद, वन विभाग व मोटरयान से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। लोक अदालत में कुल 405990 वादों को रखा गया, जिनमें 405990 वादों का निष्पादन करते हुए समझौते के आधार पर 840076427 रुपए किए गए।

मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा बोकारो के अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश श्रम न्यायालय अनुज कुमार, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अरविंद कुमार, पीठासीन पदाधिकारी, श्रम न्यायालय अनुज कुमार, बोकरो के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय दीपक वर्णवाल, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय देवेश कुमार त्रिपाठी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ गरिमा मिश्रा, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी लुसी सोसेन तिग्गा, डालसा सचिव अनुज कुमार सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी व अधिवक्ता तथा संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध खनन के दौरान एक मजदूर की मौत

मौके पर पहुंचे पुलिस एवं सीसीएल अधिकारियों ने संबंधित खंता के मुहाने का निरीक्षण किया

गिरिडीह, एजेंसी। घटना की सूचना पर एसडीपीओ जीत वाहन उरांव, गिरिडीह कोलियरी के पीओ जीएस मीणा, माइंस मैनेजर आरपी यादव, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो उक्त स्थल पहुंचे। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गयी है। घटना शनिवार की अलसुबह लगभग चार बजे की बतायी जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक अवैध खंता में कोयले की अवैध कटाई के दौरान चाल धंसने से एक मजदूर की मौत हो गयी। घटना के बाद इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। मौके पर पहुंचे पुलिस एवं सीसीएल अधिकारियों ने संबंधित खंता के मुहाने का निरीक्षण किया। खंता में बोरा व बांस लगाकर ढकने का प्रयास किया गया था। काफी देर तक पुलिस पदाधिकारी व जवान वहां मौजूद रहे। इस दौरान घटनास्थल पर पहुंचे झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के सचिव तेजलाल मंडल, झामुमो के देवचरण दास, जगत पासवान, भाजपा नेता कामेश्वर पासवान, महेशलुंडी के मुखिया शिवनाथ साव ने मामले का उद्भेदन कर दोषी खंता ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया गया

कि उन्हें यह सूचना मिली थी कि अवैध खनन के दौरान एक मजदूर की दबकर मौत हो गई है। इधर, खंतों के संचालक और अवैध खनन के दौरान हुए हादसे की वास्तविकता का पता लगाने में पुलिस जुट गयी है।

लगातार जारी है खंतों की डोजरिंग : पीओगिरिडीह कोलियरी के पीओ जीएस मीणा ने बताया कि सूचना पर संबंधित खंता जाकर अवलोकन किया गया। इस दौरान एसडीपीओ जीत वाहन उरांव व मुफस्सिल थाना प्रभारी श्यामकिशोर महतो ने भी अपने स्तर से निरीक्षण किया है। खंता को संचालक ने बोरा व बांस लगाकर ढकने का प्रयास किया था। कहा कि सीसीएल और पुलिस प्रशासन के संयुक्त अभियान में निरंतर खंतों की डोजरिंग करायी जा रही है।

होगी कड़ी कार्रवाई : एसडीपीओएसडीपीओ जीत वाहन उरांव ने कहा कि अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के खिलाफ सघन कार्रवाई की जा रही है। खंता को बंद करने के लिए डोजरिंग अभियान चलाया जा रहा है।

पिकनिक के लिए पसंदीदा स्थल है गवाई बराज

पिंड्राजोरा, एजेंसी। पुरुलिया मुख्य पथ में चास प्रखंड मुख्यालय से 20 किलोमीटर की दूरी पर पिंड्राजोरा में स्थित गवाई बराज बोकारो के प्रमुख पिकनिक स्थलों में से एक है। गवाई बराज की प्राकृतिक छटा सैलानियों को आकर्षित करती है। इस स्थल की एक और विशेषता यह है कि इसके अलग-बगल में ब्रिटिश काल के अनेक स्मारक मौजूद हैं।

पिंड्राजोरा थाना से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित गवाई पुल से थोड़ा दायीं ओर का रास्ता सीधे बराज तक ले जाता है। यहां की खूबसूरत वादियां सैलानियों को खूब लुभाती हैं। बोकारो, चास, पश्चिम बंगाल सहित दूर-दूर से भी काफी लोग यहां पिकनिक मनाने आते हैं। करीब चार दशक पहले बराज निर्माण के साथ ही यहां पिकनिक मनाने की शुरुआत हो गयी थी। चास-बोकारो सहित आसपास के जिलों के विभिन्न स्कूलों के प्रबंधक अपने छात्र-छात्राओं को भी पिकनिक मनाने यहां लाते हैं। दिसंबर और जनवरी के अलावा साल के अन्य दिनों में भी लोग सैर-सपाटे के लिए यहां आते हैं।

गवाई नदी के तट पर कई खोरठा फिल्म की शूटिंग भी की जाती है। वर्तमान में बराज निर्माण के बाद गवाई बराज की खूबसूरती और बढ़ गयी है। निर्माण शेड सहित आम के बगीचे बराज की खूबसूरती को चार चांद लगा रहा है।

जर्जर सड़क के निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन ध्यान नहीं : क्षेत्र के लोग तथा गवाई बराज आने वाले लोगों का कहना है कि एनएच 32 से गवाई बराज तक जान वाली सड़क काफी जर्जर हो गयी है। सड़क निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन को ध्यान देनी चाहिए। इस सड़क से चारपहिया तथा दोपहिया वाहन से आने वाले लोगों का काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह सड़क पूरी तरह से सड़क जर्जर हो चुकी है। लोगों का कहना है कि अगर सरकार ध्यान दे तो गवाई बराज एक अच्छा पर्यटन स्थल बन सकता है।

नाश्ते की दुकान में तब्दील हो चुका हीरापुर हटिया का पुलिस पोस्ट

रांची, एजेंसी। हीरापुर हटिया के विवेकानंद चौक की यह तस्वीर किसी नाश्ते की दुकान की नहीं बल्कि पुलिस पोस्ट की है। यहां कभी पुलिसकर्मी रहकर विधि व्यवस्था संभालते थे, आज यहां दुकानदार स्नैक्स तले जा रहे हैं और चाय बिक रही है। दुकानदरों से बात करने पर पता चला कि इस पोस्ट में कभी पुलिस आती नहीं है, हमेशा पोस्ट खाली रहता है। इस वजह से दुकानदारों ने इसे कब्जा कर लिया है। पोस्ट में अंदर दुकानदारों ने अपना बिजली मीटर भी लगा लिया है।

आइआइटी आइएसएम के नाम जुड़ने जा रही एक और उपलब्धि, स्टार्टअप को भी मदद करेगा टेक्समिन-हेक्सागॉन सेंटर फॉर एक्सीलेंस सेंटर

आइआइटी आइएसएम के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। संस्थान में सोमवार से एक और सेंटर फॉर एक्सीलेंस शुरू होने जा रहा है। इसकी स्थापना जानी मानी सॉफ्टवेयर कंपनी हेक्सागॉन और टेक्समिन के साथ मिलकर की है। इसका नाम टेक्समिन-हेक्सागॉन सेंटर फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड एक्सीलेंस इन माइनिंग एंड मॉनिटरिंग है। यह अत्याधुनिक सेंटर माइनिंग उद्योग को डिजिटल ट्विन, एआइ, आइओटी और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों के क्षेत्र में काम करेगा। इसके साथ ही यह सेंटर इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप को भी मदद करेगा। यह सेंटर टेक्समिन केंद्र में शुरू हो रहा है।

इस सेंटर फॉर एक्सीलेंस का उद्घाटन देश के जाने

माने वैज्ञानिक और नीति आयोग सदस्य डॉ वीके सारस्वत करेंगे। डॉ वीके सारस्वत आइआइटी आइएसएम के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं। दीक्षांत समारोह 17 दिसंबर को होगा। इस मौके पर आइआइटी निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा, प्रो धीरज कुमार, टेक्समिन के सीइओ सूरज प्रकाश के साथ संस्थान के सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।वहीं हेक्सागॉन इंडिया की ओर से सीइओ प्रमोद कौशिक, निदेशख मनोज शर्मा के साथ कंपनी के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

अब विश्वविद्यालय खुद नहीं करा सकेंगे पीएचडी प्रवेश परीक्षा

रांची, एजेंसी। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय समेत कोई भी विश्वविद्यालय अब अलग से पीएचडी प्रवेश परीक्षा नहीं करा सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पीएचडी के नामांकन के नियमों में बदलाव कर दिया है। पीएचडी में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को नेट परीक्षा पास करनी होगी। यूजीसी के नये नियम के अनुसार नेट की परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थी जून 2024 से अब तीन श्रेणियों के लिए योग्य माने जायेंगे। नये नियमों के अनुसार जिन उम्मीदवारों का नेट परीक्षा में अधिक पर्सेंटाइल होगा, उसे श्रेणी वन में रखा जायेगा। ये अभ्यर्थी असिस्टेंट प्रोफेसर जेआरएफ और पीएचडी करने के योग्य माने जायेंगे। अधिक पर्सेंटाइल वाले अभ्यर्थियों को पीएचडी में दाखिले के लिए सिर्फ इंटरव्यू देना होगा। इसी तरह श्रेणी दो के तहत मध्यम पर्सेंटाइल वाले अभ्यर्थियों को रखा जायेगा, जो असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी में एडमिशन के योग्य माने जायेंगे। इसके बाद नंबर आता है नेट परीक्षा में सबसे कम पर्सेंटाइल पाने वाले उम्मीदवारों का। इन्हें श्रेणी तीन में रखा जायेगा और ये सिर्फ पीएचडी में दाखिले के योग्य माने जायेंगे।

पीएचडी में एडमिशन के लिए नेट की परीक्षा में पास अभ्यर्थियों के नेट पर्सेंटाइल को 70 प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा। वहीं 30 प्रतिशत वेटेज साक्षात्कार का होगा। साक्षात्कार के लिए श्रेणी दो और तीन वाले अभ्यर्थियों का नेट स्कोर सिर्फ एक साल के लिए मान्य होगा। उन्हें एक वर्ष के अंदर पीएचडी में एडमिशन लेना होगा। अगर वह इस अवधि में पीएचडी में एडमिशन नहीं ले पाते हैं, तो उन्हें एक साल बाद इसका लाभ नहीं मिलेगा। इसके बाद पीएचडी में दाखिले के लिए दोबारा नेट की परीक्षा पास करनी होगी। बीबीएमकेयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ सुमन कुमार वर्णवाल ने बताया कि श्रेणी दो और तीन के तहत अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के लिए, 70 प्रतिशत वेटेज नेट स्कोर को दिया जायेगा, जबकि 30 प्रतिशत पीएचडी प्रवेश के लिए साक्षात्कार को आवंटित किया जायेगा। प्रवेश प्रक्रिया नेट अंकों और साक्षात्कार परीक्षा के प्रदर्शन की संयुक्त योग्यता के आधार पर निर्धारित की जायेगी।

आजसू छात्र संघ ने शनिवार को कुलपति प्रो रामकुमार सिंह ने मिलकर विवि में छात्रों के लिए जल्द से जल्द पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की मांग की है। विक्की कुमार के नेतृत्व में द्वितीय पीएचडी प्रवेश परीक्षा (पीइटी) आयोजित करने के संबंध में कुलपति डॉ राम कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा गया।

साहिबगंज जिले में मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना की शुरुआत 14 से

साहिबगंज, एजेंसी। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल साहिबगंज के विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभुनाथ चौधरी ने गुरुवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में बिजली विभाग के सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, आरडीएसएस, मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना (मुजी) व पीएम जुगा कंपनी के ठेकेदार व एजेंसियों के प्रतिनिधि शरीक हुए। चौधरी ने संबंधित अधिकारियों व एजेंसी के प्रतिनिधियों से उक्त स्कीमों में चल रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली। कहा कि मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना (मुजी) के कामों की शुरुआत 14 दिसंबर से हो जाएगी। इसके तहत जिले के 172 टोला-गांव में बिजली विभाग से संबंधएत छूटे हुए कामों को जल्द पूरा किया जाएगा। बिजली के जर्जर पोल व तार जल्द बदले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पीएम जुगा के कार्यों की डीपीआर तैयार कर बिजली विभाग के रांची स्थित मुख्यालय को भेज दी गई है। चौधरी ने सहायक व कनीय अभियंताओं को बिजली बिल की वसूली में तेजी लेकर राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक में सहायक अभियंता सत्यदेव कुमार, कनीय अभियंता नील गगन, ग्रामीण कनीय अभियंता दीपक कुमार सिंह, ज्ञानचंद्र, प्रोजेक्ट मैनेजर डीपी ठाकुर, मुजी के प्रोजेक्ट मैनेजर समेत अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

पीवीयूएनएल टाउनशिप में फील्ड हॉस्टल का उद्घाटन

रामगढ़, एजेंसी।

रामगढ़ के पीवीयूएनएल टाउनशिप में नए फील्ड हॉस्टल की स्थापना की गई है। फील्ड हॉस्टल का उद्घाटन पीवीयूएनएल के सीईओ आरके सिंह व स्वर्णरेखा महिला समिति की अध्यक्ष रीता सिंह ने संयुक्त रूप से किया। फील्ड हॉस्टल में कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे, कैंटीन व कॉमन हॉल की व्यवस्था है।

यह सुविधा कंपनी के कर्मचारियों व अतिथियों के लिए है। उद्घाटन समारोह में जीएम (ओएंडएम) देवदीप बोस, जीएम (मेंटेनेंस) मनीष क्षेत्रपाल व मानव संसाधन विभाग के प्रमुख जियाउर रहमान विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने इस नई सुविधा के महत्व को रेखांकित किया और कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं देने की कंपनी की प्रतिबद्धता दुहराई। सीईओ आरके सिंह ने कहा कि यह फील्ड हॉस्टल कंपनी के कर्मचारियों के लिए सकारात्मक कदम है, जिससे उनके कामकाज और आराम के बीच संतुलन बना रहेगा। एसएमएस की अध्यक्ष रीता सिंह ने कंपनी की प्रगति और कर्मचारियों के कल्याण पर जोर दिया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

सरकार ओसीसीआरपी की साख पर सवाल उठा रही

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर आरोप है कि वे देश में विकास को बाधित कर रहे हैं, निवेश रोकना चाहते हैं, देश को बदनाम कर रहे हैं आदि आदि। सवाल है कि क्या गौतम अडानी के खिलाफ कोई बात कहना देश के खिलाफ बोलना हो गया? पहले तो भाजपा और केंद्र सरकार के इकोसिस्टम ने यह नैरेटिव बनाया कि सरकार के खिलाफ या नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलना देश के खिलाफ बोलना होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री और सरकार को ही देश बना दिया। अब क्या नरेंद्र मोदी वाली स्थिति ही गौतम अडानी की भी देश में बना रहे है, जो उनके खिलाफ बोलने को भी देश के खिलाफ बोलना कहा जाएगा? इसी तरह दूसरा सवाल यह है कि ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट यानी ओसीसीआरपी की किसी रिपोर्ट का हवाला देना देश विरोधी कैसे हो गया? यह संस्था तो पूरी दुनिया में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध के मामले खोलती है। इसका मतलब है कि संस्था भ्रष्टाचार विरोधी है। तो भ्रष्टाचार विरोधी संस्था भारत विरोधी संस्था कैसे हो गई? संस्था की रिपोर्ट भ्रष्टाचार के खिलाफ है और हम कह रहे हैं कि भारत के खिलाफ है। भाजपा का राहुल गांधी के ऊपर सबसे ज्यादा हमला इस बात को लेकर है कि उन्होंने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का बार बार हवाला दिया है। इस संस्था ने पेगासस से जासूसी का मामला खोला था और अडानी समूह द्वारा शेयर बाजार में हेराफेरी का भी खुलासा किया था। संस्था ने जो खुलासा किया उसके मेरिट पर बात करने की बजाय सरकार संस्था की साख पर सवाल उठा रही है। बहरहाल, राहुल गांधी इस संस्था की रिपोर्ट का हवाला देकर सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं तो उनके एजेंडे पर सवाल उठाया जा रहा है और उनको देश विरोधी बताया जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि वे यह मुद्दा नहीं उठाएंगे तो दुनिया इसके बारे में नहीं जानेगी। ओसीसीआरपी वैश्विक संस्था है, जिसमें दुनिया भर के पत्रकार जुड़े हैं यह रिपोर्ट दुनिया भर में देखी जाती है। इसका मतलब है कि राहुल गांधी मुद्दा नहीं भी उठाएं तब भी दुनिया के लोग जानेंगे कि भारत में क्या हो रहा है। वैसे राहुल गांधी ने अपना एजेंडा साफ कर दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि वे कारोबार विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे एकाधिकारवाद के विरोधी हैं यानी दो चार लोगों के हाथ में सब कुछ सौंप देने का वे विरोध करते हैं। राहुल ने यह भी कहा कि अच्छे और ईमानदार उद्योगपति उनसे मिलते हैं तो उनकी बातों से सहमत होते हैं। उन्होंने कहा कि एकाधिकारवादी पूंजीपति राष्ट्रीय संस्थाओं के लिए ठीक नहीं हैं, प्रतिस्पर्धा के लिए ठीक नहीं हैं और छोटे उद्यमियों के लिए भी ठीक नहीं हैं।

घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है। संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल द्धह्लह्लश्चह्यः// ह्यड्डद्वश्चड्डस्नड्ड.द्वश्चद्बद्दह्म्.द्दश1.द्बठ्ठ पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की "आधार" बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है। संपदा 2.0 में चयनित दस्तावेजों के लिये फेसलेस पंजीयन का विकल्प भी उपलब्ध है। इसमें पंजीयन कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिकली प्रेजेन्टेशन एवं वर्चुअल फाइनल करने की सुविधा के साथ कार्यवाही के प्रमाणीकरण के लिये ओटीपी की सुविधा भी दी गई है। इसमें पंजीयन, रिटर्न, रिफ्यूजल की सुविधा भी इलेक्ट्रॉनिकली उपलब्ध है। यह पक्षकारों को वीडियो केवायसी से पंजीयन सुविधा भी देता है। इसमें दोनों मोड (असिस्?टेड एवं नॉन असिस्टेड) उपलब्ध है। पंजीकृत दस्तावेजों का केवल इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही संधारित किया जायेगा। संपदा 2.0 पोर्टल में पक्षकार स्वयं या सेवा प्रदाता के सहयोग से संपत्ति का पंजीयन कर सकता है। इसमें खरीदी या बेचे जाने वाली संपत्ति की पहचान संबंधित विभाग द्वारा प्रदत्त यूनिक आईडी तथा नक्शे पर चिन्हांकित संपत्ति से की जाती है। पक्षकारों की पहचान "आधार" बेस्ड ई-केवायसी से होती है। पोर्टल में चयनित दस्तावेज के आधार पर विलेख स्वतः तैयार होता है। विलेख के प्रारूप पर इलेक्ट्रॉनिकली सहमति के बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान होता है। इसके बाद "आधार" बेस्ड ई-साईन या डिजिटल साइन के द्वारा ऑनलाइन ही दस्तावेजों का निष्पादन हो होता है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीकरण के लिये 3 विकल्प (पारंपरिक रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर, फेसलेस पंजीयन और रिमोट पंजीयन) उपलब्ध कराये गये है। पंजीयन के लिये सुविधा अनुसार कार्यालय में आने के लिये स्लॉट आरक्षित कर सकते है। फेसलेस और रिमोट पंजीयन में एआई आधारित वीडियो केवायसी से प्रत्येक पक्षकार की पहचान एवं लाइवलीनेस चेक किया जा सकता है। इसके द्वारा समस्त स्व-घोषणाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग होती है। इसमें भी नॉन असिस्टेड विकल्प की स्थिति में ऑनलाइन प्रेजेन्टेशन होता है। पंजीयन के लिये स्लॉट बुकिंग के लिये असिस्टेड विकल्प की स्थिति में वर्चुअल इंटरेक्शन के लिये स्लॉट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है। "लाभाथियों ने साझा किये अपने अनुभव":पंजीयन विभाग की संपदा 2.0 लागू होने के बाद विभिन्न जिलों के लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए इसे सुविधाजनक बताया है।

शौर्य दिवसः वर्तमान संदर्भ में देशहित में महत्व

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश

शौर्य दिवस भारतीय समाज के लिए गर्व, प्रेरणा और कृतज्ञता का अवसर है। यह दिन हमारे वीर सैनिकों, स्वतंत्रता सेनानियों और उन अनगिनत व्यक्तियों को याद करने का समय है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, बलिदान और समर्पण से देश की रक्षा और उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। आज जब भारत कई तरह की आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है, शौर्य दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह केवल इतिहास का स्मरण नहीं, बल्कि देशवासियों को एकजुटता, कर्तव्यनिष्ठा और देशप्रेम का बोध कराने का प्रतीक है।

वर्तमान समय में भारत अपनी सीमाओं पर कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। उत्तर में चीन की आक्रामकता और पश्चिम में पाकिस्तान की लगातार नीतिगत शत्रुता देश की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है। इन परिस्थितियों में, शौर्य दिवस हमारे सैनिकों की भूमिका और उनके बलिदान की महत्ता को रेखांकित करता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारी सेना न केवल हमारे देश की सीमाओं की रक्षा कर रही है, बल्कि यह आंतरिक सुरक्षा के मामलों में भी सक्रिय भूमिका निभाती है।

भारत के वीर जवान, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो या लद्दाख की गलवान घाटी में चीन के खिलाफ संघर्ष, हर मोर्चे पर दुश्मनों को करारा जवाब देते आए हैं। शौर्य दिवस का आयोजन हमें इन वीर सैनिकों की वीरता का सम्मान करने और उनकी प्रेरणा से देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का अवसर देता है।

आज की युवा पीढ़ी, जो आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव में पली-बढ़ी है, उसे देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों की आवश्यकता है। शौर्य दिवस के माध्यम से युवाओं को यह सिखाया जा सकता है कि केवल व्यक्तिगत सफलता ही नहीं, बल्कि देश के लिए योगदान देना भी उनका कर्तव्य है। वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां सुनाकर युवाओं में न केवल राष्ट्रीय गर्व की भावना को प्रबल किया जा सकता है, बल्कि उनमें यह आत्मविश्वास भी जगाया जा सकता है कि वे भी अपने क्षेत्र में योगदान देकर देश की प्रगति में भागीदार बन सकते हैं।

युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि शौर्य केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। यह साहस और कर्तव्यनिष्ठा हर क्षेत्र में दिखायी जा सकती है। चाहे वह विज्ञान और तकनीकी हो, खेलकूद हो, या फिर समाज सेवा, हर क्षेत्र में शौर्य और देशभक्ति का परिचय दिया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान का आह्वान किया गया है। यह अभियान भारत को आर्थिक, सैन्य और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का एक प्रयास है। शौर्य दिवस इस अभियान को प्रोत्साहित करने का एक आदर्श मंच बन सकता है। यह हमें उन नायकों की याद दिलाता है जिन्होंने अपने बलिदान और मेहनत से देश को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाया।

आज के समय में, जब भारत अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है, शौर्य दिवस हमारे वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को भी प्रेरित करता है कि वे अपने कौशल का उपयोग करते हुए देश को रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाएं। यह दिन हमें यह सिखाता है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि यह सैन्य और तकनीकी सशक्तिकरण भी है।

भारत आज केवल बाहरी चुनौतियों से ही नहीं जूझ रहा है, बल्कि आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक एकता के लिए भी संघर्ष कर रहा है। शौर्य दिवस इन समस्याओं का समाधान खोजने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन हमें उन वीरों की याद दिलाता है, जिन्होंने जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर देश की सेवा की।

यह दिवस सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि शौर्य केवल युद्ध के मैदान में ही नहीं, बल्कि समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने में भी दिखाया जा सकता है। सामाजिक समस्याओं जैसे भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, बाल श्रम और शिक्षा की कमी से लड़ने के लिए भी हमें साहस और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है।

आज जब पर्यावरण संकट एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, शौर्य दिवस हमें यह सिखाता है कि पर्यावरण की रक्षा भी एक प्रकार का शौर्य है। स्वतंत्रता संग्राम में हमारे नेताओं ने जिस प्रकार भारत की धरती को विदेशी शासन से मुक्त कराया, आज हमें उसी प्रकार अपनी धरती को प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय खतरों से बचाने का संकल्प लेना होगा।

शौर्य दिवस के माध्यम से लोगों में यह जागरूकता पैदा की जा सकती है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। वीरता का अर्थ केवल युद्ध में लड़ना नहीं है, बल्कि यह हमारे संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी निहित है।

शौर्य दिवस हमें उन वीरांगनाओं की भी याद दिलाता है जिन्होंने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में, बल्कि आधुनिक समय में भी अद्वितीय साहस का परिचय दिया है। रानी

लक्ष्मीबाई, कल्पना चावला, बछेंद्री पाल और मिताली राज जैसी महिलाओं ने देश के लिए अपने क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं।

आज के समय में, जब महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं, शौर्य दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिवस महिलाओं को प्रेरित करता है कि वे हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ें और देश की प्रगति में समान भागीदार बनें।

शौर्य दिवस न केवल भारत के अंदर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि को मजबूत करता है। यह दिन भारतीय सेना और उसके योगदान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर है। भारतीय सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी वीरता और पेशेवर रवैया भारत को दुनिया में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में सहायक है।

वर्तमान समय में शौर्य दिवस का महत्व केवल ऐतिहासिक घटनाओं का स्मरण करना नहीं है, बल्कि यह हमें यह सिखाने का दिन है कि साहस, बलिदान और समर्पण केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। यह हमारे दैनिक जीवन, सामाजिक जिम्मेदारियों और राष्ट्रीय कर्तव्यों में भी निहित है।

शौर्य दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम अपने देश के वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करें और उनके सपनों के भारत को साकार करने के लिए योगदान दें। यह दिन हर भारतीय को एकजुट होकर यह संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है कि हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे और अपने देश को विकास, शांति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत का बचाव

अखिलेश आर्येन्दु

भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में पर्वत देवता के रूप में पूजे जाते रहे हैं, लेकिन पहाड़ों के बेतहाशा दोहन से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। हम भूल गए कि पहाड़ों के संरक्षण, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल के अनुसार 84 प्रतिशत स्थानीय पर्वतीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र दशक 2021-30 प्रकृति की गिरावट रोकना और वापस लाना दस साल की कोशिश है। जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर धरती, पर्वत और हवा पर पड़ा है। धरती तेजी से गर्म हो रही है। मौसम असंतुलित हो गया है। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा देखी जाने लगी हैं। पर्वतों का दोहन इतना अधिक किया गया कि दूसरी तमाम तरह की प्राकृतिक दुर्घटनाएं और समस्याएं आए दिन होने लगी हैं। पर्वतों के दोहन को बचाने और पर्वतों के महत्त्व को समझाने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवसÓ मनाने की घोषणा की। हर साल 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाए जाने का मकसद पर्वतों का संरक्षण, सुरक्षा और उनके दोहन को रोकना है। जाहिर है पर्वत और इंसान का रिश्ता बहुत पुराना है। उतना पुराना जितना मानव सभ्यता। धरती का 27 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ों से ढका हुआ है। दुनिया के पंद्रह प्रतिशत आबादी का घर पहाड़ हैं, और दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पाट की मेजबानी भी पहाड़ करते हैं। दुनिया की आधी आबादी के रोजमर्रा की जिंदगी बसर के लिए पानी उपलब्ध कराने का कार्य पहाड़ करते हैं। कृषि, बागवानी, पेय जल, स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति पहाड़ों के जरिए होती है। दुनिया के अस्सी प्रतिशत भोजन की आपूर्ति करने वाली बीस पौधों की प्रजातियों में से छह की उत्पत्ति और विविधता पहाड़ों से जुड़ी है। आलू, जौ, मक्का, टमाटर, ज्वार, सेब जैसे उपयोगी आहारों की उत्पत्ति पहाड़ हैं। हजारों नदियों के स्रोत पहाड़ हैं। भारत में नदियों को ही पूजा नहीं जाता, बल्कि अनेक पहाड़ों की पूजा भी की जाती है। तमाम चमत्कारिक घटनाएं पहाड़ों से जुड़ी हैं। तमाम तरह की सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पहाड़ों से जुड़ी हैं। इसलिए पहाड़ों का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। सृष्टि-उत्पत्ति के साथ सागर और पहाड़, दोनों मानवता के विकास के आधार रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नई सभ्यता और संस्कृति के साथ विज्ञान का विकास होता गया वैसे-वैसे पहाड़ और सागर, दोनों प्रदूषित किए जाने लगे। आज हालत यह हो गई है कि पहाड़ और सागर, दोनों का वैभव खत्म होता जा रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक जलवायु गर्म होती जा रही है, पर्वतीय ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे जैव विविधता पर ही असर नहीं पड़ रहा, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता और औषधियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते प्रदूषण की वजह से खतरे में है यानी दुनिया भर में पर्वतों को संरक्षण देने की जरूरत है। पर्वत हमारे लिए कितने उपयोगी हैं, इसे वह समुदाय सबसे ज्यादा जानता है जिसकी रोजमर्रा की जिंदगी की हर कवायद पर्वतों से जुड़ी है। यूं तो

पहाड़ों के संरक्षण को लेकर विश्व का ध्यान 1992 में गया जब पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ सम्मेलन में एजेंडा 21 के अध्याय 13 'नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन : सतत पर्वतीय विकासÓ पर जोर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाने से पिछले दस सालों में पर्वतीय पर्यटन तेजी से बढ़ा है लेकिन इसका नुकसान भी देखा गया है। पर्यटकों की लापरवाही से पर्यावरण का नुकसान हुआ और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ा है। पहाड़ी इलाकों के निवासियों को रोजगार जंगल और पहाड़ से मिलता है। खासकर महिलाओं के लिए पहाड़ किसी खेती से कम नहीं हैं। युवाओं के लिए पर्वतीय जैव विविधता का संबंध आज अधिक विसनीय है क्योंकि कलाकृतियों के संरक्षण, मूर्तिकला और बेहतर स्वास्थ्य पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण से ताल्लुक रखता है। आजीविका और प्राकृतिक आहार पहाड़ों से जितना अच्छा मिलता है, उतना शायद और कहीं से नहीं मिलता। ईंधन, औषधियों और लता वाली तरकारियां पहाड़ के दरे में उगती हैं। तमाम जीव-जंतुओं के आवास स्थल पहाड़ हैं। पहाड़ों के दोहन या क्षरण का मतलब जीव-जंतुओं, बहुमूल्य वनस्पतियों, औषधियों और खनिज-रत्नों से महरूम होना है। हिमाचल प्रदेश में 11-12 जिलों में कुदरत के कहर से पहाड़ का पोर-पोर धंस रहा है। असम, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी पहाड़ों के साथ खूब अनर्थ हुआ है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार, पर्यावरण संरक्षक और जनता को माफिया के खिलाफ आगे आना होगा। धरती पर रहने वाले हर इंसान का पहाड़ों से रिश्ता रहा है। पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत, तीनों का बचाव होगा।

मेष राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नये सामान की खरीदारी करेंगे।आज अपनी योग्यता और सामर्थ्य को पहचाने तथा समय का उचित सदुपयोग करेंगे ।

वृष राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे।आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ़ होगी।आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।आपके दाम्पत्य रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। आज सचेत रहने से समस्याओं को जल्दी सुलझा भी लेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपका हर काम को बहुत अधिक सोच-विचार कर करना आपको सफलता देगा। किसी मित्र की मदद से उलझे कार्य सुलझ जाएंगे। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए।समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि- आज आपका दिन सामान्य रहेगा।जीवनसाथी की सलाह व सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेंगे। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज तनाव और चिंता का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है इसलिए व्यर्थ की बातों पर ध्यान ना देकर आप योगा, मेडिटेशन पर ध्यान देंगे।

सिंह राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी।आप आसपास के लोगों के सहयोग से घरेलु कार्य पूरा करने में सफल होंगे।आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज कारोबारी दौड़भाग रहेगी। कुछ लोग आपको भ्रमित करने की कोशिश भी करेंगे। अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है।आज आपका कोई नया दोस्त बनेगा, जिसके साथ लम्बे समय तक दोस्ती चलेगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा।आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपको यात्रा से लाभ होगा।आज किसी मुश्किल मुकाम को मेहनत और परिश्रम से हासिल कर लेंगे, सिर्फ हर किसी पर भरोसा ना करें और अपने काम से ही मतलब रखें। आज आत्म मनन करने से मानसिक और आत्मिक सुख-शांति का अनुभव होगा।

तुला राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लाया है। आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा।आज आपकी मेहनत व प्रयास के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। कुछ खास लोगों से मेलजोल होगा और किसी मांगलिक कार्य संबंधी योजना बनेगी।कुछ नया शुरू करने के लिए समय बहुत ही अनुकूल है। रुकी हुई पेमेंट मिल जाने से वित्तीय स्थिति में भी सुधार आएगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका काम करने का जुनून आपको निश्चित ही जल्द कोई उपलब्धि हासिल करवाएगा, लेकिन कोई भी बड़ा सौदा करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल अवश्य करें। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। कार्यस्थल पर काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। आज किसी खास निर्णय को लेकर कुछ दिक्कत आ सकती है, अनुभवी व्यक्ति की सलाह से उनका निवारण भी होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आज किसी भी कार्य को लेकर थोड़ी सी सतर्कता रखने से आप कई परेशानियों से बच सकते हैं। आज आप अपनी मेहनत और योग्यता से निश्चित ही सफलता हासिल करेंगे। किसी नई योजना पर भी कार्य शुरू होगा।

कुंभ राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा 7 आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने बजट का भी ध्यान रखें, क्योंकि खर्चों की स्थिति बढ़ती नजर आ रही है। सोसाइटी अथवा सामाजिक कार्यों में किसी के साथ बेवजह ना उलझे।

मीन राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा।अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। जीवन स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए परिवार जनों के साथ वार्तालाप रहेगा, साथ ही मीडिया अथवा संपर्क सूत्रों द्वारा नई-नई जानकारियां मिलेंगी जो कि फायदेमंद साबित होगी।

शब्द पहेली - 8343

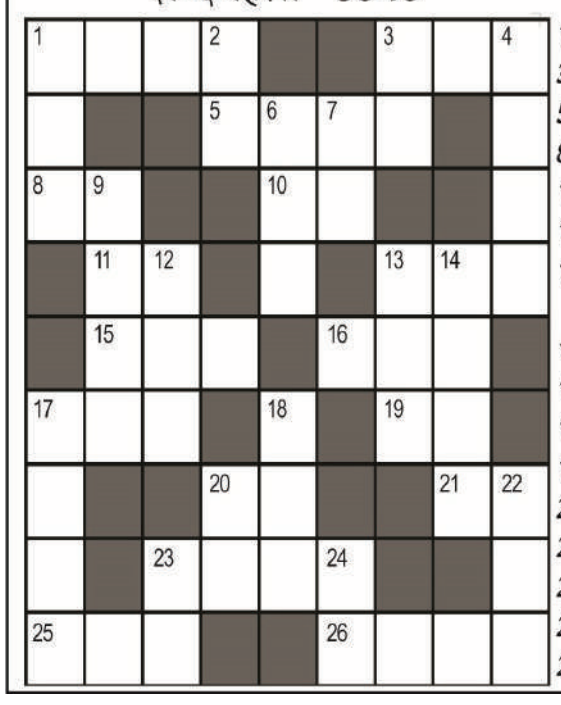

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8342 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

डबल एडमिशन से सरकार को 200 करोड़ का नुकसान

3.50 लाख छात्रों का प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन

सरकारी स्कूलों की योजनाओं की ले रहे सुविधा

पटना, एजेंसी। बिहार में 3.50 लाख ऐसे छात्र हैं, जिनका एडमिशन तो प्राइवेट स्कूल में हुआ है, लेकिन वे सरकारी स्कूल के बच्चों को दी जाने वाली योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इन योजनाओं में स्कॉलरशिप, ड्रेस, बैग और साइकिल योजना शामिल हैं। ऐसे में डबल एडमिशन की वजह से हर साल सरकार को 200 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। डबल एडमिशन की वजह से शिक्षा विभाग को शिक्षक और छात्र के औसत के मुताबिक, नियुक्ति, स्कूलों की संख्या, भवन के निर्माण, मिड-डे-मील, ड्रेस, स्कॉलरशिप, क्लास में पढ़ाई सहित अन्य व्यवस्था के मैनेजमेंट में दिक्कत हो रही है। साथ ही बिहार में औसत साक्षर दर निकालने में परेशानी होती है। डबल एडमिशन की जानकारी छात्रों के आधार कार्ड को ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड के दौरान मिली। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने निर्देश दे रखा है कि स्कूली बच्चों का आधार सीडिंग करवाया जाए। प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में आधार सीडिंग को कंपलसरी किया गया है। आधार सीडिंग के बाद हर जिलों से आंकड़े सामने आ रहे हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने निर्देश दे रखा है कि स्कूली बच्चों का आधार सीडिंग करवाया जाए। प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में आधार सीडिंग को कंपलसरी किया गया है। आधार सीडिंग के बाद हर जिलों से आंकड़े सामने आ रहे हैं।

मिड डे मिल में भी हेराफेरी, हर साल 64 करोड़ का नुकसान : दोहरे नामांकन की वजह से क्लास में छात्रों की उपस्थिति भी कम रहती है। जिससे शिक्षक पढ़ाई में रुचि नहीं लेते। बिहार बोर्ड से मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को दस-दस हजार रुपए की स्कॉलरशिप दी जाती है। इंटर पास छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत 25-25 हजार रुपए की स्कॉलरशिप मिलती है। साइकिल और पोशाक योजनाएं भी हैं। इन सभी योजनाओं का पैसा छ्व्क्ष्ञ के जरिए सीधे बच्चों के अकाउंट में भेजा जाता है।

सबसे अधिक मधुबनी में 19,200 नामांकन

राज्य में डबल एडमिशन सबसे अधिक मधुबनी में 19200 हैं। जबकि, सबसे कम ऐसे नामांकन शेखपुरा में 2006 हैं। पटना में 9202 छात्रों का नामांकन हुआ है। इन छात्रों को डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने वाले लाभ से वंचित किया गया है।

आधार अपडेट के लिए निर्देश

डबल एडमिशन को देखते हुए शिक्षा विभाग सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के मैनेजमेंट को छात्रों के आधार कार्ड ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपडेट करने को कहा है। जिससे छात्रों के नामांकन के बारे में जानकारी मिल सके। फिलहाल अभी तक 80 लाख से अधिक छात्रों के आधार कार्ड अपडेट हो चुका है।

डबल एडमिशन की वजह से मिड-डे-मील में भी हेराफेरी हो रही है। इसकी जानकारी स्थानीय शिक्षा के अधिकारियों को भी है। जानकारी के मुताबिक, सरकारी स्कूल में नामांकन और उपस्थित छात्रों के हिसाब से मिड-डे-मील में अनाज देने के साथ ही गैस, सब्जी, नमक, तेल सहित अन्य खरीद के लिए पैसा मिलता है। 1 से 5वीं कक्षा तक के प्रति छात्र 5.45 रुपए, 6 से 8वीं कक्षा के लिए प्रति छात्र 8.17 रुपए तय है। ऐसे में 3.50 लाख छात्रों के मिड-डे-मील में ही लगभग 64 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष हेराफेरी की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

खनन माफिया की सूचना देने पर 10000 का पुरस्कार

पटना, एजेंसी। यदि कोई व्यक्ति खनन माफिया की सूचना देकर ट्रक की जब्ती कराता है तो उसे 10000 का तथा ट्रैक्टर की जब्ती कराने पर 5000 रुपए का बिहार योद्धा का पुरस्कार दिया जाएगा। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार की देर शाम सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान यह बात कही। उपमुख्यमंत्री ने सड़क एवं खनन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इसके उपरांत प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में इंस्पेक्टर राज नहीं चलने दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति अपनी ही जमीन से मिट्टी खोदकर खुद उपयोग करता है तो उसमें कोई टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन यदि वह व्यावसायिक उपयोग करता है तो टैक्स देना पड़ेगा। यदि कोई अधिकारी उन्हें तंग करता है तो वे 9472238821 नंबर पर फोन कर सूचना दे सकते हैं। उन्होंने खनन को लेकर सूचना देने के लिए मोबाइल नंबर 9473191437 एवं 9122414564 जारी किया। विजय सिन्हा ने कहा कि सरकार किसी भी परिस्थिति में जनता को तंग करने की अनुमति अधिकारी को नहीं देती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जंगल राज के युवराज हैं, उन्हें जब सत्ता मिली थी तब वे कहां थे। जो भी नौकरी देने की वे बात करते हैं वह सब एनडीए सरकार द्वारा बनाए गए मापदंड के आधार पर दी गई है। बीपीएससी परीक्षा के दौरान पटना डीएम द्वारा छात्र को थप्पड़ मारे जाने के प्रश्न पर कहा कि राजद प्रतिभाशाली युवाओं को बरगलाकर माहौल खराब करना चाहता है। पटना के डीएम ने अपनी सफाई दे दी है। फोरलेन पर जाम के मामले में उन्होंने कहा कि ट्रैफिक डीएसपी को बुलाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है।

टिकारी : 32 करोड़ की लागत से 39 किलोमीटर सड़क का होगा नवीकरण

गया, एजेंसी। टिकारी विधानसभा की तीन महत्वपूर्ण सड़कों का कायाकल्प होगा। वर्षों पहले बनायी गई सड़कों की सतह जगह-जगह खराब हो गई है। अब सड़कों के सतहों का नवीकरण होगा। आरसीडी सभी सड़कों का निर्माण करायेगी। टिकारी को पटना से जोड़ने वाली स्टेट हाईवे- 69 के पंचानपुर से संडा तक बनी सड़क में संडा और कमालपुर में ड्रेनेज सिस्टम नहीं है। इन दोनों गांवों के पास हाइवे पर नाले का पानी बहता है। दोनों गांवों में ड्रेनेज सिस्टम स्थापित किया जाएगा। जबकि संडा से पंचानपुर तक 19.22 किलोमीटर सड़क की सतह का नवीकरण होगा। इससे टिकारी से पटना जाने-आने वाले लोगों को सहूलियत होगी। इसी तरह मऊ - कुरकुट बिगहा - उसास देवरा से ओर बाजार तक बनी सड़क की सतह का नवीकरण की योजना है। 8.20 किलोमीटर लंबी सड़क की सतह के नवीकरण पर 9 करोड़ 85 लाख रुपये खर्च होंगे। ददरेजी - आंती - रफीगंज सड़क का भी नवीकरण होगा। करीब 11 किलोमीटर लंबी सड़क की सतह नवीकरण पर करीब दस करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। क्षेत्रीय विधायक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इन तीनों सड़कों के नवीकरण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। बाकी सभी जरूरी प्रक्रिया पूरी करते हुए जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन तीनों सड़कों के नवीकरण के बाद बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। इन सड़कों से रोजाना कई जिलों के हजारों लोग सफर करते हैं। विधायक ने कहा कि आने वाले समय में टिकारी की कई और महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण होना है। सड़कों की सूची विभिन्न विभागों में भेजी गई है।

जर्मनी की कंपनी सिखाएगी सुरक्षित व बेहतर सफाई के गुर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जर्मनी सरकार की कंपनी 'जीआईजेड निगम के सफाई कर्मियों को सुरक्षित व बेहतर सफाई के गुर सिखाएगी। इसको लेकर निगम ने जर्मन कंपनी के साथ करार किया है। दो दिवसीय ट्रायल सफल होने के बाद आने वाले दिनों में करीब एक हजार कर्मियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इनमें सफाई कर्मी, चालक से लेकर वार्ड जमादार व अन्य कर्मी शामिल होंगे। इससे पूर्व केंद्र सरकार की योजना के तहत जर्मन कंपनी ने पटना नगर निगम के सफाईकर्मियों को ट्रेनिंग दी थी। हालांकि राज्य में पहली बार किसी नगर निगम के स्तर से पहल की गई है। दरअसल, पिछले दिनों गोवा में देश के चुनिंदा नगर निगमों की बैठक में शामिल होने गए नगर आयुक्त विक्रम विरकर ने सफाई व कचरा प्रबंधन से जुड़े स्टॉर्टअप का निरीक्षण किया था। जीआईजेड के कार्यों को परखने के बाद उन्होंने कंपनी के नेशनल हेड से बात कर सफाईकर्मियों की ट्रेनिंग के लिए तैयार किया था।

लाइव प्रदर्शन के जरिए दी जाती है ट्रेनिंग

ट्रेनिंग में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, स्रोत पर ही कचरे का वर्गीकरण, कचरा संग्रहण के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता व सुरक्षा के साथ सफाई में उपयोग किए जाने वाले सुरक्षा उपकरणों से अवगत कराने के साथ सूखे, गीले, सेनेटरी व खतरनाक कूड़े को अलग करने के गुर सिखाए जाते हैं। लाइव प्रदर्शन के जरिए सफाई उपकरण मास्क, दस्ताना, सुरक्षा बूट, गैस मास्क, हेलमेट, सुरक्षा रस्सी आदि के उपयोग से जुड़ी ट्रेनिंग दी जाती है।

निगम के सभी अंचलों को दी गई 7-7 स्पेशल सफाई किट

निगम के सभी 10 अंचलों में 7-7 स्पेशल सफाई किट उपलब्ध करा दी गई है। इसमें विशेष किस्म के जूते, दस्ताने, रस्सी, हेलमेट व अन्य संसाधन हैं। इससे सुरक्षित तरीके से सफाई या कचरा प्रबंधन आसानी से किया जा सकेगा। नगर आयुक्त विक्रम विरकर का कहना है कि जर्मनी सरकार की कंपनी जीआईजेड से सफाई से जुड़े कर्मियों को ट्रेनिंग दिलवाई जाएगी। इसको लेकर गोवा में कंपनी से बात हो चुकी है। अंचल स्तर पर विशेष सफाई किट उपलब्ध कराते हुए उनके नियमित इस्तेमाल की हिदायत दी गई है।

कार्यकारी डीजीपी का पद छोड़ने के बाद गिनाईं उपलब्धियां

पटना, एजेंसी। इसी साल अगस्त में आलोक राज कार्यकारी डीजीपी बने थे। उनका तबादला बिहार पुलिस भवन निर्माण भवन निगम में बतौर डीजी कर दिया गया है। कार्यकारी डीजीपी का पद छोड़ने से पहले उन्होंने पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उनके साथ एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन भी रहे। आलोक राज से जब पूछा किया कि आपने 105 दिनों में कई काम किए। फिर भी इतना कम मौका क्यों दिया गया? उसपर उन्होंने कहा-यह सरकार जाने। नो कमेंट। क्या आपको इसका कोई मलाल है? उसपर आलोक राज ने कहा कि मुझे कोई मलाल नहीं है। सरकार के अलावा सभी डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी, एसपी और पुलिसकर्मियों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने पूरा सहयोग किया। इसी तरह नए डीजीपी को भी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नए डीजपी विनय कुमार के साथ साइंस कॉलेज में पढ़े हैं। सारण तिहरे हत्याकांड में आलोक राज ने कहा कि नए कानून लागू होने के बाद सारण में तीन लोगों की हत्या हुई थी। सारण पुलिस ने इस केस में बहुत बेहतर काम किया। स्पीडी ट्रायल कराया गया। एफएसएल की बेहतर जांच हुई। इसका नतीजा हुआ कि 50 दिन में ही तीनों आरोपियों को सजा हुई। नए कानून के बाद देश का पहला केस बना जिसमें सबसे कम समय में सजा दिलाई गई।

बोरिंग रोड में सड़क से गलियों तक स्ट्रीट लाइट खराब, पसरा अंधेरा

पटना, एजेंसी। शहर के बोरिंग रोड इलाके में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था पूरी तरह से लचर हो गई है। बोरिंग कैनाल रोड में पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास तक स्ट्रीट लाइट बंद है। इसी तरह बोरिंग रोड, चिल्ड्रन पार्क से मोहनी चौराह, बसावन पार्क, एसके पुरी के विभिन्न गलियों, पानी टंकी से पाटलिपुत्र होते पॉलिटेक्निक मोड़, पाटलिपुत्र-न्यू पाटलिपुत्र इलाके के विभिन्न गलियों ने स्ट्रीट लाइट बंद है। इसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं। इन इलाके में रहने वाली महिलाएं शाम ढलने के बाद अकेले घर से निकलने से बच रही हैं। बोरिंग कैनाल रोड के दुकानदार मनोज कुमार ने कहा कि शिकायत के बावजूद स्ट्रीट लाइट नहीं बना। ईईएसएल के हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत करने के समय 72 घंटे में बन जाने की बात कही जाती है। लेकिन, कार्रवाई नहीं होती है।

मीठापुर से सब्जीमंडी जाने वाले फ्लाई ओवर पर अंधेरा : मीठापुर से सब्जीमंडी जाने वाले फ्लाई ओवर पर अंधेरा है। इसी तरह करबिगहिया से मीठापुर होते बाइपास जाने वाले मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बंद है। विधानसभा से आर ब्लॉक की ओर जाने वाले कर्पूरी ठाकुर फ्लाई ओवर भी अंधेरा में डूबा रहता है। कदम कुआं इलाके बुद्ध मार्ग के आसपास पास स्ट्रीट लाइट बंद है।

2021 में 85000 लाइट लगाई गई थी : पटना नगर निगम क्षेत्र में पहले पीला हैलोजन वाला स्ट्रीट लाइट था। इसमें अधिक बिजली की खपत होती थी। मेंटेनेंस नहीं होने के कारण शहर में अंधेरा था। वर्ष 2021 में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज

लिमिटेड (ईईएसएल) ने पटना नगर निगम के साथ स्ट्रीट लाइट लगाने का करार किया। ईईएसएल ने शहर में 85,000 से अधिक लाइटें लगाई। इसका सात साल तक ईईएसएल को मेंटेनेंस करना था। इस एलईडी स्ट्रीट लाइट पर बिजली की खपत कम होने से बिल की राशि में बचत होती है। इसकी हिस्सेदारी ईईएसएल को मिलनी थी। यही राशि नगर निगम के पास 25 करोड़ रुपए ईईएसएल का बकाया है।

30 से 35 प्रतिशत लाइट खराब : नगर निगम के मुख्य सड़कों और गलियों में ईईएसएल के द्वारा लगाया जाने वाली 30 से 35 प्रतिशत स्ट्रीट लाइट खराब है। शहर के फ्लाई ओवर पर पुल निर्माण निगम और अटल पथ, पाटली पथ पर बीएसआरडीसी द्वारा स्ट्रीट लाइट लगाई गई है। इन सड़कों और फ्लाई ओवरों पर भी दोनों विभाग के मॉनिटरिंग के अभाव में स्ट्रीट लाइट बंद है।

सीवान में डबल मर्डर, पिस्टल लेकर घर में घुसे थे : महिलाओं के चिल्लाने पर जुटी भीड़, लाठी, रॉड से पीट-पीटकर मार डाला

हथियार दिखाकर पैसे मांगने लगे

सीवान, एजेंसी। सीवान में दो लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। दोनों का शव एक घर के पहले तल्ले पर मिला है। आरोप है कि दोनों हथियार लेकर घर में घुस गए और पैसों की डिमांड करने लगे। जिसके बाद लोगों ने दोनों पर लाठी और रॉड से हमला कर दिया। मामला सराय थाना क्षेत्र के मखदूम सराय मोहल्ले का है। डबल मर्डर से इलाके में सनसनी है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही सराय थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, नगर थाना अध्यक्ष राजू कुमार और एसडीपीओ अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर के बेला थाना क्षेत्र के क्लामुद्दीन बेटे मो. सैयद अली और सराय थाना क्षेत्र के पुरानी किला पोखरा निवासी निजामुद्दीन बेटे फकीरा के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्तौल

भी बरामद की है। बताया जा रहा है कि सैयद अली अपने ननिहाल में रहता था।

महिलाओं के शोर मचाने पर भीड़ ने पकड़कर पीटा

मखदूम सराय लहेरा टोली में अनवर अली के घर सैयद और फकीरा घुसे थे। दोनों लूटपाट के इरादे से पिस्टल के साथ आए थे। जिसके बाद दोनों घर में मौजूद लोगों को डरा धमका कर पैसा मांगने लगे। जिसके बाद घर में मौजूद महिलाओं ने डर के कारण शोर मचाने लगी, जिससे मोहल्ले के लोग वहां इकट्ठा हो गए। आरोपियों ने लोगों को घर से बाहर जाने के लिए धमकाया, जिससे गुस्साए लोगों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घटनास्थल को संरक्षित कर एफएसएल टीम से जांच कराई जा रही है।

दो लोगों से पूछताछ जारी

एसडीपीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने मामले में अब तक दो लोगों को न्यायिक हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

राजद नेता बोले- 'माई-बहिन मान योजना' चलाएंगे : सरकार बनी तो हर महिला को 2500 माह : तेजस्वी

पटना, एजेंसी। राज्य में तय समय पर विधानसभा चुनाव होने में 10 महीने बाकी हैं और चुनावी घोषणाएं चालू हो गई हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को माई-बहिन मान योजना चलाने की घोषणा करके हुए कहा कि मेरी सरकार बनी तो इस योजना से हर महिला को प्रति माह 2500 रुपए देंगे। सरकार बनने के एक महीने के भीतर योजना लागू होगी। तेजस्वी राज्य में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम कर रहे हैं और अब तक 3 बड़ी चुनावी घोषणाएं कर चुके हैं। राज्य के सभी लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री, सामाजिक सुरक्षा और वृद्धावस्था पेंशन 400 से बढ़ाकर 1500 करने का वादा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आशीर्वाद जहां है, सुख-समृद्धि का वास वहीं है। इसी मंत्र पर चलते हुए बिहार की हर महिला को हम सक्षम बनाना चाहते हैं। जो बहनें अपने मन का खा नहीं पाती, अपने मन का खरीद नहीं पातीं, उन मां-बहिनों के लिए ये योजना समर्पित होगी। बढ़ती और व्यापक महंगाई के चलते घर-परिवारों को राहत की दरकार है। महिलाओं को 2500

रुपए मिलेंगे तो नए बिहार के साथ ÷समृद्ध महिला, सुखी परिवार÷ का सपना सच होगा। महिलाओं को नकद पैसा मिलेगा तो वे अपने परिवार की भलाई में अधिक पैसा निवेश करेंगी। पूरे परिवार के लिए पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और बच्चों की शिक्षा मे उन पैसों को लगाएंगी। छोटे व्यवसाय शुरू करने या कौशल प्रशिक्षण में निवेश करेंगी। उन्होंने कहा कि 17 महीने के पिछले कार्यकाल में मैंने अपना वादा पूरा किया था।

पीरपैंती में ट्रैक्टर से कुचलकर सात वर्षीय बालक की मौत

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के बाखरपुर दियारा के नरकटिया जोला मठिया की कच्ची सड़क पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सात वर्षीय बालक आशीष कुमार पिता बनवारी रजक को कुचल दिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और आसपास बहियार में काम कर रहे लोग दौड़े। इधर घटना की सूचना मिलते ही बाखरपुर थाना से अवर निरीक्षक रमेश चौधरी भी पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

हवा-हवाई दावे-वादे करना तेजस्वी का काम : विजय

पटना, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि वादे का पिटारा लेकर 'ट्विटर ब्वाय' तेजस्वी यादव ने जनता को दर्शन दिया है। उन्होंने बिहार की महिलाओं से वादा किया है कि उनकी सरकार बनी तो 2500 रुपए महीना देंगे। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि किन महिलाओं को देंगे, उसका आधार क्या होगा तो कुछ बोल नहीं पाए। क्योंकि उनको अच्छे से पता है कि वे हवाई संस्कृति वाले शहजादे हैं। केवल हवा-हवाई दावे और वादे करना उनका काम है। जिसका कोई तार्किक और

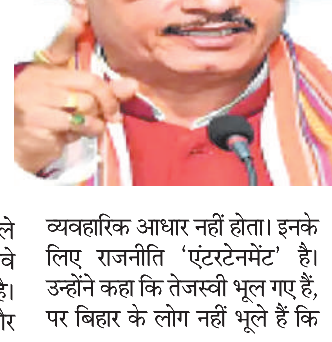

व्यवहारिक आधार नहीं होता। इनके लिए राजनीति 'एंटरटेनमेंट' है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी भूल गए हैं, पर बिहार के लोग नहीं भूले हैं कि इनका पूरा परिवार महिलाओं के बारे में कैसी सोच रखता है। अभी हाल में इनके पिताजी के एक बयान में भी उसकी झलक लोगों ने देखी। वास्तविकता यह है कि हमारी एनडीए सरकार ने महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक स्थिति को बहुमुखी तरीके से सुधारने का प्रयास किया। उन्हीं प्रयासों के कारण महिलाएं आज शिक्षा और रोजगार में राज्य में एक-तिहाई से अधिक का योगदान दे रही हैं। पंचायती राज व्यवस्था में आज उनकी भागीदारी 50 प्रतिशत से भी अधिक हो चली है।

2025 में सांसदी छोड़ विधायकी लड़ेंगे चिराग पासवान? बोले- मैं तैयार, पार्टी को लेना है फैसला

पटना, एजेंसी। लोजपा (आर) के अध्यक्ष और हाजीपुर से सांसद चिराग पासवान के एक बयान से नई सियासी चर्चा का को हवा मिल गई है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि मेरे लिए सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण एक विधायक की भूमिका होगी। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है, लेकिन मैं पूरी तरह तैयार हूं। मेरा मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। ऐसे में कयास लगने लगे हैं कि क्या 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग विधायकी का चुनाव लड़ेंगे। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि यह इच्छा मैंने जरूर जाहिर की है, कि मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। मैंने जाहिर किया है कि सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण मेरे लिए एक विधायक की भूमिका होगी, जहां राज्य में रहकर बिहार के लिए ज्यादा काम कर सकूं। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतार सकूं। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है। लेकिन मैं पूरी तरह तैयार हूं। आपको बता दें इससे पहले भी चिराग कह चुके हैं कि उन्हें केंद्र से ज्यादा उन्हें बिहार की राजनीति में दिलचस्पी है। राजनीति में आने का उनका मुख्य एजेंडा ही बिहार रहा है। ये बात शुरू से क्लियर रखा है। पिता रामविलास पासवान केंद्र की राजनीति पर ज्यादा फोकस करते थे। लेकिन अपने आप को राज्य की राजनीति में ज्यादा देखता हूं। 2025 में नहीं तो 2030 में आप जरूर मुझे विधायक के तौर पर देखेंगे। एक बार फिर से चिराग अपने ही बयान को दोहराया है। जिसके बाद से उनके 2025 में विधायकी का चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

ढाबे पर खाना खाते समय आढ़ती को मौत ने ले लिया आगोश में, सबका यही सवाल कि कैसे चली गई उनकी जान?

आगरा , एजेंसी। आगरा के सिकंदरा में एक ढाबे पर खाना खाने पहुंचे आढ़ती को मौत ने अपने आगोश में ले लिया। वह आधी रोटी ही खा पाए थे कि कुर्सी पर बैठे रह गए। कर्मचारी ने देखा तो ढाबा मालिक को बताया। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी।

पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। घटना रविवार शाम सात बजे की है। साईं क्लासिक कॉलोनी, कैलाश विहार निवासी 50 वर्षीय आढ़ती संजय वर्मा सिकंदरा मंडी के सामने भगवती ढाबे पर खाना खाने आए थे। उन्होंने पनीर की सब्जी और रोटी आर्डर की।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वह आधी रोटी ही खा पाए थे कि उनका सिर कुर्सी पर एक ओर लुढ़क गया। उन्हें रोटी के लिए पूछने आए कर्मचारी ने उन्हें देखा। उन्हें लगा कि थकावट की वजह से ग्राहक को झपकी आ गई है। उसने ढाबा मालिक प्रदीप कुमार को बताया। वह भी आ गए। उन्होंने उन्हें जगाने का प्रयास किया। मगर, संजय वर्मा के शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी। इस पर पुलिस को बताया।

पुलिसकर्मी उनको एसएन इमरजेंसी लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु होने की आशंका जाहिर की। सूचना पर परिजन आ गए। संजय के जीजा ऋषिपाल ने बताया कि साले की सिकंदरा सब्जी मंडी में आढ़त थी। कुछ समय से वह काम नहीं कर रहे थे। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

मेडिकल रिपोर्ट की हाथ से बनी कॉपी दाखिल करने पर कोर्ट खफा, कंप्यूटर से बनाने का आदेश

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट की कॉपी हाथ से बनाकर देने पर नाराजगी जताई है। कहा, आश्वासन के बावजूद हाथ की बनी कॉपी अदालत में दाखिल की जा रही है। इस पर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मेडिकल-पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी कंप्यूटर से तैयार कराने का आदेश दिया है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की अदालत ने पीलीभीत के करेली में दुष्कर्म के नाबालिग आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए की। कोर्ट ने महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को मेडिकल जांच व पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी कंप्यूटर से तैयार कराने का आदेश दिया है। कहा है कि मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी तैयार कराने की जवाबदेही डॉक्टर, स्टाफ के अलावा सीएमओ व सीएमएस की भी है। कोर्ट ने महानिदेशक को इस नियम को पूरे प्रदेश में कड़ाई से लागू करने का एक और मौका दिया है।

इससे पहले कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव गृह, डीजीपी व डायरेक्टर जनरल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से व्यक्तिगत हलफनामा तलब किया। कहा, आश्वासन के बावजूद मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कंप्यूटर से तैयार नहीं कराई जा रही है। इस पर तीनों ने बिना शर्त माफी मांगी। वहीं, उन्होंने बताया कि सर्कुलर जारी किया जा चुका है। लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। इसके लिए सॉफ्टवेयर बनाने की तैयारी प्रगति पर है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा, अस्पतालों पर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य का नियंत्रण है। इसके जवाब में महानिदेशक ने बताया कि पीलीभीत के सीएमओ की ओर से डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

बिजनौर में पुलिस को घटनाक्रम बताते हुए फफक पड़े मुश्ताक खान

मेरठ, एजेंसी। अपहरणकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी होने की खबर लगने पर अभिनेता मुश्ताक खान दुबई में चल रही फिल्म शूटिंग छोड़कर शनिवार सुबह बिजनौर पहुंच गए। मुश्ताक ने बताया कि 20 नवंबर को अगवा कर बदमाश उनको पहले दिल्ली स्थित जैन शिकंजी एवं रेस्टोरेंट पर ले गए और फिर बिजनौर में लवी पाल के घर में बंधक बनाकर रखा। वह बहुत डर गए थे और रातभर नहीं सो पाए। मस्जिद में अजान सुनकर सुबह होने की जानकारी हुई। साहस किया और बंधनमुक्त होकर घर से बाहर निकला। रास्ते में टेंपो चालक मिला, जिसने मस्जिद पर जाने का रास्ता बताया था। वहां पहुंचा और लोगों ने मदद की। 21 नवंबर को गाजियाबाद में अपने दोस्त के घर पहुंचा और 22 नवंबर को मुंबई वापस पहुंच गया।

वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम-2024

सीएम योगी बोले- मार्च तक 32 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बनेगा यूपी

लखनऊ , एजेंसी। मुंबई पहुंचे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को सभी को महाकुंभ में आमंत्रित किया। कहा कि इसमें 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। उन्होंने कहा कि जिस यूपी की जीडीपी 2012 से 2017 तक महज 12.5 लाख से 13 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं मार्च 2025 में यह 32 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी।

सीएम ने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने अपनी पुस्तक ए व्यू फार्म आउटसाइड : व्हाई गुड इकोनॉमिक्स वर्क फॉर एवरीवन के लोकार्पण में कहा था कि भारत कभी भी धनी देश नहीं रहा। भारत में घी-दूध की नदियां और उसके सोने की चिड़िया होने के मिथक पर आधारित पुस्तकों को जला देने की आवश्यकता है। ऐसे नियंताओं से क्या उम्मीद हैं। यह राम, श्रीकृष्ण को मिथक और भारत की विरासत को अपमानित करते हैं।

बहुसंख्यक हित की चर्चा अपराध कैसे

सीएम योगी ने कांग्रेस और विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि इन लोगों ने राज्यसभा के सभापति व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ नोटिस दिया है। यह लोग सच बोलने वाले को महाभियोग की धौंस देकर मुंह बंद करने का प्रयास करेंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव ने समान नागरिक संहिता की बात कही। भारत में बहुसंख्यक समाज के हितों की चर्चा हुई, किसी ने सच्चाई कही तो कौन सा अपराध हुआ। सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि महर्षि वेदव्यास, आरएसएस या भाजपा से नहीं जुड़े थे लेकिन अत्यंत ज्ञानी राहुल गांधी जैसे विद्वान यह भी कह देंगे कि वेदव्यास संघ की शाखा में गए होंगे।

यूपी ने सामने रखा विकास का उदाहरण

सीएम योगी ने कहा कि विरासत व विकास का समन्वय कैसे आगे बढ़ सकता है। यह उत्तर प्रदेश ने करके दिखाया। वर्ष 2014 के पहले काशी में सालभर में 50 लाख पर्यटक आ पाते थे और इस वर्ष 16 करोड़ पर्यटक आए हैं। वर्ष 2023 में यूपी में 62 करोड़ से अधिक पर्यटक आए थे, पहले यह संख्या किसी तरह पूरे वर्ष में एक-डेढ़ करोड़ होती थी।

जीडीपी में 9.2 फीसदी हिस्सेदारी

योगी ने कहा कि जब हम आए थे तो यूपी दसवीं अर्थव्यवस्था थी। अब यह देश की जीडीपी में 9.2 फीसदी हिस्सेदारी दे रहा है।

अब यूपी से पलायन नहीं होता है। पीएम ने अयोध्या में श्रमिकों के श्रम का सम्मान कर पुष्पवर्षा की। दूसरी तरफ ऐसे भी शासक थे, जो ताजमहल बनाने वालों के हाथ काट देते थे। कार्यक्रम में स्वामी विज्ञानानंद, आयोजन समिति के सचिव रविकांत मिश्र, आरएसएस मुंबई महानगर के संघचालक सुरेश भगेरिया और स्वदेश खेतावत आदि मौजूद रहे।

कानपुर में छात्रा के अर्धनग्न शव का मामला, वह काले कपड़ों में आया ,शारीरिक संबंध बनाए , हत्या की और चला गया

शयन कक्ष से छात्रा का अर्धनग्न हत्या किया हुआ शव बरामद होने के बाद दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी पुलिस

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां महिलाओं की हत्या और उनके उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं । इसी क्रम में एक छात्रा की भी हत्या कर दी गई। उसका अर्धनग्न शव उसके ही शव उसके ही शयन कक्ष से बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस घटना की छानबीन करते हुए हत्यारे का पता लग रही है अब तक की छानबीन के मुताबिक हत्यारा काले कपड़े पहने हुए आया। चाय पी उसके साथ शादी संबंध बनाए। फिर छात्रा की हत्या की और चला गया। पुलिस को इस आशा की जानकारी छात्रा की नाबालिक भतीजी के बयान के आधार पर हासिल हुई है ,जिसके बाद पुलिस हत्यारों का पता लग रही है। जिसके लिए घटना में संदिग्ध माने जाने वाले दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है।

यह घटना शिवराजपुर थाना क्षेत्र में 12वीं की छात्रा के साथ हुई।

जानकारी देते हुए एडिशनल सीपी हरीश चंदर ने बताया कि छात्रा का डॉक्टरों के पैनल से छात्रा के शव का पोस्टमार्टम और वीडियोग्राफी करने के बाद उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस बारे में मौके पर पहुंची पुलिस को छात्रा के पिता ने बताया कि घटना के समय वह बेटी को घर में अकेला छोड़कर करीब 4 बजे वह पत्नी के साथ कानपुर देहात के असालतगंज स्थित एक रिश्तेदार के घर शादी समारोह में गए थे। अकेले होने पर बेटी देर शाम पड़ोस में ही दूसरे घर में रहने वाले अपने बड़े भाई की चार साल की बेटी को घर ले आई थी। सुबह जब मासूम की मां उसे लेने पहुंची तो रोते हुए बेटी ने बुआ के न उठने की बात कही। मृतका की भाभी जब कमरे में पहुंची तो छात्रा का अर्धनग्न शव कमरे में चारपाई पर पड़ा था।

पुलिस की पूछताछ में मासूम भतीजी ने पुलिस को बताया कि वह बुआ का फोन लेकर बिस्तर पर देख रही थी। बुआ दूसरे कमरे में थीं। यहां एक युवक काले कपड़े में आया था। उसके चेहरे पर कपड़ा बंधा हुआ था।

पुलिस ने घर में चाय बनाने और पीने के मिले बर्तन देखकर यह आशंका जाहिर की कि घर पहुंचा युवक मृतका का परिचित था। पुलिस के अनुसार छात्रा की हत्या तकिया से मुंह दबाकर की गई। हत्यारे की तलाश लगातार की जा रही है।

अखिलेश यादव के निशाने पर सरकार, बोले- बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार विदेश नीति की विफलता

लखनऊ, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मुद्दे पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा। कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह विदेश नीति की असफलता है।

एक संत को जेल में डाल दिया गया। वहां लोगों के साथ गलत व्यवहार हो रहा है। इसका मतलब है विदेश नीति गड़बड़ है। भाजपा सरकार पड़ोसी देशों से संबंध ठीक नही रख पा रही है। विदेश में रह रहे अपने लोगों की सुरक्षा नहीं कर पा रही है। यह केंद्र सरकार की विफलता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पीडीए की एकता और ताकत से भाजपा घबराई हुई है। पीडीए जितना मजबूत और एकजुट होगा, भाजपा उतना ही ज्यादा सांप्रदायिक राजनीति करेगी। भाजपा के पास महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है।

विकसित भारत बनाना है तो सबका सम्मान करना होगा

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और किसानों को उनका हक और सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर हर जगह खोदाई होगी तो देश आगे नही बढ़ेगा। अगर विकसित भारत बनाना है तो सबका सम्मान करना होगा।

हम चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे-अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दस साल पहले गंगा सफाई का वादा किया था, लेकिन कानपुर और कन्नौज समेत तमाम जगह नाले गंगा में जा रहे है। समाजवादी पार्टी हमेशा से ईवीएम के खिलाफ है। हम ईवीएम से चुनाव जीतकर ईवीएम को हटाएंगे।

कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, आगरा में तैनात पुलिसकर्मी की मौत, दोस्त गंभीर घायल

अलीगढ़ , एजेंसी। कार मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। हादसे में कार सवार पुलिसकर्मी की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्गेश पुत्र विजय सिंह फौजदार गांव चूहरपुर किनमासा के रहने वाले थे। वह आगरा में पुलिस में तैनात थे। 14 दिसंबर को वह अवकाश पर घर आए थे। शाम को वह गांव के अपने मित्र लोकेंद्र पुत्र विशम्बर सिंह के साथ नयाबास नहर पुल स्थित एक होटल पर खाना खाने गए थे। देर रात करीब साढ़े दस बजे दोनों लोग वापस घर जा रहे थे। हाथरस ब्रांच के सायफन नहर पुल पर पटरी के मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से कार का शीशा तोड़ कर दोनों को बाहर निकाला गया। उपचार के लिए दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिसकर्मी दुर्गेश की उपचार को ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। वहीं साथी लोकेंद्र को गंभीर हालत में अलीगढ़ ले जाया गया। मृतक दुर्गेश कुमार के एक पुत्री व एक पुत्र है। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे।

मुस्लिम जमात ने किया सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत

बरेलवी मौलाना बोले- मुसलमानों को राहत मिली

बरेली , एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर रोक लगाई गई है। बरेली के ग्रैंड मुफ्ती हाऊस में मुस्लिम जमात की बैठक हुई। इसमें जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि 1990 और 1991 में देश में सांप्रदायिक माहौल था, जिसकी वजह से उस समय संसद में एक कानून पास किया, जिसको पूजा स्थल अधिनियम 1991 कहा जाता है। इस कानून में साफतौर पर उल्लेख किया गया है कि 15 अगस्त 1947 में धार्मिक स्थलों की जो स्थिति है उसमें किसी तरह का कोई बदलाव या छेड़छाड़ नहीं किया जायगा। साथ ही बाबरी मस्जिद अयोध्या को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया। उस वक्त नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का ये बड़ा निर्णय था, जिसका सभी ने समर्थन किया था।

हिंदू मुस्लिम तनाव कम करने की कोशिश: मौलाना बरेलवी ने कहा कि अयोध्या में विवादित ढांचे की जगह राम जन्मभूमि मंदिर बनने के बाद सांप्रदायिक ताकतों के हौसले बुलंद हो गए, जिसकी वजह से ज्ञानवापी मस्जिद वाराणसी और शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा के साथ ही संभल, बदायूं, आगरा अजमेर आदि में मस्जिदों और दरगाहों को कोर्ट मे खींचा जाने लगा। मगर सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर रोक लगाकर इतिहास रचा है। देश में फैलते हिंदू मुस्लिम तनाव को कम करने की भरपूर कोशिश की गई। बैठक में मौलाना मुजाहिद हुसैन कादरी ने कहा कि मुसलमान हमेशा कानून पर अमल करता रहा है और भविष्य में भी कानून का सम्मान करेगा। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने अगर पूजा स्थल अधिनियम 1991 से छेड़छाड़ ना की होती तो देश में सांप्रदायिक तनाव ना पैदा होता। मगर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हम खुश हैं और मुसलमानों ने राहत की सांस ली है।

इंस्टाग्राम पर लाइव थी मॉडल, तभी कर बैठी गलती, फंस गई मुश्किल में

बरेली , एजेंसी। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने व रील बनाने के चक्कर में कुछ युवा नियम-कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। बरेली में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम पर लाइव के दौरान युवती ने तमंचे का प्रदर्शन किया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे एक्स पर पुलिस को टैग करते हुए युवती पर कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मॉडलिंग करने वाली शहर की युवती ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर तमंचे का प्रदर्शन कर दिया। वायरल हो रहे वीडियो में युवती को बेखौफ तरीके से असलहे दिखाते हुए देखा जा रहा है। उसके पास कोई व्यक्ति खड़ा है, जिसे वह चाचा कहकर संबोधित कर रही है। लोग इसे फॉलोअर्स बढ़ाने का स्टंट बता रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद लोग इसे आपत्तिजनक मानते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एक्स पर पवन कुमार कश्यप नाम के यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए इसे पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, हथियार असली है या नकली इस बारे में भी पड़ताल की जाएगी।

46 साल बाद शिव मंदिर के खुले कपाट: भक्तों ने की आरती... हनुमान चालीसा का पाठ

संभल , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के खग्गू सराय इलाके में 46 साल से बंद पड़े प्राचीन शिव और हनुमान मंदिर के कपाट रविवार को खोले गए। पुलिस-प्रशासन की देखरेख में मंदिर को अतिक्रमण मुक्त कराकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सुबह भोर होते ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

मंदिर परिसर में आरती और हनुमान चालीसा के पाठ के साथ महादेव और हनुमान जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। दशकों बाद इस मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान होने से श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया।

46 साल से बंद मंदिर में हुई पूजा-अर्चना

भोर होते ही भक्तों ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और आरती व मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए भक्तों ने महादेव और हनुमान जी के जयकारे लगाए। इलाके के लोगों ने मंदिर खुलने पर प्रशासन की सराहना की। माना जा रहा है कि यह मंदिर करीब 200 वर्ष या उससे भी अधिक पुराना हो सकता है। इसकी ऐतिहासिकता की जांच पुरातत्व विभाग से कराई जाएगी।

1978 के दंगे के बाद बंद हो गया था मंदिर

स्थानीय लोगों के अनुसार, 1978 में हुए दंगे के बाद मंदिर में पूजा-अर्चना बंद हो गई थी। उस समय खग्गू सराय में लगभग 40 हिंदू (रस्तोगी) परिवार रहते थे, जो दंगों के बाद इलाके को छोड़कर चले गए थे। 82 वर्षीय विष्णु शरण रस्तोगी ने बताया कि यह मंदिर उनके पूर्वजों द्वारा स्थापित किया गया था। परिवार के लोग नियमित पूजा करते थे, लेकिन इलाके से पलायन के बाद मंदिर की देखभाल नहीं हो सकी।

मंदिर परिसर में कुआं भी मिला, शुरू होगी जांच

डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि गुप्त सूचना पर मंदिर की पहचान की गई और ताले खुलवाए गए। मंदिर परिसर में एक पुराना कुआं भी मिला है, जिसे बंद कर दिया गया था। प्रशासन ने कुएं की खुदाई कराई और अब इसे दोबारा सहेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मंदिर की प्राचीनता पर होगी पुरातात्विक जांच

डीएम ने बताया कि मंदिर की ऐतिहासिकता का पता लगाने के लिए पुरातत्व विभाग से जांच कराई जाएगी। 82 वर्षीय विष्णु शरण रस्तोगी के अनुसार, उनके पूर्वजों ने भी इस मंदिर को अत्यंत प्राचीन बताया था। अनुमान है कि यह मंदिर 200 साल या उससे अधिक पुराना हो सकता है।

मंदिर के पुनरुद्धार पर प्रशासन का फोकस

डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि संभल के ऐसे तीर्थस्थलों और प्राचीन कूपों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो समय के साथ विलुप्त हो गए हैं। इस ऐतिहासिक मंदिर के पुनरुद्धार से स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल है। प्रशासन द्वारा मंदिर की नियमित देखरेख और पूजा की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, सोमवार, 16 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना पर लोगों को जबरन गायब करने का आरोप

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर देश में जबरन लोगों को गायब करने का आरोप लगा है। अंतरिम सरकार के जांच आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जबरन गुमशुदगी की घटनाओं में शामिल रही हैं। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक जबरन गुमशुदगी के ऐसे लगभग 3500 मामले में हैं, जिनमें हसीना शामिल थीं। इसे लेकर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बयान भी जारी किया है। हसीना के अलावा उनके डिफेंस एडवाइजर तारिक अहमद सिद्दीक, टेलीकम्युनिकेशन के पूर्व डॉयरेक्टर जियाउल अहसान और कई पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। हसीना के देश छोड़ने के बाद से ये सभी अधिकारी फरार हो गए थे। इनमें से कई विदेशों में मौजूद हैं। इस रिपोर्ट को 5 सदस्यीय जांच आयोग ने बनाया है। रिपोर्ट को 'अनफोल्डिंग द ट्रुथ' नाम दिया गया है। जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हसीना सरकार ने रैपिड एक्शन बटालियन (RAB) का इस्तेमाल कर लोगों को यातनाएं दी है। हसीना पर आरोप है कि वो लोगों को जबरन उठाने और हिरासत में रखने के लिए RAB और दूसरी एजेंसियों का संगठित तरीक के इस्तेमाल करती थीं। आयोग ने अपनी रिपोट में RAB को खत्म करने और 2009 में बने एंटी टेररिज्म एक्ट को रद्द करने या बड़े पैमाने पर संशोधन करने के लिए कहा है। आयोग के सदस्य और मानवाधिकार कार्यकर्ता सज्जाद हुसैन के मुताबिक, उन्होंने जबरन गुमशुदगी की 1676 शिकायतें दर्ज कराई थी। इनमें से 758 की जांच हुई हैं, जिसमें से करीब 200 लोग कभी लौटे ही नहीं। इसके अलावा जो लौटे, उन्हें रिकॉर्ड में गिरफ्तार दिखाया गया। जांच आयोग अगले साल मार्च में इसे लेकर एक और रिपोर्ट जारी करेगा।

अमेरिका से 18 हजार भारतीयों को निकालेंगे ट्रम्प, ये अवैध प्रवासी, इनके पास कागज नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही भारतीय प्रवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वहां से करीब 18 हजार भारतीयों को निकाला जा सकता है। ये सभी लोग अवैध प्रवासी हैं जिनके पास अमेरिका की नागरिकता नहीं है, और वहां की नागरिकता हासिल करने के लिए सही कागज नहीं हैं। दरअसल, अमेरिका में अवैध प्रवासियों से डील करने वाली सरकारी संस्था (ICE) ने करीब 15 लाख लोगों की एक सूची बनाई है जो अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं। 18 हजार भारतीय भी इसी सूची में शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जैसे ही वे राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे, सबसे पहले अवैध प्रवासियों को निकालने का काम करेंगे। इस मामले में ICE ने कहा कि बिना डॉक्यूमेंट वाले प्रवासियों को देश से बाहर भेजना ट्रम्प की सीमा सुरक्षा एजेंडे का हिस्सा है।

एक तरफ जहां अमेरिका 18 हजार भारतीयों को निकालने की तैयार कर रहा है। वहीं अमेरिकी सरकार ने एक सूची जारी कर भारत पर गैर-मददगार होने का आरोप लगाया है। इस सूची में उन देशों को रखा गया है जो अपने देश से अमेरिका गए लोगों को वापस लाने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अमेरिकी एजेंसी ICE ने डिपोर्टेशन प्रोसेस (निर्वासन प्रक्रिया) में मदद नहीं करने वाले 15 देशों की लिस्ट बनाई है जिन्हें 'गैर मददगार' बताया है। इनमें भारत का नाम भी शामिल है। लिस्ट में अपने नागरिकों की वापसी को अस्वीकार करना और निर्वासन में सहयोग न करने वाले देशों का नाम लिखा है। ICE के डेटा के मुताबिक अमेरिका में 17,940 भारतीय ऐसे हैं जो अवैध प्रवासी हैं। साथ ही इन लोगों को गैर-कानूनी तरीके से अमेरिका में घुसने के लिए जेल में नहीं डाला गया है। ये कागजी कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया में फंस गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रक्रिया पूरी होने में 3 साल तक का वक्त लग जाता है।

केजरीवाल नई दिल्ली, आतिशी कालकाजी से चुनाव लड़ेंगी, सभी 70 सीटों पर AAP कैंडिडेट घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) की चौथी और आखिरी लिस्ट आ गई है। इसमें 38 नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे। CM आतिशी को कालकाजी से उम्मीदवार बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश, सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। AAP ने 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच यानी 25 दिनों में कुल 4 लिस्ट में 70 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं। 4 विधायकों की सीट बदली गई है। इनमें मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से जंगपुरा, राखी बिडलान की मंगोलपुरी से मादीपुर, प्रवीण कुमार की जंगपुरा से जनकपुरी और दुर्गेश पाठक की करावल नगर से राजेंद्रनगर सीट बदली गई है। 2020 में राघव चड्ढा राजेंद्रनगर से विधायक बने थे। 2022 में उनके राज्यसभा जाने के बाद से यह सीट खाली है।

बेंगलुरु में हेड कांस्टेबल ने सुसाइड किया, पत्नी-ससुर पर टॉर्चर और हैरेसमेंट के आरोप

बेंगलुरु। पत्नी और ससुरालवालों से तंग आकर सुसाइड करने का एक और मामला बेंगलुरु से सामने आया है। कर्नाटक पुलिस में हेड कांस्टेबल टिप्पन्ना ने 13 दिसंबर की रात ट्रेन से कटकर सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक टिप्पन्ना के पास से एक पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ। इसमें पत्नी और ससुर पर टॉर्चर करने, हैरेसमेंट करने का आरोप लगाए हैं। पुलिस के मुताबिक घटना वाली रात टिप्पन्ना का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि हेड कांस्टेबल ने बायप्पनहल्ली इलाके में सुसाइड किया था। उसकी तैनाती हुलीमावु पुलिस स्टेशन में थी। बेंगलुरु में पत्नी और ससुरालवालों से तंग आकर सुसाइड का बीते 5 दिन में ये दूसरा मामला है। 9 दिसंबर को AI इंजीनियर का शव उनके फ्लेट से बरामद हुआ था। पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट में लिखा है कि 12 दिसंबर की शाम 7.26 पर टिप्पन्ना को उसके ससुर ने धमकी दी थी। उसने टिप्पन्ना से कहा था कि या तो मर जाओ या फिर मारे जाओ, ताकि उनकी बेटी शांति से रह सके। 12 दिसंबर को टिप्पन्ना ने सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपनी ड्यूटी की थी। इसके बाद वो जब घर आया तब उसकी पत्नी से लड़ाई हुई। इसके बाद वो घर से निकल गया था। रात में उसने ट्रेन के कटकर सुसाइड किया। पुलिस ने बताया कि टिप्पन्ना की शादी 2021 में हुई थी। उसको कोई संतान नहीं थी। पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट के आधार पर टिप्पन्ना की पत्नी और ससुर के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का केस सहित BNS की दूसरी धाराओं में केस दर्ज किया गया। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

कॉमेडियन सुनील पाल को किडनैप करने वाले का एनकाउंटर

मेरठ। कॉमेडियन सुनील पाल और एक्टर मुश्ताक खान किडनैप मामले में गिरफ्तार अर्जुन कर्णवाल ने रविवार को पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। मेडिकल चेकअप के लिए ले जाते समय वह दरोगा की पिस्टल छीनकर गाड़ी से कूद गया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी। अर्जुन को पुलिस ने शनिवार रात पकड़ा था। उसके पास से किडनैप में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार, 2 लाख रुपए और फिरौती में इस्तेमाल किया गया मोबाइल मिला था। अर्जुन ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसको लवी टास्क देता था। किसका किडनैप करना है, कितनी फिरौती वसूलनी है, इस पूरी कहानी के बारे में सिर्फ लवी ही जानता था। अर्जुन को सिर्फ उतना ही पता होता था, जितना लवी उसे बताता था। कॉमेडियन सुनील पाल के मुताबिक उनको 2 दिसंबर की रात हरिद्वार के एक इवेंट में बुलाया गया था। सुनील पाल फ्लाइट से मुंबई से दिल्ली पहुंचे। दिल्ली से मेरठ के बीच सुनील पाल को किडनैप कर लिया गया। किडनैपर सुनील पाल को मेरठ लाए। आंखों पर पट्टी बांधकर मेरठ में रखा गया। दोस्तों को फोन करके 8 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। फिरौती की सारी रकम ऑनलाइन मंगाई गई। इसके बाद बदमाशों ने बेगमपुल के आकाश गंगा ज्वेलर्स से 4 लाख रुपए और जवाहर क्वार्टर में अक्षित सिंघल की शॉप से सवा 2 लाख के जेवरात खरीदे। दोनों जगह पर सुनील पाल के नाम से बिल बनवाए। सुनील पाल के आधार कार्ड और पैन कार्ड की कॉपी भी दी गई। 3 दिसंबर को बदमाशों ने फिरौती के 8 लाख रुपए ऑनलाइन मंगाए। पैसे मिलने के बाद बदमाशों ने 20 हजार मुझे फ्लाइट के टिकट के लिए दिए। इसके बाद लालकुर्ती थाना क्षेत्र में मुझे छोड़ दिया।

बांग्लादेश- हिंदू मंदिर पर हमले के आरोप में 4 गिरफ्तार

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में जांच एजेंसियों ने हिंदू मंदिरों और घरों पर हमले के आरोप में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर उत्तरी जिले सुनामगंज में एक मंदिर और हिंदुओं के घरों व दुकानों में तोड़फोड़ करने का आरोप था। पुलिस ने इस मामले में 12 नामजद और 170 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सुनामगंज जिले में 3 दिसंबर को एक फेसबुक पोस्ट के बाद इलाके में तनाव फैल गया था। हालांकि विवाद के बाद पोस्ट को डिलीट कर दिया गया था, लेकिन उसके स्क्रीन शॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। इसके बाद क्षेत्र में हिंसा फैल गई थी। दंगाइयों ने इस दौरान सुनामगंज के लोकनाथ मंदिर और हिंदुओं के घरों में तोड़-फोड़ की थी। हिंसा फैलने के बाद पुलिस ने पोस्ट करने वाले आकाश दास को उसी दिन हिरासत में ले लिया था। सुरक्षा कारणों के चलते उसे जिला मुख्यालय के पुलिस स्टेशन ले जाया गया था।

हिंदुओं पर लगातार बढ़ रहे हमले: बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से हिंदुओं के खिलाफ धार्मिक हिंसा के मामले लगातार बढ़े हैं। 'सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज्म एंड ह्यूमन राइट्स'

(CDPHR) की रिपोर्ट के मुताबिक 5 से 9 अगस्त के बीच ही बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ लूटपाट की 190 घटनाएं सामने आई थीं। साथ ही 32 घरों में आगजनी, 16 मंदिरों में तोड़-फोड़ और यौन हिंसा के 2 मामले सामने आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक 20 अगस्त तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के कुल 2010 मामले सामने आए। हिंदू परिवारों पर हमले के 157 और मंदिरों के अपमान के 69 मामले शामिल थे। दुर्गा पूजा के दौरान भी बांग्लादेश में पंडालों को निशाना बनाया गया था। इसके अलावा मूर्तियों को खंडित करने की कई घटनाएं भी दर्ज की गई थीं।

राजद्रोह के आरोप में इस्कॉन संत गिरफ्तार: यूनुस सरकार ने इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के आरोप में 25 नवंबर

170 लोगों पर दर्ज हुआ था मामला, सोशल मीडिया पोस्ट के बाद भड़की थी हिंसा

को गिरफ्तार किया था। चिन्मय प्रभु पर उनकी एक रैली के दौरान नेशनल फ्लैग (राष्ट्रध्वज) के अपमान का आरोप लगा था। ये रैली 25 अक्टूबर को चटगांव के लाल दीघी मैदान में हुई थी।

रैली के बाद BNP नेता फिरोज खान ने चिन्मय प्रभु और अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। दरअसल रैली के दौरान कुछ लोगों ने आजादी स्तंभ पर बांग्लादेश के नेशनल फ्लैग से ऊपर सनातन जागरण मंच का ध्वज फहरा दिया था। बांग्लादेश में नेशनल फ्लैग से ऊपर कोई और फ्लैग फहराना देशद्रोह माना जाता है। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में हिंसा फैल गई थी। इस हिंसा में एक वकील की भी मौत हुई थी। वकील की मौत के बाद एक बार फिर चिन्मय प्रभु और अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में 164 नामजद और लगभग 500 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

ईरान में हिजाब नहीं पहनने पर महिला सिंगर गिरफ्तार

एजेंसी, तेहरान

ईरान में एक ऑनलाइन कॉन्सर्ट के दौरान हिजाब नहीं पहनने के आरोप में महिला सिंगर को गिरफ्तार किया गया है। महिला सिंगर का नाम परस्तू अहमदी है। महिला ने बुधवार, 11 दिसंबर को यूट्यूब पर कॉन्सर्ट का वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में अहमदी स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गा रही थी। वीडियो अपलोड होने के बाद गुरुवार को एक कोर्ट में अहमदी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इसके बाद शनिवार को अहमदी को गिरफ्तार कर लिया गया। अहमदी की उम्र 27 साल है। न्यूज एजेंसी AP से बात करते हुए एक ईरानी वकील ने बताया कि महिला को पुलिस ने ईरान के उत्तरी प्रांत मजांदरान की राजधानी सारी से गिरफ्तार किया है।महिला के अलावा उसके साथ वीडियो में दिख रहे 4 म्यूजिशियन्स में से 2 को गिरफ्तार किया गया है।

महिला बोली- गाना मेरा अधिकार, अनदेखा नहीं कर सकती: महिला सिंगर परस्तू अहमदी ने यूट्यूब पर वीडियो अपलोड करने से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर लिखा था कि- मैं वो परस्तू लड़की हूं, जो उन लोगों के लिए गाना चाहती हूं, जिन्हें मैं प्यार करती हूं। मैं इस

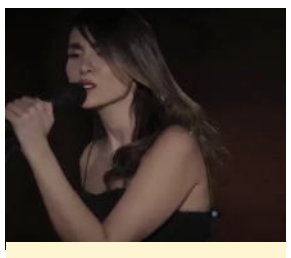

◆ कॉन्सर्ट का वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किया, साथी म्यूजिशियन भी हिरासत में

अधिकार को अनदेखा नहीं कर सकती हूं। मैं उस जमीन के लिए गाना गा रही हूं जिसे मैं बहुत प्यार करती हूं।' महिला के वीडियो को यूट्यूब पर 16 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। महिला को गिरफ्तारी के बाद कहां रखा गया है इस बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। इसके अलावा उस पर किन धाराओं में केस दर्ज किया गया है, ये भी साफ नहीं है। परस्तू अहमदी के अलावा जिन दो म्यूजिशियन को गिरफ्तार किया गया है उनके नाम सोहेल फगीह नासिरी और एहसान बेराघदार हैं। दोनों को राजधानी तेहरान से गिरफ्तार किया गया है।

UP में ठंड का 20 साल का रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली।

उत्तर भारत के राज्यों में तेज ठंड का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश में 20 साल बाद दिसंबर के दूसरे ही हफ्ते में कोल्डवेव चल रही है। अमूमन यहां तीसरे या चौथे हफ्ते में शीतलहर चलती है। तेज सर्दी के कारण शनिवार को चित्रकूट के एक किसान की मौत हो गई। ओडिशा में भी ठंड और कोल्डवेव के कारण मयूरभंज में तापमान -10 डिग्री तक पहुंच गया। यहां पेड़ के पत्तों पर ओस की बूंद जमने लगी है। मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल में 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में भी रात का पारा 4 डिग्री से कम पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा- दिसंबर में 10 साल में दूसरी बार इतना कम पारा दर्ज किया गया। राजस्थान में 11 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। MP और राजस्थान के कुल 15 शहरों में

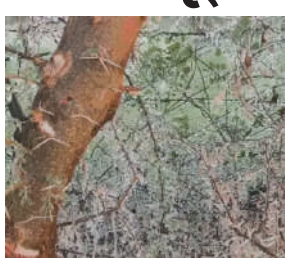

◆ ओडिशा में तापमान माइनस 10 डिग्री, MP-राजस्थान के 4 शहरों में 2* से नीचे

शनिवार को तापमान 4 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में 2-3 दिन तक ठंड का दौर जारी रहेगा। रविवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्डवेव का अलर्ट है। पंजाब और MP में सीवियर कोल्डवेव की चेतावनी जारी की गई है।

ट्रम्प की लाइब्रेरी को 15 मिलियन डॉलर देगा ABC न्यूज, चैनल के एंकर ने रेप का दोषी बताया था

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रेंसीडेट लाइब्रेरी को न्यूज चैनल ABC न्यूज ने 15 मिलियन डॉलर देने पर राजी हो गया है। ट्रम्प ने ABC न्यूज के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। ABC न्यूज के एंकर जॉर्ज स्टेफानोपोलोस ने लाइव टीवी पर दावा किया था कि ट्रम्प को लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ बलात्कार के मामले में दोषी करार दे दिया गया है। जॉर्ज ने ये दावा 10 मार्च को अपने शो 'दिस वीक' में किया था।

शनिवार को इस मामले से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। इसके मुताबिक ABC न्यूज अपनी वेबसाइट पर एक पोस्ट कर माफी मांगेगा और जो दावा उसने किया था उसके लिए खेद जताएगा। इसके साथ ही ट्रम्प के वकील को 1 मिलियन डॉलर की फीस भी देगा। ABC न्यूज ने पोस्ट करते हुए समझौते के बदले मुकदमा खारिज करने पर खुशी जताई है।

कैरोल के साथ यौन उत्पीड़न के दोषी हैं ट्रम्प: डोनाल्ड ट्रम्प को 2023 में में न्यूयॉर्क मैगजीन की लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन शोषण का दोषी पाया गया था। कैरोल ने आरोप

लगाया था कि ट्रम्प ने 1996 में उनके साथ यौन शोषण और बलात्कार किया था। हालांकि जूरी ने अपने फैसले में ट्रम्प के सिर्फ यौन शोषण का दोषी करार दिया था। इसके लिए ट्रम्प पर 5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भी लगा था। इससे पहले ट्रम्प ने कैरोल के लेकर दिए एक बयान में कहा था कि वो उनके टाइप की नहीं है। एक दूसरे बयान में ट्रम्प ने आरोप लगाया कि कैरोल ने यौन शोषण को लेकर झूठ बोला था। ट्रम्प के इस बयान के बाद कैरोल ने उन पर मानहानि का मुकादमा किया था। मानहानि के मामले में ट्रम्प को दोषी करार देते हुए कोर्ट ने 83 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया था।

पोर्न स्टार के संबंध बनाने के दोषी हैं ट्रम्प: डोनाल्ड ट्रम्प के इस साल 30 मई को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल के साथ संबंध बनाने और पैसे देकर चुप कराने के आरोप में दोषी करार दिया गया था। दोषी पाए जाने के बाद ट्रम्प ने अगस्त में फेडरल कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने के लिए कहा था। इसके बाद फेडरल कोर्ट ने मामला वापस न्यूयॉर्क कोर्ट में भेज दिया था। न्यूयॉर्क की कोर्ट में ट्रम्प ने सजा को रद्द करने के लिए याचिका लगाई थी। हालांकि ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई को अनिश्चितकाल के टाल दिया है।

2016 में राष्ट्रपति बनने से पहले का मामला: ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। इसके खुलासे के बाद पहली बार ऐसा हुआ था जब अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसिडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कोर्ट ने 6 सप्ताह में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल भी शामिल थीं।

दिग्गज अभिनेता विवेक श्रीवास्तव को शिरडी में साईं रतन पुरस्कार से सम्मानित किया गया

श्रीवास्तव को "मेरे साईं" में नानासाहेब चांदोरकर की भूमिका में उनके शानदार अभिनय और साईं बाबा के प्रति उनकी भक्ति के लिए सम्मानित किया गया

शिरडी: पवित्र शहर शिरडी में आयोजित एक भव्य समारोह में, दिग्गज अभिनेता विवेक श्रीवास्तव को प्रतिष्ठित "साईं रतन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार टेलीविजन उद्योग में श्रीवास्तव के उत्कृष्ट योगदान, विशेष रूप से लोकप्रिय धारावाहिक "मेरे साईं" में नानासाहेब चांदोरकर की उनकी उल्लेखनीय भूमिका का प्रमाण है। श्रीवास्तव, साईं बाबा के एक समर्पित अनुयायी, पुरस्कार प्राप्त करते समय भावुक हो गए। उन्होंने कहा, "मैं इस सम्मान को पाकर बहुत

ही विनम्र और आभारी हूँ।"मेरे साईं" में नानासाहेब चांदोरकर की भूमिका निभाना मेरे लिए एक आध्यात्मकि अनुभव रहा है, और मैं खुद को धन्य मानता हूँ कि मुझे इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला।" तीन दशकों से अधिक के करियर के साथ, श्रीवास्तव ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, जिन्होंने विभिन्न फिल्मों और टीवी शो में कई तरह की भूमिकाएँ निभाई हैं।

उनके उल्लेखनीय प्रदर्शनों में कई भूमिकाएँ शामिल हैं, उदाहरण के लिए, लोकप्रिय धारावाहिक "तारक मेहता का उल्टा चश्मा" में उन्होंने "चना कुमार" का किरदार निभाया, पटियाला बेबस में पुलिस कमिश्नर, बबले उतावले मैं प्रेम पानवाला, फिल्म "बाँके की क्रेजी बारात" में उनकी भूमिका और कई अन्य। साईं रतन पुरस्कार एक प्रतिष्ठित मान्यता है जो उन व्यक्तियों को दी जाती है जिन्होंने कला, संस्कृति और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्रीवास्तव की जीत उनके शिल्प के प्रति समर्पण और साईं बाबा के प्रति उनकी भक्ति का प्रमाण है। समारोह में श्री साईं बाबा संस्थान ट्रस्ट के सदस्यों सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए और उसके बाद साईं बाबा के मंदिर के विशेष दर्शन हुए। श्रीवास्तव के प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने उनकी उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी तथा उनकी प्रतिभा और काम के प्रति समर्पण की प्रशंसा की।

मणिशंकर अय्यर बोले- गांधी परिवार ने मेरा करियर बर्बाद किया

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने खुलासा किया कि पिछले 10 साल में उन्हें सोनिया गांधी से सिर्फ एक बार मिलने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने ही मेरा पॉलिटिकल करियर बनाया है और बर्बाद भी किया है। लेकिन वह कभी भाजपा में शामिल नहीं होंगे। न्यूज एजेंसी PTI को दिए इंटरव्यू में अय्यर ने दो किस्से बताए- एक बार राहुल गांधी को शुभकामनाएं भिजवाने के लिए उन्हें प्रियंका गांधी को फोन करना पड़ा था। साथ ही एक बार उन्होंने सोनिया गांधी को मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं तो मैडम ने कहा- 'मैं क्रिश्चियन नहीं हूं'। मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब (Mani Shankar Aiyar A Maverick in Politics) में बताया कि 2024 के चुनाव में उन्हें राहुल गांधी ने टिकट नहीं दी और राहुल ने कहा था- हरगिज

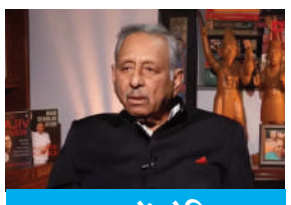

10 साल में सोनिया-राहुल से एक बार मिला, प्रणब मुखर्जी PM होते तो 2014 नहीं हारते

मणिशंकर अय्यर को टिकट नहीं देंगे क्योंकि वो बहुत बुड्ढे हो गए हैं। अय्यर तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से तीन बार लोकसभा चुनाव जीते चुके हैं और राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं। अय्यर बोले- प्रणब मुखर्जी प्रधानमंत्री होते तो चुनाव बुरी तरह नहीं हारते अय्यर ने बताया कि प्रणब मुखर्जी को उम्मीद थी कि उन्हें देश का प्रधानमंत्री और मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति बनाया जाएगा।

हेलिकॉप्टर से जयपुर-जोधपुर पहुंचाए हार्ट, किडनी और फेफड़े

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान में पहली बार ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। तीन घंटे के अंदर हेलिकॉप्टर ने झालावाड़ से जयपुर और जोधपुर में हार्ट-किडनी-लिवर पहुंचाए। अंग सुरक्षित रहें, इसलिए जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल और जोधपुर एम्स के एक किलोमीटर के दायरे में ही हेलिकॉप्टर की लैंडिंग कराई गई। दरअसल, 10 दिसंबर को झालावाड़ के एक युवक विष्णु (33) को एसआरजी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। विष्णु का झगड़ा हुआ था और उसे सिर में चोट लगी थी। सिर के ऑपरेशन के बाद भी 13 दिसंबर को वह ब्रेनडेड हो गया था। इसके बाद परिजनों ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट

के लिए परमिशन दी। झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में 13 और 14 दिसंबर को दो ऑपरेशन कर विष्णु के किडनी, हार्ट, लिवर और लंग्स को निकाला गया। रविवार को (15) सुबह 10.30 बजे उन्हें हेलिकॉप्टर से झालावाड़ से जयपुर पहुंचाया गया। दो अंग को उसी हेलिकॉप्टर से दोपहर 1.30 बजे जोधपुर एम्स पहुंचाया गया।

तबाड़तोड़ चली गोलियां.....2 की हालत चिंताजनक... जानिए, क्या था पूरा मामला, माहौल तनावपूर्ण

पंजाब जालंधर रिपोटर महिंदर चौपड़ा

अभी-अभी जालंधर शहर से बहुत बड़ी खबर सामने आई। बताया जा रहा है कि यहां पर चुनावी प्रचार के दौरान एक व्यक्ति ने युवकों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। मामला, अवतार नगर की गली नंबर 13 से जुड़ा है। घायल युवकों की हालत काफी चिंताजनक बताई जा रही है। गोली मारने वाली की पहचान गुरविंदर सिंह बाबा, जबकि, गंभीर घायल होने वाले हनी चहल तथा करणवीर सिंह के तौर पर हुई। पुलिस के उच्च अधिकारियों सहित काफी संख्या में पुलिस बल पहुंच चुके है। पास में लगे सीसीटीवी कैमरा में वारदात कैद हो चुकी है। किसी की गिरफ्तारी के बारे पुलिस ने अभी पुष्टि नहीं की। क्षेत्र में दहशत का माहौल बताया जा रहा है। इलाके को चारों तरफ से पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। चुनावी सरगर्मियों में इस प्रकार की बड़ी वारदात हो जाना, पुलिस के खिलाफ बात जा रही है। विपक्ष उंगलियां भी उठा रहा है। मामला, रविवार बाद दोपहर का बताया

जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, जालंधर के अवतार नगर में निगम चुनावों के लेकर प्रचार चल रहा था। इस बीच एक व्यक्ति का चुनाव के समय 2 युवकों के साथ विवाद हो गया। पहले दोनों के बीच खूब बहस बाजी हुई। लोगों ने आपस में छुड़वाने का प्रयास किया। लेकिन, गुरविंदर बाबा ने गुस्से में आकर अपनी पिस्टल को बाहर निकाल लिया। उसने लगभग आधार दर्जन फायर करणवीर तथा हनी चहल पर चला दिए। खून से लथपथ दोनों युवक जमीन पर गिर गए। इस

दौरान लोग अपनी जान बचाकर भागने लगें।

किसी प्रकार से खून से लथपथ दोनों युवकों सरकारी अस्पताल भर्ती कराया गया। दोनों की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है। बचने की उम्मीद काफी कम है। इस बीच पुलिस मौके पर पहुंच गई। गोली चलाने वाला फरार बताया जा रहा है। पुलिस पास में लगे सीसीटीवी कैमरा से हर पहलू पर जांच कर रही है। पता चला है कथित अपराधी बाबा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जा रहा है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बाबा किसी गैंगस्टर के साथ संबंध रखता है। फिलहाल, पुलिस ने इस बारे किसी प्रकार से अधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं किया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

ब्रिसबेन टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म, स्मिथ-हेड के शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 400 पार

एजेंसी, ब्रिसबेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सात विकेट खोकर 405 रन बना लिए हैं। मिचेल स्टार्क 7 रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 152 रन और स्टीव स्मिथ ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं, भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए हैं।

रविवार को मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में बिना किसी विकेट के 28 रन से आगे खेलना शुरू किया। मेजबान टीम को 31 के स्कोर पर पहला झटका लगा। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 54 गेंद में तीन चौके की मदद से 21 रन बनाकर आउट हो गए। फिर 38 के स्कोर पर टीम का दूसरा विकेट गिरा और दूसरे सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी भी पवेलियन चलते बने। मैकस्वीनी 9 रन बना सके। 75 के स्कोर पर मार्नस लाबुशेन भी आउट होकर पवेलियन लौट गए। लबुशने केवल 12 रन बना सके। इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिए। हेड ने जहां ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 115 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, वहीं स्मिथ ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए 185 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 33वां शतक है। दोनों बल्लेबाजों ने 200 रन से ज्यादा की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 300 के आंकड़े के पार पहुंचाया। इस साझेदारी का अंत जसप्रीत बुमराह ने स्मिथ को आउट करके किया। स्मिथ 190 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 101 रन बनाकर आउट हुए। स्मिथ के बाद मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड को भी बुमराह ने पवेलियन भेज दिया। मार्श पांच रन बना सके, जबकि हेड ने 160 गेंद में 18 चौके की मदद से 152 रन बनाए। 385 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका लगा। कप्तान पैट कमिंस 20 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क सात रन और एलेक्स कैरी 45 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की ओर से अब तक जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट हासिल किया है।

पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ा

पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया था। पहले दिन केवल 13.2 ओवर का खेल हो सका, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। मैच में केवल 5.3 ओवर फेंके गए थे, तभी बारिश शुरू हो गई, जिसके कारण 25 मिनट तक खेल रुका रहा। बारिश रुकने के बाद फिर से खेल शुरु हुआ और ख्वाजा और मैकस्वीनीने संभलकर खेलना जारी रखा। 13.2 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरू हो गई और फिर रुकी ही नहीं, जिसके बाद मैच अधिकारियों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया।

ऋषभ को लेकर दीवानगी का माहौल

मुखौटे पहने नजर आये प्रशंसक

एजेंसी, गाबा

भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि दोनो टीमों के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लिए पहुंचे प्रशंसक ऋषभ के मुखौटे पहने नजर आये। ये प्रशंसक ढोल की थाप पर नाचते दिखे। बारिश के कारण भले ही खेल नहीं हो पाया पर ऋषभ के प्रशंसक जमे रहे। ये प्रशंसक इस भारतीय क्रिकेटर के नाम के मुखौटे पहने हुए थे। वह उनके नाम के नारे लगा रहे थे तो कई ढोल की थाम पर नाचते हुए भी दिखे। गाबा को वैसे भी साल 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऋषभ की आक्रामक पारी के लिए याद किया जाता है। इस स्थल पर वापस आने के बारे में बात करते हुए इस क्रिकेटर ने भी पिछले दिनों कहा था कि उन्हें यहां आकर बेहद खुशी हुई और वह सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए थे क्योंकि इस स्थल की उन्हें कुछ शानदार यादें हैं। प्रशंसकों ने इस युवा क्रिकेटर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उसे समर्थन में नारे लगाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी मैदान पर इस क्रिकेटर ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारी खेली थी। टीम इंडिया को उसे मैच में 407 रन का लक्ष्य मिला था। तब ऋषभ ने 97 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

फिरोजाबाद की क्रिकेटर सोनम यादव एशिया कप में पाकिस्तान के छुड़ाए छक्के

फिरोजाबाद । फिरोजाबाद शहर की क्रिकेटर सोनम यादव ने रविवार को मलेशिया में हो रहे एशिया कप में पाकिस्तानी टीम के छक्के छुड़ा दिए। उन्होंने 4 ओवर में मात्र 6 रन देते हुए 4 विकेट लेकर देश, प्रदेश के साथ फिरोजाबाद जिले का नाम रोशन किया है। क्रिकेटर सोनम यादव फिरोजाबाद शहर के राजा का ताल की रहने वाली है। मलेशिया में अंडर-19 महिला एशिया कप खेला जा रहा है। रविवार को पहला मैच पाकिस्तान और भारत टीम के मध्य हुआ। इसमें पहले पाकिस्तान की टीम ने बल्लेबाजी की। भारतीय टीम की तरफ से सोनम यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 6 रन देकर पाकिस्तान के 4 विकेट चटकाए। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला साथ ही यह मैच भी भारतीय टीम ने जीता है। बेटी का मैच देखने के लिए परिजन सुबह से ही टीवी पर चिपके रहे। सोनम यादव के बेहतरीन प्रदर्शन से हर कोई उनकी तारीफ करता नजर आया। क्रिकेटर सोनम यादव के भाई अमन यादव ने बताया कि वह बहन को तैयारी कराने के लिए स्टेडियम लेकर जाते थे। आज उनकी बहन पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप खेल रही है। उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। पहले ही मैच में उसने पाकिस्तानी टीम के छक्के छुड़ा दिए। पिता मुकेश यादव व मां गुड्डी देवी का कहना है कि उन्हें अपनी बेटी पर नाज है। पिता का कहना है कि वह तो कारखाने में काम करते थे। कड़ी मेहनत कर आज सोनम ने यह मुकाम पाया है। बेटी को भारत के लिए खेलते हुए देखकर खुशी से फूले नहीं समा रही हूं।

डब्ल्यूपीएल नीलामीः सिमरन शेख को गुजरात जायंट्स ने 1.90 करोड़ में खरीदा, अनकैप्ड जी कमलिनी मुम्बई इंडियंस की हुईं

एजेंसी, बेंगलुरु

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए बेंगलुरु में रविवार को खिलाड़ियों की नीलामी शुरू हो चुकी है। इस नीलामी में कुल 120 खिलाड़ियों पर बोली लग रही है। पहली बोली वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन पर लगी। उन्हें गुजरात जायंट्स ने 1 करोड़ 70 लाख रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 50 लाख रुपये था। उन्हें खरीदने में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स के बीच टक्कर देखने को मिली लेकिन अंत में गुजरात जायंट्स 1 करोड़ 70 लाख रुपये में खरीदने में कामयाब रही।

अनकैप्ड खिलाड़ी जी कमलिनी को मुम्बई ने खरीदा : अनकैप्ड खिलाड़ी जी कमलिनी को मुंम्बई इंडियंस ने 1.6 करोड़ रुपये की बोली लगाकर खरीदा है। 16 वर्षीय खिलाड़ी को खरीदने में दिल्ली कैपिटल्स ने भी दिलचस्पी दिखाई लेकिन अंत में बाजी मुंबई ने मारी।

सिमरन शेख गईं गुजरात में : सिमरन शेख नीलामी में अभी तक खरीदी गईं खिलाड़ियों में सबसे महंगी खिलाड़ी हैं। उन्हें 1.9 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर गुजरात जायंट्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। सिमरन शेख को लेकर दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स में जंग देखने को मिली और बोली 1 करोड़ के पार पहुंच गई। इसके बाद भी बोली बढ़ती रही, लेकिन अंत में दिल्ली पीछे हट गई और 1.90 करोड़ में सिमरन को गुजरात जायंट्स ने ले लिया।

प्रेमा रावत को आरसीबी ने खरीदा : ऑलराउंडर प्रेमा रावत को रॉयल चैलेंडर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 1.20 करोड़ में खरीदा है। प्रेमा का बेस फाइस 10 लाख रुपये था। प्रेमा को खरीदने के लिए दिल्ली ने बोली की शुरुआत की लेकिन जल्द ही इसमें बेंगलुरु उतर गई और बोली 1 करोड़ के ऊपर पहुंच गई। आखिर में दिल्ली पीछे हट गई और बेंगलुरु ने 1.20 करोड़ में खरीद लिया।

बाबर आजम टी20 में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी, सेंचुरियन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 31 रनों की पारी के साथ ही एक अहम अपने नाम कर ली है। बाबर अब टी20 प्रारुप में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपनी पारी के दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के आतिशी बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर ने यह रिकॉर्ड 298 पारियों में बनाया जबकि गेल को टी20 में 11000 रन बनाने के लिए 314 पारियां खेलनी पड़ी थीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने इस आंकड़े तक पहुंचने 330 पारियां जबकि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विरराट कोहली ने 337 पारियां खेली थीं।

बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 20 गेंदों में 31 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 चौके और एक छक्का शामिल था। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड भारत के रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने टी20 इंटरनेशनल में 4231 रन बनाए हैं। वहीं बाबर को रोहित का रिकार्ड तोड़ने 10 रन की जरूरत है। बाबर ने 128 मैचों में 4221 रन बनाए हैं। बाबर के नाम टी20 अंतराष्ट्रीय में 3 शतक और 36 अर्धशतक है। बाबर इंटरनेशनल क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाले पाकिस्तान के पांचवें बल्लेबाज हैं। इस सूची में इंजमाम उल हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद हैं।

कोलकाता ने मुंबई को दी मात, चंडीगढ़ ने बेंगलुरू को हराया

एजेंसी, लखनऊ। स्टेट बैंक अन्तर्मण्डलीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कोलकाता ने मुंबई को (पार्थ दास मैन ऑफ द मैच) हरा दिया। वहीं चंडीगढ़ ने बेंगलुरु को (सुरेश कुमार मैन ऑफ द मैच), मुंबई मेट्रो ने हैदराबाद को (रवि प्रकाश दुबे- मैन ऑफ द मैच) को कड़े संघर्ष कर 2-1 से हराया, जबकि तिरुवनंतपुरम ने हैदराबाद को (अनिल कुमार चंद्रन- मैन ऑफ द मैच), जयपुर ने भुवनेश्वर को (अशोक कुमार- मैन ऑफ द मैच), अमरावती ने भोपाल को (के. यशवंत मैन ऑफ द मैच), गुवाहाटी ने लखनऊ को (सुरेश कुमार मीणा मैन ऑफ द मैच) तथा कोलकाता ने दिल्ली को (मनजीत सिंह मैन ऑफ द मैच) को 2-0 से हराया। एसबीआईएसए के मंडल महामंत्री दिनेश कुमार सिंह तथा अजय पांडे, मंडल अध्यक्ष ने सभी मैन ऑफ द मैच के सम्मानित खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आशुतोष वर्मा व तारकेश्वर चौहान (डीजीएस द्वय), बृजेश तिवारी- एजीएस तथा अमित सिंह (को.) आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अनिल तिवारी, मीडिया प्रभारी ने बताया कि सोमवार को के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में बैंक के डीएमडी बिनोद कुमार मिश्रा विजयी टीमों और खिलाड़ियों को पुरस्कृत व सम्मानित करेंगे।

राहुल को खरीदना ही नहीं चाहती थी आरसीबी

एजेंसी, मुम्बई

रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) ने जब आईपीएल 2025 के लिए पिछले माह हुई नीलामी में के ए राहुल पर बोली नहीं लगायी थी तो सभी हैरान हो गये थे। वहीं अब ये खुलासा हुआ है कि आरसीबी की राहुल को खरीदने की कोई योजना ही नहीं थी। आईपीएल का 18वां सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा। मेगा नीलामी में आरसीबी ने अपनी पसंद के कई खिलाड़ी खरीदे हैं हालांकि, फ्रेंचाइजी के कुछ फैसलों से सभी हैरान भी हुए इसमें से एक था राहुल को न खरीदना। इसका कारण है कि नीलामी से पहले कहा जा रहा था कि राहुल को आरसीबी किसी भी कीमत में खरीदेगी। यहां तक कहा गया था कि आरसीबी राहुल को कप्तान भी बनाएगी पर बाद से ये सभी बातें गलत निकलीं। आरसीबी की जिन खिलाड़ियों को खरीदने की सूची सामने आई है। उससे सभी हैरान हैं। लिस्ट सामने आई है, जिसने सभी को चौंका दिया है. इस सूची में राहुल ही नहीं श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत जैसे बड़े खिलाड़ियों के नाम भी नहीं थे। इससे साफ है कि आरसीबी इन्हें नहीं चाहती थी। आरसीबी की सूची में स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का नाम जरूर था। इसके अलावा टीम की टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन को भी खरीदने की योजना थी। जिसमें वह सफल भी रही। इसके अलावा आरसीबी की सचूी में भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे। इसी वजह से उसने भुवी को मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके अलावा टी नटराजन, डेविड मिलर और जोश हेजलवुड भी उसकी योजना में शामिल थे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम

जोश हेजलवुड (12.50 करोड़ रुपये), फिल साल्ट (11.50 करोड़ रुपये), जितेश शर्मा (11 करोड़ रुपये), लियाम लिविंगस्टोन (8.75 करोड़ रुपये), रसिख सलाम (6 करोड़ रुपये), सुयश शर्मा (2.60 करोड़ रुपये), भुवनेश्वर कुमार (10.75 करोड़ रुपये), क्रुणाल पंड्या (5.75 करोड़ रुपये), टिम डेविड (3 करोड़ रुपये), जैकब बेथेल (2.60 करोड़ रुपये), नुवान तुषारा (1.60 करोड़ रुपये), रोमारियो शेफर्ड (1.50 करोड़ रुपये), स्वप्निल सिंह (50 लाख रुपये), मनोज भांडगे (30 लाख रुपये), देवदत्त पडिक्कल (2 करोड़ रुपये)), लुंगी एनगिडी (1 करोड़ रुपये), मोहित राठी (30 लाख रुपये), अभिनंदन सिंह (रुपये) 30 लाख), स्वास्तिक चिकारा (30 लाख रुपये) **रिटेन** - विराट कोहली, यश दयाल, रजत पाटीदार

गोपाल यादव ने की धुआंधार बल्लेबाजी, तारिक क्रिकेट क्लब ने जीता मैच

एजेंसी, लखनऊ

मैन ऑफ द मैच गोपाल यादव (51) के तूफानी आतिशी अर्धशतक की बदौलत तारिक क्रिकेट क्लब ने अधीर दुबे स्मारक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में केएसीसी को सात विकेट से पराजित कर पूरे अंक जुटाए। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर केएसीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 139 रन बनाए। मध्य क्रम में इस्लाम ने 28 गेंदों पर 5 चौके व 2 छक्के से सर्वाधिक 45 रन बनाए। उनके अलावा गुरबिंदर सिंह ढिल्लो (23) व सबीर (18) ही टिक कर खेल सके। तारिक क्लब से हनी जाफरी व तेज नारायण ने 2-2 विकेट की सफलता पाई। फिरोज खान व गोपाल यादव को 1-1 विकेट की सफलता मिली। जवाब में तारिक क्रिकेट क्लब ने 13.2 ओवर में 3 विकेट पर 141 रन बनाकर मैच जीत लिया। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शीर्ष दो बल्लेबाज 20 रन ही बना सके। डॉ. प्रियेश ने 23 रन जोड़े।वहीं विनोद सिंह ने 34 गेंदों पर 8 चौके से नाबाद 50 रन व गोपाल यादव ने 16 गेंदों पर 5 चौके व 4 छक्के से नाबाद 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेल टीम को जीत दिलाई। विनोद ने डॉ. प्रियेश के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन और गोपाल यादव के साथ चौथे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की। केएसीसी से आजमी हुसैन, गुलरेज रिजवी व कामरान को 1-1 विकेट की सफलता मिली।

विकास सिंह ने की धुआंधार बल्लेबाजी, नगर आयुक्त ने जीता मैच

एजेंसी, लखनऊ

नगर निगम क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में नगर आयुक्त ने प्रेस को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में विकास सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौकों की मदद से 19 बाल पर 38 रन बनाये। प्रेस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में सात विकेट गवांकर 92 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज अजय शर्मा ने 11 रन का योगदान दिया। वहीं वरूण यादव ने चार चौकों की मदद से 35 रन बनाये। वहीं अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। प्रवीण राय ने आठ रन का योगदान दिया। वहीं नगर आयुक्त की टीम ने मात्र एक विकेट गवांकर 93 रन बना लिया और मैच को नौ विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज सोनू भारती ने तीन चौकों की मदद से 24 रन बनाये। विकास सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौकों की मदद से 19 बाल पर 38 रन बनाये। आकाश कुमार ने 11 रन बनाये।

बॉक्सिंग टूर्नामेंट में प्रतिभाग करेंगी मुरादाबाद की संजना, अनिका और अमरोहा की दिव्यांशी

तीनों चयनित खिलाड़ी रविवार को मुरादाबाद से प्रयागराज के लिए रवाना

एजेंसी, मुरादाबाद

बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव संतोष कुमार क्षेत्री ने रविवार को बताया कि 16 दिसंबर से 18 दिसंबर तक प्रयागराज में होने वाली प्रदेश स्तरीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट में मुरादाबाद की संजना, अनिका व अमरोहा कि दिव्यांशी का चयन हुआ है। यह तीनों चयनित खिलाड़ी आज सुबह प्रयागराज के लिए रवाना हो गई।

संतोष कुमार क्षेत्री ने सब जूनियर बालिका वर्ग के इस टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार व शनिवार को मंडल स्तरीय ट्रायल सोनकपुर स्टेडियम में हुए। इसमें बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव संतोष कुमार क्षेत्री ने बताया कि 14 साल उससे कम उम्र वाली बालिका खिलाड़ी ही इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकती हैं।

मुरादाबाद की संजना नवंबर में स्कूल नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग कर संजना अनिका दिव्यांशी चुकी हैं। अब एक बार फिर स्टेट टूर्नामेंट में पदक जीतकर उनके पास नेशनल में जाने का मौका है। वहीं अनिका सुमन पहली बार स्टेट चौंपियनशिप खेलेंगी। जबकि अमरोहा कि दिव्यांशी के लिए भी यह नया मौका होगा। टीम मैनेजर मनीष सैनी तीनों बालिकाओं के साथ आज मुरादाबाद से प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी नरेश चंद यादव ने तीनों बालिका खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

सरसों उत्तरी मध्य प्रदेश की प्रमुख रबी फसल है, जो लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है। मध्य प्रदेश में इसका क्षेत्रफल 7 लाख 30 हजार हेक्टेयर हो गया है। राजस्थान में देश के सरसों के कुल क्षेत्रफल का 46 प्रतिशत भाग में आता है।

सरसों की खेती

भूमि और इसकी तैयारी

सरसों को रेतीली भूमि से लेकर मटियार मिट्टियों में उगाया जा सकता है। किन्तु बलुई–दोमट भूमि इसके लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है।

सामान्यत

3–4 जुताई कल्टीवेटर एवं डिस्क प्लाऊ से एक के बाद एक विपरीत दिशा में चलाकर खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लें। और अंत में पाटा चलाकर खेत समतल कर लें, जिससे खेत में नमी बनी रहे। बारानी क्षेत्र में देशी खाद (40–50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) वर्षा पूर्व खेत में डालें और वर्षा के मौसम में जुताई के साथ खेत में मिला दें। सिंचित क्षेत्रों के लिये अच्छी पकी हुई देशी खाद (100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) बुआई के करीब एक महीना पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में अच्छी तरह मिला दें। सरसों से भरपूर पैदावार प्राप्त करने के लिए रासायनिक उर्वरकों का संतुलित मात्रा में उपयोग करने से उपज पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। अतः सरसों में निम्नांकित संतुलित उर्वरकों का प्रयोग कर अधिकतम उपज प्राप्त की जा सकती है।

बुआई

अक्टूबर माह का प्रथम पक्ष (जब औसत तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस हो) बुआई के लिए उपयुक्त है। इसकी बुआई आवश्यक रुप से अक्टूबर माह के दूसरे सप्ताह तक पूरी कर लें ताकि फसल कीट, रोग व्याधियों एवं पाला आदि प्रकोप से बची रहे। बीज जनित बीमारियों से बचाने के लिए बीजोपचार आवश्यक है। 5 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बोये। बीज को फफूंद के कारण होने वाले रोगों से बचाने हेतु एक किलोग्राम बीज को 3 ग्राम थायरम से उपचारित करें। अधिक उत्पादन के लिए ट्रैक्टर चलित बुआई की मशीन द्वारा फसल की कतार से कतार की दूरी 30 सेमी रखकर बीज को 2.5 से 3 सेमी की गहराई पर ही बोयें। बीज को अधिक गहरा बोने पर अंकुरण कम हो सकता है। पौधों से पौधों की दूरी 10 सेमी रखें।

खरपतवार नियंत्रण

बुआई के 20 से 25 दिन बाद हैन्ड हो अथवा निंदाई गुड़ाई करना आवश्यक है। साथ ही साथ घने पौधों को निकालकर अलग कर दें।

जल प्रबंधन

सरसों की बोनी बिना पलेवा दिये की गई हो तो पहली सिंचाई बुआई के 30–35 दिन बाद करें। इसके बाद अगर मौसम शुष्क रहे। अर्थात पानी नहीं बरसे तो बोनी के 60–70 दिन की अवस्था पर जिस समय फली का विकास या फली में दाना भर रहा हो सिंचाई अवश्य करें। द्विफसलीय क्षेत्र में जहां पर सिंचित अवस्था में सरसों की फसल पलेवा देकर बोनी की जाती है वहां पहली सिंचाई बुआई के 40–45 दिन पर व दूसरी सिंचाई मावठा न होने पर 75–80 दिन पर करें।

फसल की कटाई और गहाई

जब दानों में 40 प्रतिशत नमी हो तब कटाई करें। खलिहान में फसल को अच्छी तरह सुखाकर गहाई करें। बीज को अच्छी तरह सुखाकर भंडारण करें।

उन्नत जातियां

किस्म	पकने की अवधि	उपज (क्वि./हे.)	तेल प्रतिशत	विशेषताए
पूसा बोल्ड	125–135	18–22	43	फलियां कम चटकती है दाना मोटा कम चमकीला पौधा 170–180 सेमी ऊंचा
वरुणा	115–125	18–25	42	पौधा 145–175 सेमी ऊंचा दाना बड़ा, सिंचित एवं असिंचित दशाओं के लिए उपयुक्त
क्रांति	130–135	25–28	40	पौधा 155–200 सेमी ऊंचा, पौधे में शाखायें अधिक, दाना बडें आकार का काला भूरा
रोहिणी	130–140	15–20	42	फलियां टहनी से चिपकी हुई होती है। पौधे की ऊंचाई 150–155 सेमी, दाना बड़ा।
जे.एम–1 पूसा बोल्ड × एल 6	125–130	15–20	41–42	बीज बड़ा, कालापन लिए पौधे की ऊंचाई 170–185 सेमी, झुकने व झड़ने के प्रति अधिक सहनशील डाउनी मिल्डयु व सफेद गेरुआ प्रतिरोधी
जेएम 2	135–138	25–30	42	पौधे की ऊंचाई 165–170 सेमी श्वेत किट्ट रोग प्रतिरोधी, अल्टर नेरिया झुलसा फलियां चटकने और पौधे गिरने के प्रति सहिष्णु।
जेएम 3	130–132	15–25	40	पौधों की ऊंचाई 180 से 185 सेमी, फलियों की संख्या अधिक होती है और वे चटकती नहीं है। अन्य किस्मों की अपेक्षा माहू का प्रकोप कम होता है।
पूसा जय	125–130	30–35	42	सिंचित क्षेत्र के लिए उपयुक्त किसान
पूसा अग्रणी	125–130	25–30	40	अगेती सितम्बर व पिछेती नवम्बर में बुआई के लिए उपयुक्त सिंचित दशाओं में उपयुक्त। इसके पौधे 125 से 160 सेमी लम्बे तथा 5–6 शाखाओं युक्त। गेरूआ शेरा के प्रति सहिष्णु।

चने की उन्नत कृषि पद्धति

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर द्वारा विगत वर्षों में चना उत्पादक क्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से चना की उन्नत किस्म जेजी-16, जेजी-11 विशाल तथा आई.पी.एम. (बीजोपचार-कार्बेन्डाजिम, फेरोमेन प्रपंच का उपयोग कीटों की निगरानी व नियंत्रण हेतु तथा फली अवस्था पर कीटनाशी - क्विनालफॉस/प्रोफेनॉफास का छिड़काव) का प्रदर्शन किया गया जिसमें चना की उपज 15.60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त हुयी जो कि प्रदेश की उत्पादकता से 478 कि.ग्रा. ज्यादा थी अतः किसान भाई उन्नत कृषि तकनीक के उपयोग से अपनी उत्पादकता में वृद्धि कर सकते हैं।

खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों सितंबर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार–बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर दें व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें अथवा पलेवा लगाकर बुवाई करें।

उर्वरकों का उपयोग

मिट्टी परीक्षण की संस्तुति के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करें सामान्य तौर पर दलहनी फसल होने के कारण चने को 20 कि.ग्रा. पोटाश की आवश्यकता सिंचित अवस्था में जबकि असिंचित अवस्था में 10 कि.ग्रा. नत्रजन व 30 कि.ग्रा. फॉस्फोरस की आवश्यकता होती है जिसकी पूर्ति सिंचित अवस्था में 100 कि.ग्रा. + 30 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश असिंचित अवस्था में 50 कि.ग्रा. डीएपी से हो जाती है। इसके अलावा 40 कि.ग्रा. यूरिया व 350 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट व 30 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश से भी पोषक तत्वों की पूर्ति हो सकती है। अंतिम जुताई से पूर्व 2–3 कि.ग्रा. पीएसबी कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

बीजदर

देशी चने की 85 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे.के मान से उपयोग करें ताकि एक वर्ग मी. क्षेत्र में 25–30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी. होगी।

बीजोपचार

बीज की मृदा जनित फफूंदियों से सुरक्षा हेतु बोनी से पूर्व बीजोपचार आवश्यक है अतः थायरम या मेन्कोजेब की तीन ग्राम मात्रा अथवा कार्बेन्डाजिम या कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति किग्रा. की दर से उपचारित करें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के पश्चात् 5 ग्राम राइजोबियम व 5 ग्राम पीएमवी से बीज को निवेशित करें। राइजोबियम जीवाणु पौधों में जड़ ग्रंथियों की संख्या बढ़ाने में सहायक होते हैं जिससे भूमि में लगभग 20 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हे. वायुमंडल से स्थिर की जाती है तथा पीएसबी कल्चर जमीन में स्थिर स्फुर को घुलनशील अवस्था में लाकर पौधों को उपलब्ध करवाता है।

उन्नतशील प्रजातियां

बीज फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान है। अतः स्वस्थ, सुडौल, रोगरहित प्रजातियों का बीज बुवाई हेतु उपयोग लें।

शीर्ष शाखाएं तोड़ना

निंदाई करने के बाद जब चना के पौधे लगभग 20–25 से.मी. है। अथवा फूल अवस्था से पूर्व शाखायें अधिक निकलती हैं। जिससे उपज में वृद्धि होती है। असिंचित अवस्था में शीर्ष शाखायें नहीं तोड़ें।

सिंचाई

बुवाई से पूर्व खेत में भली–भांति यह तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45–60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई करें।

कटाई, गहाई व उपज

कटाई परिपक्व अवस्था में आने पर फलियां सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियां झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करें। फसल की कटाई कर 2–3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात गहाई उपज करें। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 15–20 क्विंटल किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। भण्डारण दानों को भली–भांति सुखाकर 8–10 प्रतिशत नमी पर भण्डारित करें।

किस्म	अवधि	उपज	विशेषतायें (क्वि./हे.)
जे.जी. 315	115–125	15–18	उकठा प्रतिरोधी, देर से बोने हेतु उपयुक्त
जवाहर चना 218	115	13–15	उकठा प्रतिरोधी
जे.जी. 130	110	18–20	उकठा प्रतिरोधी, इल्ली हेतु सहनशील
जे.जी. 412	92	18	देर से बोनी हेतु उपयुक्त
जे.जी. 16	112	18–20	उकठा निरोधी
जे.जी. 11	100	15	उकठा निरोधी, सिंचित व असिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त
जे.जी. 74	120–125	15–18	उकठा व भण्डारण कीट रोधी, देर से बोनी हेतु उपयुक्त
आई.सी.सी.व्ही.10 (विजय)	115–120	15–18	उकठा निरोधी, बड़ा दाना
भारती	110–120	13–15	उकठा निरोधी
जे.के.जी. 1	120–125	15–18	उकठा प्रतिरोधी, छोले वाली किस्म

जेल से घर लौटे अल्लू, मिलने पहुंचे विजय देवरकोंडा

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में हुई महिला की मौत मामले में शुक्रवार को अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया गया, उन्हें जमानत मिल गई है। एक दिन जेल में रहकर शनिवार सुबह वह घर पहुंचे। जेल से निकलकर अल्लू अर्जुन अपने घर आकर आ गए हैं। अब उनके घर पर मिलने वालों का तांता लग गया है। कुछ देर साउथ फिल्मों के फेमस एक्टर विजय देवरकोंडा भी अल्लू अर्जुन के घर पहुंचे हैं। विजय और अल्लू लंबे समय से जिगरी दोस्त हैं।

इमोशनल हो गए विजय देवरकोंडा

अल्लू अर्जुन को घर पर देखकर विजय का चेहरा खिल उठा। वह अपने दोस्त को देखकर इमोशनल हो गए। विजय ने अल्लू को देखते ही गले लगा लिया। दोनों बहुत देर तक गले मिलते रहे। ऐसा लग रहा था कि विजय देवरकोंडा को अल्लू अर्जुन के जेल जाने का बहुत दुख हुआ। अल्लू अर्जुन से मिलने के बाद विजय देवरकोंडा परिवार के बाकी सदस्यों से मिले, जिसमें अल्लू अर्जुन के पिता भी शामिल रहे। इसके बाद अल्लू अर्जुन और विजय देवरकोंडा साथ में बैठकर काफी देर तक बात करते रहे। अल्लू, विजय से कुछ कहते हुए नजर आए, ऐसा लग रहा था कि वह कल की पूरी घटना का जिक्र कर रहे हैं। विजय भी ध्यान से अल्लू अर्जुन की बातों को सुन रहे थे।

सच्चे दोस्त का फर्ज निभाया

अल्लू अर्जुन को शनिवार सुबह घर आए हुए कुछ ही देर हुई थी, इतने में ही विजय देवरकोंडा उनके घर पहुंच गए थे। इसस पता चलता है कि दोनों की दोस्ती कितनी गहरी है। अपने दोस्त अल्लू अर्जुन के मुश्किल समय में विजय उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं। विजय के अलावा अल्लू अर्जुन से मिलने के लिए प्रोड्यूसर दिल राजू, डायरेक्टर कोराटाला शिवा भी पहुंचे। एक्टर चिंरजीवी की पत्नी भी मिलने पहुंची विजय देवरकोंडा के बाद चिंरजीवी की पत्नी और अल्लू अर्जुन की बुआ सुरेखा भी उनसे मिलने घर पर पहुंची हैं। वह भी अल्लू अर्जुन के गले लगीं। बहुत देर तक प्यार से अल्लू अर्जुन से बात करती रहीं। साथ ही अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद से भी सुरेखा ने बातचीत की।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने प्रियंका चोपड़ा को किया सम्मानित

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 (आरएसआईएफएफ) का हिस्सा बनीं। कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेत्री ने कहा कि वह लोगों को एक साथ लाने की मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में विश्वास रखती हैं।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जोन रेड सी ऑनरी, वियोला डेविस में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म महोत्सव स्क्रीन पर और व्यापक फिल्म इंडस्ट्री के भीतर उनके सफल करियर और उपलब्धियों का जश्न मना रहा है। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहचाने जाने से मैं अभिभूत हूं, यह कहानी कहने का उत्सव है जो भाषा, सीमाओं और सांस्कृतिक विभाजनों से परे है।

अभिनेत्री ने की रेड सी टीम की सराहना

प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा, मैंने हमेशा लोगों को एक साथ लाने के लिए मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में में विश्वास किया है, और न केवल हॉलीवुड या बॉलीवुड के भीतर बल्कि दुनिया भर में बताई जा रही कहानियों की अविश्वसनीय प्रतिभा और विविधता को प्रदर्शित करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए मैं रेड सी टीम की सराहना करती हूं।

उन्होंने आगे उल्लेख किया, इंडस्ट्री में लगभग 25 वर्षों को प्रतिबिंबित करते हुए, मुझे याद आता है कि मैं कितनी भाग्यशाली रही हूं कि मैं ऐसी कहानी कहने और उसमें योगदान देने में सक्षम रही हूं जो दृष्टिकोण को चुनौती देती है, बदलाव को प्रेरित करती है और हम सभी को जोड़ती है। यह मान्यता इस बात की याद दिलाती है कि मुझे सबसे पहले फिल्में बनाने का शौक क्यों हुआ। इस विशेष सम्मान के लिए और वैश्विक सिनेमा की असाधारण कलात्मकता को उजागर करने के उनके प्रयासों के लिए रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल को मेरा आभार।

अपने दूसरे हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए तैयार धनुष

अभिनेता और फिल्म निर्माता धनुष कई परियोजनाओं में व्यस्त हैं, जिनमें तेलुगु फिल्म कुबेरा, उनकी तमिल निर्देशित परियोजनाएं नीलावु एनमेल एन्नाडी कोबाम और इडली कड़ाई, हिंदी फिल्म तेरे इश्क में और तमिल फिल्म इलैयाराजा बायोपिक शामिल हैं। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। अब धनुष के प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर है कि अभिनेता रूसो ब्रदर्स की द ग्रे मैन के साथ अपनी शुरुआत के बाद अपनी दूसरी हॉलीवुड फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार हैं।

धनुष की दूसरी हॉलीवुड फिल्म

धनुष के बारे में नई खबरें हैं कि उन्होंने अपनी दूसरी हॉलीवुड फीचर फिल्म साइन कर ली है। इस बार वह अभिनेता सिडनी स्वीनी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे, जो वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड और मैडम वेब जैसी फिल्मों में दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का नाम स्ट्रीट फाइटर है और इसे सोनी प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित किया जाएगा।

अल्लू अर्जुन के समर्थन में आए तेलुगु अभिनेता नानी

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद कई अभिनेता उनके समर्थन में उतर रहे हैं। अब तेलुगु अभिनेता नानी, अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आए हैं। अभिनेता ने गिरफ्तारी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी को इस घटना से सीख लेनी चाहिए और भविष्य में अधिक सावधान रहना चाहिए। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अभिनेता नानी ने एक पोस्ट करते हुए लिखा, काश, सिनेमा से जुड़े लोगों से जुड़ी किसी भी चीज में सरकारी अधिकारी और मीडिया जिस तरह का उत्साह दिखाते हैं, वैसा ही उत्साह आम नागरिकों के लिए भी होता। हम एक बेहतर समाज में रहते। अभिनेता ने आगे लिखा, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और यह दिल तोड़ने वाली थी। हम सभी को इस आपदा से सीख लेनी चाहिए और इसके बाद और अधिक सावधान रहना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने चाहिए कि यह फिर न हो। हम सभी इसके लिए जिम्मेदार हैं। इसके लिए एक व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है।

वरुण धवन ने भी लिया पक्ष

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन भी अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आए और कहा कि अभिनेता को हर चीज के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जयपुर में 'बेबी जॉन' के प्रचार में, वरुण ने कहा, सुरक्षा प्रोटोकॉल ऐसी चीज नहीं है जिसे कोई अभिनेता खुद पर ले सकता है। हम अपने आस-पास के लोगों को बता सकते हैं। अभिनेता ने संध्या थिएटर में हुए हादसे को दुखद भी बताया।

4 दिसंबर को 'पुष्पा 2- द रूल' की स्क्रीनिंग के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई भगदड़ में 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद अल्लू अर्जुन और उनकी टीम पर मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद अभिनेता अल्लू अर्जुन ने घटना पर शोक और दुख जताया था। उन्होंने कहा था, संध्या थिएटर में हुई दुखद घटना से मैं बहुत दुखी हूं। इस अकल्पनीय कठिन समय में मैं शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस दर्द में अकेले नहीं हैं और मैं व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलूंगा। अभिनेता ने आगे कहा, हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपके साथ हैं। मैं 25 लाख रुपये की राशि दान करना चाहता हूं। यह उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक सद्भावनापूर्ण कदम है।

टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी हरनाज संधू

साल 2021 में मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम करनी वाली हरनाज कौर संधू बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। उनके हाथ हिंदी फिल्म लगी है। हरनाज टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। शायद नाम आप समझ गए हों! जी हां, हरनाज को बागी 4 में साइन किया गया है। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी पुष्टि की है। फिल्म बागी 4 के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने हरनाज को साइन किया है। आज गुरुवार को नाडियाडवाला ग्रैंडसन के इंस्टाग्राम पेज से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें हरनाज की तस्वीर है। इसके साथ लिखा है, मिस यूनिवर्स से बागी यूनिवर्स तक! हम आपको नई प्रतिभा से मिला रहे हैं। बागी 4 में लेडी रिबेल। इस फिल्म का निर्देशन एच हर्षा कर रहे हैं। फिल्म बागी 4 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। आज की तारीख हरनाज के लिए यूं भी खास है। साल 2021 में हरनाज ने आज ही के दिन मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। 12 दिसंबर 2021 में वे मिस यूनिवर्स बनीं। और आज 12 दिसंबर 2024 को उनके बॉलीवुड डेब्यू की खबर सामने आई है।

कीर्ति सुरेश को सामंथा ने दी शादी की शुभकामनाएं

12 दिसंबर को साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने गोवा में एक निजी समारोह के दौरान एंथनी थाटिल के साथ शादी की। कीर्ति ने अपनी शादी की तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीर्ति की। शादी के बाद फिल्म जगत से उन्हें बधाईयां मिलने लगीं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनेत्री को शादी की शुभकामनाएं दी। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सामंथा ने दोनों की प्यारी सी पोस्ट साझा की सामंथा ने लिखा, इस तस्वीर ने मेरा दिल जीत लिया। दो बेहद खूबसूरत लोगों को बधाई, आप हमेशा खुशी और शांति से भरे रहें।

सीआईडी की वजह से सिंघम फ्रेंचाइजी की फिल्में मिलीं

सीआईडी का नया सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। इस बार फिर से दर्शकों को दया के रूप में दयानंद शेट्टी का पसंदीदा किरदार देखने को मिलेगा। अपने जन्मदिन के मौके पर दयानंद शेट्टी ने खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने न सिर्फ सीआईडी के नए सीजन के बारे में अपने विचार साझा किए, बल्कि अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव और दिलजले फिल्म को लेकर भी दिलचस्प खुलासा किया।

सीआईडी शो एक बार फिर से शुरू हो रहा है। इस नए सीजन में दर्शकों को क्या नया देखने को मिलेगा? कौन से खास बदलाव या नए ट्विस्ट होंगे?

सीआईडी शो 21 वर्षों तक अपने समय से आगे था। अब जब अपराध अधिक हाईटेक हो गए हैं, तो हमें भी अपनी जांच के तरीके में बदलाव लाना पड़ा है। शो का फ्लेवर वही रहेगा, लेकिन अब हम अपराधियों के नए तरीकों के हिसाब से जांच करेंगे।

90 के दशक में जब यह शो शुरू हुआ था, उस समय और आज के टीवी इंडस्ट्री में काम करने के तरीकों में आपने क्या प्रमुख बदलाव महसूस किए हैं?

बहुत बदलाव आया है। पहले लंबे शॉट्स होते थे, लेकिन अब तकनीकी विकास के साथ फिल्मांकन और कहानी कहने के तरीके में काफी बदलाव आया है। अब सब कुछ बहुत ज्यादा आधुनिक हो गया है, जिससे शूटिंग और एपिसोड्स की गति भी तेज हो गई है।

सीआईडी से पहले आप फिल्म दिलजले में नजर आए थे?

नहीं, यह जानकारी गलत है। मैंने कभी दिलजले में काम नहीं किया और न ही यह फिल्म देखी है। मैंने भी इंटरनेट पर इसके बारे में पढ़ा है। मेरी पहली फिल्म जॉनी गद्दार थी, जिसमें मैंने सीआईडी के दौरान काम किया था।

आपने सिंघम रिटर्न्स और सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ काम किया। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अजय देवगन के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। क्राफ्ट के प्रति समझ और समर्पण ने उन्हें बड़ा स्टार बनाया है। सिंघम फ्रेंचाइजी में काम मिलने का श्रेय सीआईडी को जाता है, क्योंकि मेरे किरदार की लोकप्रियता के कारण ही मुझे ये फिल्में मिलीं।

सिंघम अगेन में करीना कपूर का दया दरवाजा तोड़ डायलॉग बहुत लोकप्रिय हुआ। क्या आपको इस डायलॉग की वजह से फिल्म में कास्ट किया गया था?

दया दरवाजा तोड़ एक साधारण सी लाइन थी, लेकिन यह बहुत लोकप्रिय हो गई। फिल्म में यह लाइन रोहित शेट्टी की सोच का नतीजा थी। सिंघम रिटर्न्स में अजय देवगन ने यह लाइन बोली थी और सिंघम अगेन में करीना कपूर ने। रोहित शेट्टी का दृढ़ विश्वास था कि इस लाइन पर लोग तालियां बजाएंगे।

सीआईडी पर सोशल मीडिया पर अक्सर मीम्स बनते हैं। आप इस पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? क्या कोई खास मीम है जो आपको बहुत पसंद आया हो?

मीम्स तो बहुत से हैं। लोग सीआईडी के वीडियो पर डब करके मीम्स बनाते हैं और यह दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। मुझे अच्छा लगता है कि लोग इस शो को इतना पसंद करते हैं और इस शो के जरिए वे अपनी यादों को ताजा करते हैं। बहुत से लोग हमसे मिलते हैं और अपने शानदार बचपन के लिए हमें धन्यवाद देते हैं। लोगों को हंसी से भरे ये मीम्स अच्छे लगते हैं और हमें भी यह देखकर अच्छा लगता है कि लोगों में यह शो कितना ज्यादा लोकप्रिय है।

शिवाजी साटम और आदित्य श्रीवास्तव के साथ आपकी केमिस्ट्री कैसी है? क्या आप तीनों शूटिंग के बाद भी एक-दूसरे से मिलते रहते हैं?

हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। छह साल हमारा शो ऑफ एयर था, लेकिन हम लोग लगातार मिलते जुलते रहते थे। हमने सीआईडी के बाद सीआईएफ नाम का शो भी किया था। उसमें शिवा जी सर तो नहीं थे, लेकिन आदित्य सर, फ्रेडी सर और सीआईडी की टीम के बाकी लोग थे। इसके अलावा हमने साथ में काफी विज्ञापन भी किए। हम एक-दूसरे को परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं। शिवाजी सर को हम बड़े भाई की तरह मानते हैं और आदित्य सर भी मेरे बड़े भाई की तरह हैं। सेट पर हम सभी एक-दूसरे को बहुत इज्जत देते हैं।

सत्य, तथ्य और विचारों से संवाद तक....

राष्ट्रीय मुख्यधारा का परिशिष्ट

खोजसंवाद

16-31 दिसंबर, 2024; अंक-04

One Nation - One Election
देश हित में

साहित्य-खण्ड
देश के 10 प्रतिष्ठित रचनाकारों की रचनाएँ...

दिल्ली विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

भारत में साल 2024 का पुनरावलोकन

विजय दिवस

सत्य, तथ्य और विचारों से संवाद तक....

राष्ट्रीय मुख्यधारा का परिशिष्ट

खोजसंवाद

ADVERTISEMENT TARIFF

Back Cover	:	5000/-
Inner Covers	:	3000/-
Inner Pages	:	2000/-
Half Pg inner	:	1000/-

We book your ads on a tri-monthly, half-yearly, and annual basis, all at DISCOUNTED PRICES.

COMPLEMENTARY :
...your Ad will be on our news portal too for 15 days or as per your booking period!

Please use the Following Contact details :

8873319159

khojsamwad@gmail.com

Join us to reach at the Intellectual's world....

खोजसंवाद

अंक - 04 16-31 दिसंबर 2024

पृष्ठ- 28 (आवरण रहित)

Email : khojsamwad@gmail.com
Mobile : 8873319159

◦ प्रबंध संपादक ◦
राजेश मोहन सहाय

◦ मुख्य संपादक ◦
डॉ. प्रशान्त करण

◦ सह-संपादक ◦
पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश',
संतोष कुमार श्रीवास्तव

◦ आवरण ◦
अंजान जी

: संपादकीय कार्यालय:
मुख्यधारा कार्यालय, गोपीन्दु भवन,
श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो, झारखण्ड।

आवरण कथा

06 जब 13 दिन की जंग के बाद ही पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों ने किया था सरेंडर

09 One Nation - One Election देश हित में है

11 भारत में साल 2024 का पुनरावलोकन

22 पूस का माह खरमास का धार्मिक, ज्योतिषीय और सांस्कृतिक महत्व
– आचार्य संतोष

15 झारखंड 2024: एक वार्षिक पुनरावलोकन

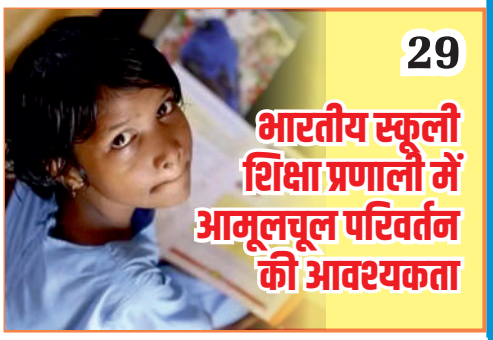

29 भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

07 चिंतन
महक पुराने चावल की
– डॉ. प्रशांत करण

आपकी रचनाएँ, आपके मुद्दे प्रकाशित करवाने के लिए हमसे सम्पर्क करें!

www.nyaayeprahri.in

COMING SOON!

Print Version being Lunched on

14th January 2025

(मकर संक्रांति)

हमारा कानून हमारी पुलिस

सहचर अख़बार : राष्ट्रीय मुख्यधारा

न्यायप्रहरी

न्याय की आवाज़, न्याय को आवाज़

भारतीय पुलिस बल की कार्यशैली, चुनौतियाँ, अनुभव और जनता के प्रति उनकी सेवाओं को समर्पित एक नई पहल के रूप में हमारी कोशिश है - न्यूज़ पोर्टल और अखबार 'न्यायप्रहरी' का प्रकाशन। यह मंच पुलिस से जुड़ी जमीनी हकीकत, उनकी उपलब्धियाँ, सुधार की संभावनाएँ और जनता के साथ उनके संबंधों पर प्रकाश डालेगा।

पाठकों को क्या मिलेगा?

'न्यायप्रहरी' का हर पृष्ठ पुलिस के कार्य, समस्याओं और समाधान को उजागर करेगा। इसमें पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत कहानियाँ, प्रेरक उदाहरण, समाज के लिए उनके योगदान और जनता की अपेक्षाएँ शामिल होंगी। साथ ही 'न्यायप्रहरी' भारतीय पुलिस को एक सकारात्मक और आत्ममंथन का अवसर प्रदान करेगा।

To participate as either side; plz contact us at nyaayeprahri@gmail.com

हम भारत के सभी पुलिसकर्मियों से समाजहित में उनके अनुभव साझा करने का आह्वान करते हैं।

विशेषाधिकार और समानता की कसौटी पर भारतीय समाज

भारतीय समाज एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहां विशेषाधिकार और समानता की अवधारणाओं के बीच संघर्ष चलता रहता है। इस संदर्भ में, मुस्लिम नेताओं की उग्र बयानबाजी और समाज के अन्य वर्गों की चुप्पी ने एक दीर्घकालिक विडंबना को जन्म दिया है। संभल की हालिया घटना और देशभर में उग्र भाषणों की परंपरा इस प्रवृत्ति को और उजागर करती है।

उग्र बयानबाजी: समाज में विभाजन की जड़

मुस्लिम नेताओं का कानून, संविधान और न्यायिक प्रक्रियाओं को चुनौती देना कोई नई बात नहीं है। अक्सर उग्र बयानबाजी और धमकियों के जरिए उन्होंने समाज में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास किया है। जियाउर्रहमान बर्क, असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं के तीखे बयान और हिंसक संदर्भ इस प्रवृत्ति के प्रतीक हैं।

उदाहरण के लिए, मस्जिद सर्वेक्षण जैसे संवेदनशील मामलों पर उनका अड़ियल रवैया न केवल समाज में ध्रुवीकरण को बढ़ावा देता है, बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं को बाधित भी करता है। इस प्रकार की बयानबाजी समाज में तनाव उत्पन्न करती है, जिसका समाधान कानून की दृढ़ता और निष्पक्षता से ही संभव है।

इतिहास से सीख: विशेषाधिकार मानसिकता का दुष्चक्र

भारतीय राजनीति में मुस्लिम नेताओं की विशेषाधिकारी मानसिकता कोई नई बात नहीं है। इतिहास के पन्नों को पलटें, तो जिन्ना से लेकर मौलाना अली बंधुओं तक, इस मानसिकता ने समाज को कई बार हिंसा और विभाजन की ओर धकेला है। डॉ. आंबेडकर ने इस प्रवृत्ति का उल्लेख करते हुए लिखा था कि यह मानसिकता भारतीय संविधान और समाज के आदर्शों के खिलाफ है।

उनका यह विश्लेषण आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि समानता की अवधारणा के प्रति समर्पण के बिना यह समस्या खत्म नहीं हो सकती। इस विशेषाधिकार की धारणा ने न केवल गैर-मुस्लिम समुदायों को प्रभावित किया है, बल्कि मुस्लिम समाज के भीतर भी प्रगतिशील नेतृत्व को कमजोर किया है।

चुप्पी की समस्या: नेतृत्व का अभाव

हिंदू और अन्य समुदायों के नेताओं की चुप्पी ने इस विशेषाधिकार मानसिकता को और बढ़ावा दिया है। जब समाज के नेतृत्व को बिना किसी भय या पक्षपात के सच्चाई को उजागर करने का साहस नहीं होता, तो उग्र मानसिकता को बढ़ावा मिलता है।

गांधीजी की सहनशीलता को उनकी कमजोरी समझा गया और स्वामी दयानंद, श्रद्धानंद, श्रीअरविंद या आंबेडकर जैसे नेताओं की साहसी प्रतिक्रिया ने इस मानसिकता को चुनौती दी। आज के दौर में भी इस प्रकार के नेतृत्व की जरूरत है, जो समान अधिकार और न्याय के पक्ष में खड़ा हो।

आधुनिक संदर्भ में समाधान

यह समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से इसका समाधान खोजने की आवश्यकता है। समाज को इस मानसिकता से मुक्त करने के लिए जरूरी है कि हर धर्म और समुदाय को समान स्तर पर देखा जाए।

जब तक कानून बिना किसी भेदभाव के हर उग्र बयान और हिंसा को रोकने में सक्षम नहीं होगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। इसके लिए यह आवश्यक है कि हर धर्म के नेताओं को समान रूप से जिम्मेदार ठहराया जाए और उग्र बयानबाजी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

समानता और सहअस्तित्व की ओर कदम

विशेषाधिकार की अवधारणा से समाज को मुक्त करने के लिए समानता की धारणा को मजबूत करना अनिवार्य है। किसी भी धर्म, समुदाय या नेता को इस आधार पर विशेषाधिकार नहीं मिलना चाहिए कि वे बहुसंख्यक हैं या अल्पसंख्यक।

समानता की यह भावना न केवल भारतीय संविधान का आधार है, बल्कि यह सामाजिक न्याय और शांति का भी मूलमंत्र है। इसलिए, भारतीय समाज को उग्रता और चुप्पी के इस चक्र से बाहर निकालने के लिए एक सशक्त, निष्पक्ष और दृढ़ नेतृत्व की आवश्यकता है।

यह केवल कानून का पालन करने की बात नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज की रचना का प्रयास है, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो। जब तक यह लक्ष्य प्राप्त नहीं होगा, तब तक समाज उग्र मानसिकता और विभाजन की राजनीति का शिकार बना रहेगा।

जब 13 दिन की जंग के बाद ही पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों ने किया था सरेंडर

16 दिसंबर ही के दिन 1971 के युद्ध में पाकिस्तान (Pakistan) ने भारत (India) के सामने आत्मसमर्पण किया था. 1971 की जंग में पाकिस्तान को भारत ने करारी शिकस्त दी थी. पाकिस्तान के करीब 93 हजार से ज्यादा सैनिकों ने भारतीय सेना (Indian Army) के सामने आत्मसमर्पण किया था. इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों का आत्मसमर्पण कभी नहीं हुआ था. 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान पर भारत की जीत के चलते ही हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाया जाता है.

1971 के युद्ध के बाद ही बांग्लादेश का एक नए देश के तौर पर उदय हुआ था. भारत ने पूर्वी पाकिस्तान को पाकिस्तान से आजाद करवाया था. जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान का नाम बांग्लादेश पड़ा. ये एतिहासिक युद्ध था. बांग्लादेश के लोग इसे मुक्तिसंग्राम कहते हैं. उन्होंने पाकिस्तान से आजादी के लिए मुक्ति संग्राम का आव्हान किया था. जिसे भारत ने समर्थन दिया था. पूर्वी पाकिस्तान को आजाद करवाने के लिए 25 मार्च 1971 से मुक्ति संग्राम शुरू हुआ. ये 16 दिसंबर तक चला.

जब पूर्वी पाकिस्तान में शुरू हुई बगावत

1971 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान का ही एक प्रांत था. उस वक्त उसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था. जबकि आज के पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान कहते थे. पाकिस्तान की सेना पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषी लोगों पर अत्याचार करती थी. अपने दमन के विरोध में पूर्वी पाकिस्तान की जनता सड़कों पर उतर आई थी. पाकिस्तान की सेना ने पूर्वी पाकिस्तान की बगावत को निर्दयतापूर्वक कुचला. पाकिस्तान की सेना ने लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया. महिलाओं को इज्जत लूटी गई. भारत ने पड़ोसी होने के नेता पश्चिमी पाकिस्तान की इस बर्बर कार्रवाई का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान में क्रांतिकारियों की मदद की थी. इसी के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी जंग शुरू हो गई. भारतीय सैनिकों ने युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया. पूर्वी पाकिस्तान आजाद हुआ और दक्षिण एशिया में बांग्लादेश के नाम से एक नए देश का जन्म हुआ.

पूर्वी पाकिस्तान पर हुए अत्याचार ने रखी नए देश की बुनियाद

1947 में आजादी के साथ ही भारत से बंटवारे के बाद पाकिस्तान का जन्म हुआ था. पाकिस्तान के दो भाग थे- पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान. पाकिस्तान के दोनों हिस्सों में कोई साम्य नहीं था. दोनों के बीच राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भिन्नताएं थीं. पश्चिमी पाकिस्तान राजनीतिक तौर पर ज्यादा शक्तिशाली था, जबकि पूर्वी पाकिस्तान संसाधनों के लिहाज से ताकतवर था.

पूर्वी पाकिस्तान के लोग आरोप लगाते थे कि पश्चिमी पाकिस्तान उनके संसाधनों का दोहन करता, जबकि उन संसाधनों पर पहला हक उनका था. पाकिस्तान की सत्ता में पश्चिमी पाकिस्तान की ज्यादा भागीदारी की वजह से पूर्वी पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया था. इन्हीं सब वजहों ने पूर्वी पाकिस्तान में बगावत को जन्म दिया.

पूर्वी पाकिस्तान के नेता शेख मुजीब-उर-रहमान ने अवामी लीग की स्थापना की और पाकिस्तान के अंदर पूर्वी पाकिस्तान की स्वायत्तता का मांग करने लगे. 1970 में हुए चुनाव में पूर्वी पाकिस्तान में मुजीब-उर-रहमान की पार्टी ने जीत हासिल की. उनकी पार्टी ने संसद में बहुमत भी हासिल किया लेकिन प्रधानमंत्री बनाने की बजाए उन्हें जेल में डाल दिया गया. इसी ने पाकिस्तान के विभाजन की बुनियाद रख दी.

भारत ने मुक्ति संग्राम को दिया समर्थन

1971 में जनरल याह्या खान पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे. उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान में फैली बगावत को रोकने के लिए जनरल टिक्का खान को जिम्मेदारी दी थी. लेकिन सैन्य दमन से हालात और खराब होते चले गए. 25 मार्च 1971 को पाकिस्तान की सेना और पुलिस ने वहां जबरदस्त नरसंहार किया. इसके विरोध में पूर्वी पाकिस्तान के सैनिकों ने अलग मुक्ति वाहिनी बना ली.

मुक्ति वाहिनी के सैनिकों ने पश्चिमी पाकिस्तान के सैनिकों के खिलाफ जंग छेड़ दी. पूर्वी पाकिस्तान की बदतर होती हालत की वजह से वहां से लाखों की संख्या में लोग पलायन कर भारत पहुंचने लगे. भारतीय सीमा के पास पूर्वी पाकिस्तान के लाखों बांग्लाभाषी शरणार्थी खड़े हो गए. हालात को बिगड़ते देखकर तत्कालानी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्तिवाहिनी को समर्थन देने का फैसला किया.

महक पुराने चावल की

डॉ. प्रशान्त करण
साहित्यकार
(पूर्व आईपीएस), राँची , झारखण्ड।

पुराना चावल महकता है, सुगंध देता है, जल्दी पचता है, स्वास्थ्य के लिये बड़ा लाभकारी होता है। पर मिलता कम है। आजकल उत्पादन की होड़ में, समय न होने की अवस्था में, अधीरता में नए चावल खूब चलते हैं। नया चावल पकने के साथ ही शीघ्र ही गीला हो जाता है। नया चावल के पकने पर उसके दाने-दाने अलग-अलग मिलते हैं। चावल जितना पुराना, उतना बढ़िया। चावल पुराना करना कठिन और खर्चीला काम है। एक क्विंटल में कठिनाई से चालीस किलो चावल ही तीन वर्षों तक खाने लायक बचता है। इसलिए इसकी महत्ता है। यह राजशाही, जमींदारी, शौकीन होने और धनाढ्यता का प्रतीक है। किसी के घर पुराना चावल बनना उसकी समृद्धि की पहली पहचान है। पुराना चावल और महीनों तक सेंका हुआ मगही पान का पत्ता दोनों प्रसिद्ध हैं।

एक इलाके में प्रसिद्ध जमींदार साहब थे। वे खास तरह के धान चार गुनी कीमत देकर बटाईदारों से अपने खेत में लगवाते। शर्त यह रहती कि उस धान के चावल का एक दाना भी कोई अन्य उपयोग नहीं कर सकता था, नहीं तो वह दंडित किया जाता। जमींदार साहब ने चावल को पुराना करने के लिए मिट्टी के विशालकाय हांडी बनवा रखी थी। दिन भर मजदूर उससे चावल निकालते, धूप-हवा लगाते और फिर सुरक्षित रख देते। यह सब काम पहरे में होता। उनके यहां जब पुराना चावल बनता, तो पूरे गांव उसकी सुगंध से तृप्त हो जाता। वर्ष में एक दिन वे पूरे गांव को अपनी डेवढ़ी पर भोज देते और पुराना चावल खिलाते। कोई जूठन छोड़ने की हिम्मत नहीं करता। पुराना चावल भारी होता है, कम खाया जाता। जो दबाकर खा लेते, उनको महीनों दस्त होता। पुराना चावल हर कोई पचा भी तो नहीं सकता। पूरा इलाका जमींदार साहब के पीठ पीछे उन्हें पुराना चावल कहकर बुलाता।

शहर में एक नए-नए बहाल हुए ओवरसियर साहब आए। शहर से दूर एक झोपड़ी में किराए में रहते। धीरे-धीरे वे इंजीनियर हो गए। अब वहीं पास में बहुत कम जमीन खरीदकर वे अपनी झोपड़ी में रहने लगे। शहर उधर ही विकसित होने लगा। इस परियोजना को वे ही देख रहे थे। उन्होंने अपने आस-पास की बीस एकड़ जमीन औने-पौने दाम में खरीद लिया। पांच वर्षों में उसे घेरकर कॉलोनी बनने लगी। अब उस कॉलोनी का नाम उनके नाम पर हो गया। सबसे बड़ा आलीशान चार मंजिला बंगला उनका बना। नौकरों के आवास पीछे बने। उनकी बीसों महंगी गाड़ियां वहां लगतीं। दर्जनों कुत्ते पाले गए। पांच वर्षों में कॉलोनी पूरी बस गई। पंद्रह वर्षों की नौकरी में ही वे सारे टेंडर सेट करते। पत्नी, सालों और भतीजों के नाम ठेकेदारी फर्म चलती। उनकी प्रशंसा में लोग हाथ जोड़कर खड़े रहते। सरकार कोई भी हो, उनकी कीर्ति पताका फहराती रही। व्यक्तित्व की सुगंध दूर-दूर तक फैलती रही। लोग उन्हें पुराना चावल कहते हैं।

अभी रामलाल जी ने बताया कि पुराना चावल गोंद का भी काम करता है। वे बचपन में फटी पतंग पुराने चावल को मसलकर साटा करते थे। पुराना चावल पारिवारिक चिट्ठियों, प्रेम पत्रों के लिफाफे चिपकाने में उनके काम आता था। अब इसकी उपयोगिता का स्थान कृत्रिम गोंद ने ले लिया है।

मुझे भी किसी पुराने चावल के भंडार की खोज है। पर अपनी किस्मत है कि नए चावल पर अभी तक अटका हूं। पुराने चावल का आनंद लिया ही नहीं। शायद कोई पुराना चावल ही मेरी किस्मत पलट दे। आप ऐसे मददगार को जानते हैं क्या? ०

मुक्तध्वनि

खबर बेचते, ईमानदारी छुपाते 'लिफाफाखोर पत्रकार'

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। यह वह पवित्र भूमि है, जहां सच्चाई की मशाल लेकर जनता की आवाज़ बुलंद की जाती है। परंतु, आधुनिक दौर में इस मशाल की लौ कमजोर होती दिखाई दे रही है, और उसके बदले एक चमचमाता लिफाफा उसकी जगह ले रहा है। यह लिफाफा साधारण नहीं, बल्कि कुछ वजनदार होता है—कभी नकद से भरा हुआ, तो कभी सरकारी विज्ञापनों के वादों से लदा हुआ।

राष्ट्रवादिता मानो इन पत्रकारों के अंदर कभी थी ही नहीं। ये पत्रकारिता में 'कमाई' के लिए आये हुए हैं। ये सच है कि किसी भी संस्थान को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 'धन बल' की भी आवश्यकता होती है। और मीडिया संस्थान चलने के लिए 'विज्ञापन' छोड़ कर अन्य कोई दूसरा वैधानिक आयस्रोत होता भी नहीं। अब चाहे वह विज्ञापन सरकारी हो या अन्य सांस्थानिक। हालांकि इससे दीगर एक आयस्रोत उन समाजसेवी धनिकों के यहाँ से भी निकलता है जो राष्टहित या समाजहित में मीडिया संस्थानों को गाहे-ब-गाहे आर्थिक सहायता प्रदान कर दिया करते हैं। किन्तु ऐसे धनिक अब बचे ही कितने हैं! आजकल ज्यादातर धनिक ऐसे उक्त 'दान' को 'इन्वेस्टमेंट' की तरह ही करते पाए जाते हैं। स्वार्थी पत्रकारों की ईमानदारी और निष्पक्षता को खरीदने के लिए।

लिफाफाखोर पत्रकारिता का जन्म तब हुआ, जब ईमानदारी और निष्पक्षता को नोटों के गद्दे के नीचे दबा दिया गया। यह पत्रकार अपने कलम को स्याही नहीं, बल्कि चेकबुक की रोशनाई से चलाते हैं। खबरों का चयन उनकी महत्ता से नहीं, बल्कि उनके साथ आए लिफाफे की मोटाई से होता है।आजकल पत्रकारिता में पेड न्यूज़ की चर्चा आम हो गई है। जहां एक पत्रकार के लिए खबर का मतलब जनहित होता था, वहीं अब खबर का मतलब "कौन कितने में खरीद सकता है" हो गया है। एक राजनेता के मंच पर किसी पत्रकार को फूलों की माला पहने देखिए और समझ जाइए कि अब जनता की खबरें नहीं, बल्कि नेताओं के विज्ञापन बिकेंगे।

लिफाफों की भी कई किस्में होती हैं। कुछ लिफाफे सीधे नकदी से भरे होते हैं, तो कुछ में तोहफों की व्यवस्था रहती है। एक बड़े मीडिया हाउस के वरिष्ठ संपादक महोदय को हाल ही में एक नई गाड़ी की चाबी मिली, क्योंकि उन्होंने एक बड़े उद्योगपति के भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने से परहेज़ किया। वहीं, कुछ पत्रकारों के लिए सरकारी ठेकों का आश्वासन ही सबसे बड़ा लिफाफा है।

लिफाफाखोर पत्रकार सबसे बड़ा स्वांग रचते हैं—ईमानदारी का। वे अपनी चमकती हुई

चमड़ी को नैतिकता का आवरण देकर पेश करते हैं। उनकी हर बात में "सच्चाई" और "जनता का हित" घुला हुआ दिखता है, लेकिन उनकी कलम वहीं रुकती है, जहां उनके स्पॉन्सर की सीमा तय होती है।

आम जनता कभी-कभी सवाल उठाती है: "भाई, यह पत्रकार हमारी समस्या क्यों नहीं दिखा रहे? यह खबर क्यों गायब है?" असल में, समस्या यह है कि आपका मुद्दा लिफाफे में फिट नहीं बैठता। अगर आपके मुद्दे से जुड़े व्यक्ति या संस्थान ने पर्याप्त लिफाफा नहीं भरा, तो आपकी आवाज़ दब जाएगी। शायद इसीलिए अब इनके सम्बोधन में 'पत्रकार जी' या 'पत्रकार महोदय' काम सुनने को मिलता है।

बदलते युग में पत्रकारिता जगत में भी बदलाव आएगा , सच है। किन्तु उस पत्रकारिता की विश्वसनीयता की सीमा भी बदलते युग के इन्ही पत्रकारों को तय करनी है; करनी होगी। चोर और भिखारी भी काफी धन कमा लेते हैं , किन्तु कितने 'सम्मान' के साथ ? !....

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'
पत्रकार-साहित्यकार-कलाकार
बोकारो, झारखण्ड।

One Nation - One Election देश हित में है

भारत में चुनावी प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती और नागरिकों के अधिकारों का प्रतीक है। यह प्रक्रिया हर पांच साल में होने वाले लोकसभा चुनाव, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव, और अन्य स्थानीय निकाय चुनावों के रूप में सामने आती है। हालांकि, यह प्रणाली समय-समय पर बर्बरता और खर्चों की बढ़ोतरी का कारण बनती है, और चुनावों के असमान समय पर होने से सरकार की कार्यप्रणाली में भी अनावश्यक रुकावटें आती हैं। इस समस्या का समाधान "One Nation - One Election" (एक देश, एक चुनाव) के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी और देश हित में बनाना है।

"One Nation - One Election" की अवधारणा

"One Nation - One Election" का मतलब है कि देश में सभी चुनाव एक साथ किए जाएं। वर्तमान में, भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के अलग-अलग समय होते हैं, जो कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हिसाब से भिन्न होते हैं। यह स्थिति न केवल सरकार के लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी परेशानी का कारण बनती है।

इस अवधारणा के अंतर्गत, सभी चुनावों को एक साथ आयोजित किया जाएगा, जिससे चुनावी प्रक्रिया अधिक सुगम और लागत-प्रभावी हो सकेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि चुनावों का समय निर्धारित होने से सरकार की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहेगी और विकास कार्यों में कोई रुकावट नहीं आएगी।

आर्थिक दृष्टिकोण से लाभ

एक देश, एक चुनाव की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। वर्तमान में हर चुनाव के लिए भारी खर्च होता है, जिसमें चुनाव प्रचार, सुरक्षा इंतजाम, मतदान के लिए सामग्री, प्रशासनिक खर्च आदि शामिल हैं। अगर ये चुनाव एक साथ किए जाएं तो इन खर्चों में काफी कमी आएगी।

भारत जैसे विशाल देश में चुनावी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए भारी मात्रा में संसाधनों की आवश्यकता होती है। यदि सभी चुनाव एक साथ होंगे, तो इन संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा और सरकारी खजाने पर कम बोझ पड़ेगा। इसके अलावा, चुनावों के दौरान सरकारी कर्मचारी और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती होती है, जिससे अन्य प्रशासनिक कार्यों में रुकावट आती है। एक साथ चुनाव होने से इन संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

प्रशासनिक सुधार

एक देश, एक चुनाव का विचार भारतीय प्रशासनिक प्रणाली में भी सुधार ला सकता है। वर्तमान में चुनावों के विभिन्न चरणों के कारण चुनाव आयोग, राज्य सरकारें, और केंद्रीय सरकार को बार-बार चुनावी कार्यों में व्यस्त रहना पड़ता है। यह स्थिति प्रशासनिक कामकाजी प्रक्रिया में रुकावट उत्पन्न करती है और विकास कार्यों में देरी का कारण बनती है।

अगर सभी चुनाव एक साथ होते हैं, तो प्रशासन को बार-बार चुनावों की तैयारियों में व्यस्त होने की आवश्यकता नहीं होगी, और सरकार का ध्यान विकास कार्यों पर केंद्रित रहेगा। इससे न केवल शासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि सरकार की योजनाओं को लागू करने में भी तेजी आएगी।

राजनीतिक स्थिरता

"One Nation - One Election" का प्रस्ताव राजनीतिक स्थिरता को भी बढ़ावा दे सकता है। वर्तमान में, विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होने के कारण राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। यह अस्थिरता सरकार की कार्यप्रणाली को प्रभावित करती है और विकास की प्रक्रिया में भी रुकावट डालती है।

यदि चुनाव एक साथ होते हैं, तो राजनीतिक दलों को चुनावी मुद्दों पर एक ही समय पर ध्यान केंद्रित करना पड़ेगा, जिससे राजनीति में अस्थिरता कम होगी। साथ ही, सरकार को भी अपनी योजनाओं को लागू करने के लिए एक निश्चित समय सीमा मिल जाएगी, जिससे नीतिगत स्थिरता बनी रहेगी।

संविधानिक और कानूनी चुनौतियाँ

"One Nation - One Election" की अवधारणा को लागू करने में कुछ संवैधानिक और कानूनी चुनौतियाँ भी आ सकती हैं। वर्तमान में, भारतीय संविधान में राज्यों के चुनावों का अलग-अलग समय निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, राज्यों के विधानसभा चुनावों के समय को भी स्वतंत्र रूप से तय किया गया है।

इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए संविधान में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है, जिससे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनावों को एक साथ लाना संभव हो सके। इसके लिए राज्यों से सहमति और चुनावी प्रणाली के पुनर्गठन की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही, राजनीतिक दलों और उनके हितों को भी ध्यान में रखना होगा, ताकि किसी भी दल को अनावश्यक रूप से नुकसान न हो।

चुनौतीपूर्ण सवाल

वहीं, इस प्रस्ताव को लेकर कुछ आलोचनाएँ भी सामने आई हैं। कुछ का कहना है कि इससे राज्यों की स्वायत्तता पर असर पड़ सकता है, क्योंकि राज्य अपने चुनावों का समय निर्धारित करते हैं। इसके अलावा, देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न प्रकार की राजनीतिक स्थिति और सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियाँ होती हैं, जो एक साथ चुनाव कराने में चुनौती उत्पन्न कर सकती हैं।

इसके अलावा, चुनावों के समय में बदलाव से राजनीतिक दलों को अपनी रणनीतियों में भी बदलाव करना पड़ेगा, और यह स्थिति कुछ दलों के लिए अनुकूल नहीं हो सकती है।

"One Nation - One Election" की अवधारणा निश्चित रूप से देश के लिए लाभकारी साबित हो सकती है, बशर्ते इसे सही तरीके से लागू किया जाए। इससे चुनावी खर्चों में कमी आएगी, प्रशासनिक कार्यों में सुधार होगा और राजनीतिक स्थिरता बनी रहेगी। हालांकि, इसके लिए संविधानिक और कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, और सभी राजनीतिक दलों को इसके पक्ष में लाने के लिए एक व्यापक सहमति की आवश्यकता है।

इस प्रस्ताव को लागू करने से भारत की चुनावी प्रक्रिया में नई दिशा मिल सकती है, जो न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करेगी, बल्कि भारत को एक मजबूत और व्यवस्थित लोकतंत्र के रूप में उभारने में भी सहायक सिद्ध होगी।

भारत में साल 2024 का पुनरावलोकन

साल 2024 भारत के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियों और चुनौतियों का साल रहा। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से यह वर्ष ऐतिहासिक रूप से महत्त्वपूर्ण रहा। इस रिपोर्ट में, हम भारत में 2024 की प्रमुख घटनाओं और विकासों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे।

1. राजनीतिक घटनाएँ

2024 में भारत की राजनीति का केंद्र बिंदु आम चुनाव रहे। लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता बरकरार रखी, जबकि विपक्षी दलों ने अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए विभिन्न गठबंधन किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार शपथ ली, और उनकी सरकार ने नई नीतियों और सुधारों की घोषणा की। चुनावों में महिला और युवा मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी देखने को मिली। इसके अलावा, राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी कई बड़े उलटफेर देखने को मिले, जिससे क्षेत्रीय राजनीति पर बड़ा प्रभाव पड़ा।

भारत 2024: सभी विधानसभा चुनावों का विश्लेषण

2024 का वर्ष भारत के राजनीतिक परिदृश्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। कई राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों ने न केवल स्थानीय राजनीति को प्रभावित किया, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डाला। इस विश्लेषण में सभी प्रमुख राज्यों के विधानसभा चुनावों की समीक्षा की गई है।

लोकसभा चुनाव और राज्यों पर प्रभाव :

2024 में हुए लोकसभा चुनावों का राज्यों के विधानसभा चुनावों पर गहरा प्रभाव पड़ा। राष्ट्रीय दलों, जैसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, ने अपने प्रदर्शन के आधार पर राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया।

लोकसभा चुनावों में भाजपा की बढ़त ने कई राज्यों में पार्टी को आत्मविश्वास दिया, जबकि विपक्षी दलों ने स्थानीय मुद्दों को उभारकर मुकाबला करने की रणनीति अपनाई।

झारखंड विधानसभा चुनाव : झारखंड में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति उत्पन्न हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस गठबंधन ने सत्ता बचाने की कोशिश की, जबकि भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत की। आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में झामुमो-कांग्रेस का प्रभाव बरकरार रहा, लेकिन शहरी क्षेत्रों में भाजपा ने बढ़त बनाई।

मध्य प्रदेश : मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा ने ग्रामीण विकास और किसान कल्याण के वादों के साथ प्रचार किया। दूसरी ओर, कांग्रेस ने बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया।

राजस्थान : राजस्थान में कांग्रेस ने अपना प्रभाव बनाए रखा। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सुलह ने पार्टी की संभावनाओं को बढ़ाया। भाजपा ने राज्य में सत्ता वापस पाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए, पर गहलोत सरकार की कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी साबित हुईं।

छत्तीसगढ़ : छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखी। भूपेश बघेल के नेतृत्व में ग्रामीण विकास और जनजातीय क्षेत्रों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई। भाजपा ने कोशिश की, लेकिन वह कांग्रेस के सामने कोई बड़ी चुनौती पेश नहीं कर सकी।

तेलंगाना : तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (BRS) ने के. चंद्रशेखर राव (KCR) के नेतृत्व में अपनी पकड़ बनाए रखी। कांग्रेस और भाजपा ने चुनौती पेश की, लेकिन क्षेत्रीय मुद्दों और KCR की लोकप्रियता के कारण BRS सत्ता में लौटी।

मिजोरम : मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) ने सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखी। कांग्रेस ने विपक्ष के रूप में कुछ क्षेत्रों में प्रदर्शन किया, लेकिन MNF की नीतियां और नेतृत्व ने जनता का विश्वास बनाए रखा।

हरियाणा : हरियाणा में भाजपा और जननायक जनता पार्टी (JJP) गठबंधन ने कठिन मुकाबले के बावजूद सत्ता बनाए रखी। किसानों के विरोध प्रदर्शनों और महंगाई के मुद्दों के बावजूद भाजपा ने अपनी स्थिति संभाली।

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में शिवसेना (शिंदे गुट)-भाजपा गठबंधन और महा विकास आघाड़ी (MVA) के बीच संघर्ष देखने को मिला। विधानसभा उपचुनाव और स्थानीय मुद्दों ने राजनीतिक माहौल को गर्म रखा।

कर्नाटक : कर्नाटक में कांग्रेस ने अपनी स्थिति मजबूत की। सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं के मुद्दों पर जनता ने कांग्रेस को समर्थन दिया।

उत्तर-पूर्वी राज्यों में प्रभाव : त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय जैसे राज्यों में भाजपा ने अपनी उपस्थिति को मजबूत किया। क्षेत्रीय दलों के साथ गठजोड़ ने भाजपा को लाभ पहुंचाया। इन राज्यों में सांस्कृतिक और क्षेत्रीय मुद्दों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने भाजपा को कड़ी चुनौती दी। ममता बनर्जी ने स्थानीय मुद्दों और केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। भाजपा ने आक्रामक प्रचार किया, लेकिन TMC का प्रभाव बरकरार रहा।

2. आर्थिक उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ

साल 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7% की दर से विकास किया। इस वर्ष जी-20 सम्मेलन की मेज़बानी ने भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया। हालांकि, मुद्रास्फीति और बेरोज़गारी जैसे मुद्दे चुनौती बने रहे। डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप्स ने नई ऊंचाइयाँ छुईं, और भारत

ने अपनी डिजिटल भुगतान प्रणाली को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाई।

कृषि क्षेत्र में भी कई नई योजनाओं की शुरुआत हुई, जैसे कि स्मार्ट खेती और जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहल। वहीं, शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और मेट्रो नेटवर्क के विस्तार पर जोर दिया गया।

3. वैश्विक मंच पर भारत

भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्थिति मजबूत की। जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन ने भारत की कूटनीति और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित किया। ग्लोबल इंडिया एआई शिखर सम्मेलन भारत मंडपम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 12 साइड सेशन आयोजित किए गए, जिनमें 2,000 वैश्विक एआई विशेषज्ञ, नीति निर्माता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व्यवसायी, उद्योग/स्टार्टअप और शिक्षाविद शामिल हुए। 10,000 से अधिक एआई उत्साही वर्चुअल रूप से इस सत्र में शामिल हुए। कुछ अतिरिक्त सत्र बंद कमरे में आयोजित किए गए, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक भागीदारी (जीपीएआई) के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल हुए। साइड सेशन सार्वजनिक रूप से आयोजित किए गए और व्यापक भागीदारी के लिए लाइव स्ट्रीम किए गए।

इसके अलावा, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) जैसे मंचों पर भी भारत ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, और कई देशों के साथ रक्षा और तकनीकी साझेदारी को भी मजबूती मिली।

4. विज्ञान और प्रौद्योगिकी

2024 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कीं। चंद्रयान-3 की सफलता और गगनयान मिशन की प्रगति ने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी देशों में शामिल किया। साथ ही, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 5जी तकनीक के क्षेत्र में भी भारत ने महत्त्वपूर्ण प्रगति की।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई। सोलर और विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स के माध्यम से देश को हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए। इसके अतिरिक्त, भारत ने स्वास्थ्य तकनीक में भी प्रगति की, जैसे कि टेलीमेडिसिन और जनस्वास्थ्य निगरानी प्रणालियों का विस्तार।

5.सामाजिक व सांस्कृतिक घटनाएँ

इस वर्ष महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कई पहल की गईं। महिला आरक्षण विधेयक पारित होना एक ऐतिहासिक कदम रहा। 2024 में भारत ने अपने सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ-साथ उसे वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए कई महोत्सवों और कार्यक्रमों का आयोजन किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत शिक्षा प्रणाली में कई सुधार किए गए, जिसमें छात्रों के कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों का विस्तार हुआ, जिससे सामाजिक समावेशन में मदद मिली।

6. खेल और मनोरंजन

2024 में भारतीय खिलाड़ियों ने ओलंपिक और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। क्रिकेट विश्व कप में भारत की जीत ने पूरे देश में उत्साह का माहौल पैदा किया।

फुटबॉल और बैडमिंटन जैसे खेलों में भी भारत ने कई नए कीर्तिमान स्थापित किए। बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने मनोरंजन की दुनिया में नए आयाम स्थापित किए। इस वर्ष भारतीय सिनेमा ने अपनी फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित कर कई पुरस्कार जीते।

7. प्राकृतिक आपदाएँ और पर्यावरण

2024 में प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़ और चक्रवात का सामना करना पड़ा, लेकिन सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने राहत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा दिया गया।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए भारत ने "मिशन लाइफ" (Lifestyle for Environment) जैसी पहल शुरू की। स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान दिया गया।

8. शिक्षा व कौशल विकास

शिक्षा क्षेत्र में 2024 में कई परिवर्तन हुए। डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्म्स और ई-लर्निंग को बढ़ावा दिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जिनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) पर जोर दिया गया। व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों ने छात्रों को नई पीढ़ी की नौकरियों के लिए तैयार किया।

9.स्वास्थ्य और जनकल्याण

2024 में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बड़े सुधार हुए। आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं। टीकाकरण कार्यक्रमों का विस्तार हुआ, और महामारी के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत किया गया। मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए कई अभियान चलाए गए।

10. ग्रामीण विकास व कृषि

ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। सड़कों, बिजली और जल आपूर्ति परियोजनाओं में तेजी आई। कृषि में तकनीकी नवाचारों और किसान उत्पादन संगठनों (FPOs) को बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, कृषि उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि देखी गई।

निष्कर्ष

साल 2024 भारत के लिए उपलब्धियों और चुनौतियों का मिला-जुला साल रहा। यह वर्ष आर्थिक प्रगति, सामाजिक सुधार, और वैश्विक पहचान बनाने के लिए याद किया जाएगा। भारत ने इस साल अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया और आने वाले वर्षों में और अधिक प्रगति की नींव रखी।

इसके साथ ही, शिक्षा, स्वास्थ्य, और पर्यावरण के क्षेत्रों में सुधारों ने भारत को 21वीं सदी के वैश्विक नेतृत्व के लिए तैयार किया। भारत का भविष्य उज्ज्वल है और यह वर्ष इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ।

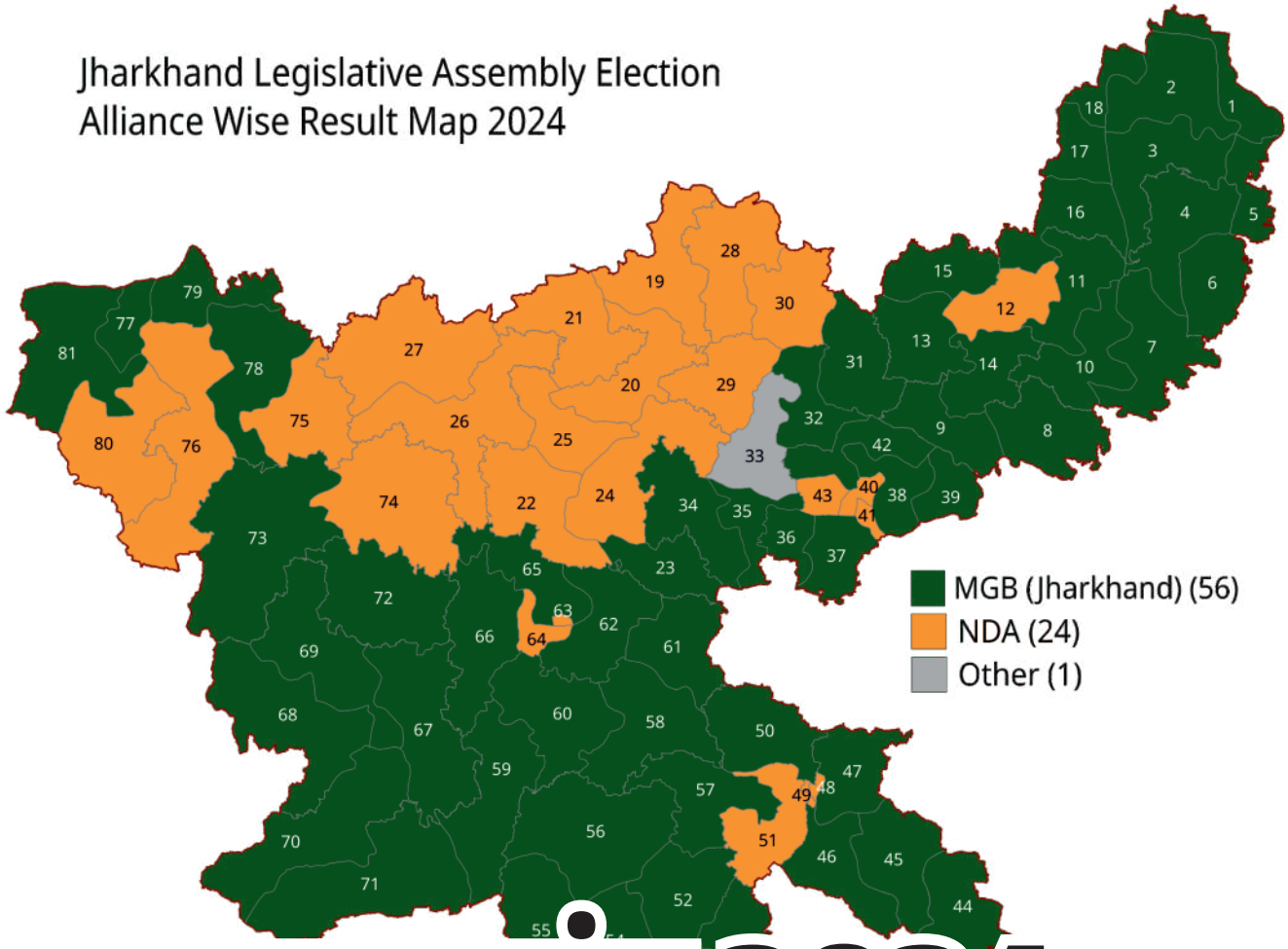

झारखंड 2024: एक वार्षिक पुनरावलोकन

साल 2024 झारखंड के लिए सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। यह रिपोर्ट 10 प्रमुख श्रेणियों में विभाजित है, जो राज्य की घटनाओं का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

1. राजनीतिक परिदृश्य और विधानसभा चुनाव

2024 में झारखंड विधानसभा चुनाव सबसे प्रमुख घटना थी। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस गठबंधन ने सत्ता बनाए रखने की कोशिश की, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार अभियान चलाया।

चुनाव में आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आदिवासी हितों और स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखा, जबकि भाजपा ने विकास परियोजनाओं और रोजगार सृजन के वादों

के साथ अभियान चलाया। चुनाव परिणाम में त्रिशंकु स्थिति देखने को मिली, जिससे गठबंधन सरकार बनाने की कवायद तेज हुई। निर्दलीय और छोटे दलों की भूमिका निर्णायक साबित हुई। चुनावों के दौरान चुनाव आयोग ने भी सख्ती बरती और आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित किया।

2. आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण

2024 में राज्य सरकार ने खनन और उद्योग क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए कई पहल कीं। देवघर और दुमका क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों की स्थापना हुई। वहीं, बेरोजगारी की समस्या अब भी एक बड़ी चुनौती बनी रही। केंद्र सरकार की योजनाओं और राज्य के प्रयासों के बावजूद प्रवासी मजदूरों की वापसी और रोजगार का संकट बड़ा मुद्दा रहा। कृषि क्षेत्र में भी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग और किसानों के लिए सब्सिडी योजनाओं को लागू किया गया।

3. शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास

झारखंड में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां लागू की गईं। सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत हुई। शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और छात्रों को तकनीकी कौशल प्रदान करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गईं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में, राज्य ने ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए। टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू हुईं, और कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अपग्रेड किए गए। डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए व्यापक स्वास्थ्य अभियान चलाए गए। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई।

4.संस्कृति-विरासत संरक्षण

2024 में झारखंड ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए। सरहुल, करमा, और सोहराई जैसे प्रमुख त्योहारों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया गया। झारखंड के जनजातीय कला, नृत्य और संगीत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में प्रयास किए गए। रांची में आदिवासी संग्रहालय की स्थापना ने राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई।

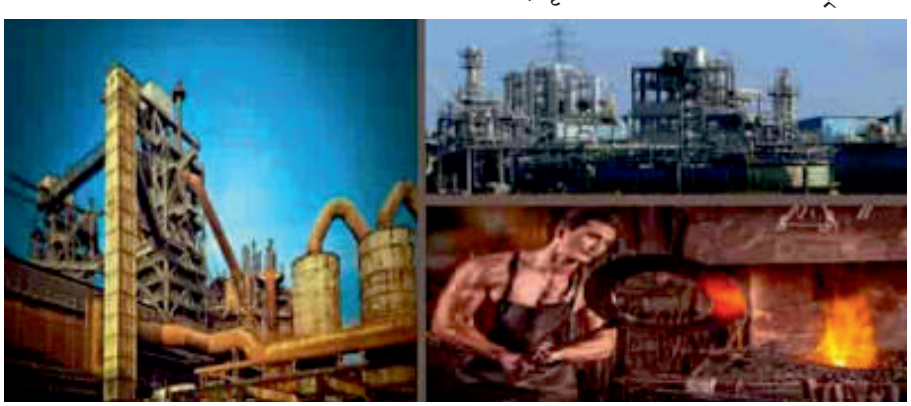

5. पर्यावरण व वन संरक्षण

झारखंड ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी। वृक्षारोपण अभियान चलाए गए और कई वन्यजीव अभ्यारण्यों का विस्तार किया गया। पलामू टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास हुए। जल संरक्षण योजनाओं के तहत छोटे और मध्यम स्तर के बांधों का निर्माण किया गया। साथ ही, कोयला खनन क्षेत्रों में पर्यावरणीय बहाली के प्रयासों को तेज किया गया।

6. खेल और युवा प्रोत्साहन

खेल के क्षेत्र में झारखंड के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महिला हॉकी टीम ने विशेष रूप से चर्चा बटोरी। रांची में खेल प्रशिक्षण अकादमियों की स्थापना और विस्तार हुआ। फुटबॉल और एथलेटिक्स में भी युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खेल उपकरणों पर सब्सिडी और उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए छात्रवृत्तियों की शुरुआत हुई।

7. महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए नई योजनाएं लागू की गईं। सखी मंडलों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर दिए गए। ग्रामीण महिलाओं के लिए सिलाई, कढ़ाई और खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए। अनुसूचित जाति और जनजाति के कल्याण के लिए विशेष योजनाएं बनाई गईं। महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाई गई और महिला हेल्पलाइन की सेवाओं का विस्तार किया गया।

8. बुनियादी ढांचा और शहरीकरण

झारखंड में 2024 में सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ। रांची और धनबाद में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को तेज किया गया। बिजली और जल आपूर्ति के क्षेत्र में भी प्रगति हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू की गईं। शहरीकरण के साथ-साथ स्लम पुनर्वास परियोजनाओं पर भी ध्यान दिया गया।

9. सामाजिक आंदोलनों और जनहित मुद्दे

आदिवासी अधिकारों, भूमि अधिग्रहण और जल-जंगल-जमीन के मुद्दों पर कई आंदोलन हुए। स्थानीय संगठनों और सरकार के बीच इन मुद्दों पर संवाद का सिलसिला जारी रहा। झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिकाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई। किसानों ने भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को लेकर आंदोलन किए। इन आंदोलनों ने सरकार को कई नीतिगत बदलाव करने पर मजबूर किया।

10. प्राकृतिक आपदाएं और राहत कार्य

साल 2024 में झारखंड ने बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया। राज्य सरकार ने राहत कार्यों को प्राथमिकता दी और प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास कार्यक्रम चलाए। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की सक्रियता से कई जिंदगियां बचाई गईं। राहत शिविरों में भोजन, पानी और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

निष्कर्ष

साल 2024 झारखंड के लिए चुनौतीपूर्ण और उपलब्धियों से भरा रहा। राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक विकास, और सामाजिक बदलाव राज्य की प्रमुख विशेषताएं रहीं। विधानसभा चुनाव के परिणाम और उसके बाद की सरकार की नीतियां आने वाले वर्षों में झारखंड के भविष्य को दिशा देंगी। इस वर्ष के अनुभवों से प्रेरित होकर झारखंड को अपनी नीतियों और विकास योजनाओं को और सुदृढ़ करना होगा।

ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता जरूरी

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन विशेष थीम के साथ किया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की इस वर्ष की थीम है 'स्थायित्व को बढ़ावा देना: हर वाट मायने रखता है।' ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था।

दरअसल, दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर

विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाइट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्वों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्वों का इस्तेमाल किया जाए। आईएसआई चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, एसी, हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों

के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है। वहीं, तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव

भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

मनोज कुमार मिश्र
लेखक, संपादक

करीब दो महीने बाद होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की छवि को ध्वस्त करने की सबसे बड़ी चुनौती है। आआपा पूरी तरह से केजरीवाल की पार्टी है। यह बार-बार साबित हो चुका है कि इस पार्टी में केजरीवाल के अलावा किसी की कोई राजनीतिक औकात नहीं है। चाहे खुद केजरीवाल ने जिन्हें पार्टी से बाहर किया या जो खुद कोई कारण बताकर बाहर हुए, वे अपना कोई ठोस आधार नहीं बना पाए। शराब घोटाले में केजरीवाल समेत आआपा के अनेक आला नेताओं के जेल जाने के बाद उनकी साख (यूएसपी) पर ही सवाल उठ गए हैं। इसलिए जेल से बाहर आने के साथ केजरीवाल ने वह सभी काम करना शुरू कर दिया जिससे दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता जा सके। माना गया कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड इत्यादि अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी की वापसी का एक आधार महिलाओं को सीधे हर महीने पैसे देना था। इसीलिए दिल्ली की आआपा सरकार ने पहले की घोषणाओं के साथ-साथ 12 दिसंबर को दिल्ली में हर महिला को हर महीने एक हजार रुपए देने का फैसला किया।

जिन आर्थिक लाभों के लिए उनकी आलोचना होती थी, खुलेआम उसे रेवड़ी कह कर प्रचारित किया जा रहा है। अपने समर्थकों के लिए तरह-तरह के वायदे किए जा रहे हैं। बावजूद इसके अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने थोक में अपने विधायकों का टिकट काटकर दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देना शुरू किया है। अब तक 70 में से 31 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए गए हैं, उसमें ज्यादातर उम्मीदवार नए और दूसरे दलों से आए नेता हैं। बावजूद इसके सत्ता की दावेदार भाजपा आक्रामक होने के बजाए केजरीवाल के एजेंडे पर ही अब तक चलती दिख रही है। न तो भाजपा अभी तक अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई न ही भाजपा के चुनाव अभियान को अपने एजेंडे पर लाने का कोई ठोस प्रयास किया है। आआपा का गठन ही भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान आंदोलन चलाने के नाम पर हुआ था। केजरीवाल अपने को और अपनी पार्टी के नेताओं को कट्टर ईमानदार बताते थे। शराब घोटाले में अनेक बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद केजरीवाल केन्द्र सरकार पर केन्द्रीय जांच एजेंसी के दुरुपयोग के आरोप लगाते रहे हैं लेकिन पहले की तरह भ्रष्टाचार को केन्द्रीय मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। आम आदमी की पार्टी होने के केजरीवाल के दावे को उनकी सरकारी कोठी पर हुए खर्च आदि ने गलत साबित कर दिया है। दिल्ली में तो कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई है, भाजपा भी इसे सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाती नहीं दिख रही है।

महाराष्ट्र और झारखंड राज्य के चुनाव संपन्न होने के बाद सभी की निगाहें दिल्ली पर लगी है। लगातार तीन लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सातों सीटें जीतने के बावजूद दिल्ली विधानसभा में भाजपा 1993 के बाद कभी बहुमत में नहीं आ पाई। आआपा ने कांग्रेस को हाशिए पर ला दिया और फ्री बिजली-पानी के नाम पर राजधानी के एक बड़े तबके का भारी समर्थन हासिल किया है। कांग्रेस के नेता तो अपने वजूद को बचाए रखने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी राजनीतिक हैसियत जानकर ही आआपा उनसे विधानसभा चुनाव में समझौता करने को तैयार नहीं है। लोकसभा चुनाव में समझौता हुआ तो भले ही आआपा या कांग्रेस को कोई सीट न मिली लेकिन कांग्रेस को 2020 के विधानसभा के मुकाबले चार के बजाए 18 फीसदी वोट मिले। केजरीवाल को यह लग रहा होगा कि कांग्रेस से समझौता करके कुछ सीट देने से उसका दिल्ली में फिर से वजूद बन जाएगा। ऐसा वह आसानी होने देना नहीं चाहेगी। यह सभी को पता है कि आआपा की बुनियाद ही कांग्रेस के माने जाने वाले मतदाता रहे हैं।

हरियाणा के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने के बाद से भाजपा के हौसले बुलंद हैं। बावजूद इसके अब तक वह न तो आक्रामक अभियान चला पा रही है और न ही अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई है। राजनीति के खेल में कई रिकार्ड बनाना वाले आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और अब दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री बन गए

अरविंद केजरीवाल के सामने अपनी और अपनी पार्टी की साख (यूएसपी) बचाने का संकट है। कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी पर भ्रष्टाचार का केवल आरोप नहीं लगा है बल्कि शराब घोटाले के आरोप में केजरीवाल समेत अनेक बड़े नेता जेल गए। केजरीवाल को भी करीब छह महीने जेल में रहने के बाद इसी 13 सितंबर को सशर्त जमानत मिली। उन्होंने शहीद बनने के अंदाज में अपने पद से इस्तीफा देकर अपनी सहयोगी आतिशी मार्लेन (मार्क्स और लेनिन का संक्षेप) सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। घोषणा कर दी कि लोगों की नजरों में आरोप मुक्त होने के बाद ही वे और उनसे पहले उसी तरह की शर्तों के साथ जमानत पाए उनके साथ उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही आतिशी ने कहा कि वे तो दिल्ली विधानसभा चुनाव तक यानी केवल चार महीने के लिए मुख्यमंत्री हैं। उसके बाद फिर से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बन जाएंगे। वे तो मुख्यमंत्री के दफ्तर में केजरीवाल की कुर्सी के बजाए बगल में दूसरी कुर्सी पर बैठ रही है।

केजरीवाल इस बात को छुपा रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट की शर्तों में एक शर्त यह भी है कि वे न तो सचिवालय जा सकते हैं और न ही कोई सरकारी फाइल देख सकते हैं। यही आदेश सुप्रीम कोर्ट ने उनके साथ लंबे समय तक उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए दिए। इससे यह भी साफ हो रहा है कि चाहे आआपा फिर से विधानसभा चुनाव जीत जाए लेकिन अरविंद केजरीवाल अदालत के आदेश के बिना मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं। यह तय-सा है कि दिल्ली में आआपा का कोई भी मुख्यमंत्री हो, सरकार अरविंद केजरीवाल के हिसाब से ही चलेगी और चलती हुई दिख रही है। आआपा के इस छोटे से कार्यकाल में अनेक नेताओं पर आरोप लगे। कुछ को तो आआपा ने ही विदा किया और कुछ को कानूनी तरीके से आरोप लगने के बाद विदा किया गया। फर्जी डिग्री के आरोपित जितेन्द्र सिंह तोमर को तो भारी विरोध के बाद मंत्री से हटाया गया। अवैध धन शोधन के मामने में सतेन्द्र जैन की गिरफ्तारी के महीनों बाद विभाग लिए गए। फिर तो शराब घोटाले में पहले मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और फिर खुद केजरीवाल गिरफ्तार हुए।

2011 के दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ समाजसेवी अण्णा हजारे के आंदोलन में शामिल अनेक नेताओं ने 26 अक्तूबर,2012 को आम आदमी पार्टी (आआपा) के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधान सभा चुनाव लड़ना तय किया। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में 2013 का विधानसभा चुनाव लड़ा गया। पहले ही चुनाव में ही बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाली विधानसभा में करीब 30 फीसद वोट और 28 सीटें मिली। भाजपा ने करीब 34 फीसद वोट के साथ 32 सीटें जीती और दिल्ली में 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को 24.50 फीसद वोट के साथ महज आठ सीटें मिली। भाजपा के मना करने पर आआपा ने कांग्रेस से बिना मांगे समर्थन से सरकार बनाई और नियम का पालन किए बिना लोकपाल विधेयक विधान सभा में पेश करने से रोके जाने के खिलाफ 49 दिन पुरानी सरकार ने इस्तीफा दिया। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा।

कांग्रेस की कमजोरी और भाजपा की अधूरी तैयारी के चलते और बिजली-पानी फ्री करने के वायदे ने आप को 2015 के चुनाव में दिल्ली विधान सभा में रिकार्ड 54 फीसदी वोट के साथ 67 सीटों पर जीत दिलवा दी। उस चुनाव के बाद पार्टी में अरविंद केजरीवाल का राजनैतिक कद और बढ़ गया। दोबारा मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने दिल्ली से बाहर पार्टी को न ले जाने का घोषणा कर दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि पार्टी को वोट उनके नाम से मिलते हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में फिर उन्होंने रिकार्ड 54 फीसद वोट के साथ 62 सीटें जीती। 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में तो आआपा को कोई सफलता नहीं मिली लेकिन पंजाब में बेहतर नतीजे मिले। 117 सीटों की विधानसभा में कांग्रेस को 77 सीटें और आआपा को 20 सीटें मिली। 2022 में आआपा ने शानदार जीत दर्ज की। उसे न केवल 92 सीटें मिली। गुजरात और गोवा में चुनाव लड़कर आआपा अखिल भारतीय पार्टी बन गई। केजरीवाल ने अपनी ईमानदार छवि को बचाए रखने के लिए दिल्ली सरकार में मंत्री रहे असीम अहमद खान और संदीप कुमार को भ्रष्टाचार और सेक्स रैकेट के आरोप में हटाया।

आआपा न तो भाजपा, माकपा जैसी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और न ही समाजवादी पार्टी, राजद आदि जैसी जाति आधारित पार्टी। वह तो अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार के खिलाफ चले आंदोलन पर आधारित पार्टी है। जो आंदोलनकारी वर्ग था वह तो कब का उनसे अलग हो गया या एक-एक करके केजरीवाल ने अलग कर दिया। जो बाहर गए वे ज्यादा कामयाब नहीं हो पाए। उनकी सूची काफी लंबी है। अब तो उनके मुट्ठी भर लाभार्थी और बड़ी तादाद में फ्री की सुविधा पाने वाले लोग हैं, जो केवल अरविंद केजरीवाल पर भरोसा करते हैं। उनकी और उनकी पार्टी के नेताओं की आबकारी घोटाले में गिरफ्तारी ने आप नेताओं के कट्टर ईमानदार होने की छवि को भारी नुकसान पहुंचाया है। भाजपा के सामने इसे आक्रामक तरीके से लोगों के सामने रखने की चुनौती है। 415 सांसदों को प्रचंड बहुमत से केन्द्र सरकार में आने वाले सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी की छवि मिस्टर क्लीन की बनी थी। महज 64 करोड़ रुपए के बोफोर्स घोटाले ने न केवल उनकी छवि को ध्वस्त किया बल्कि उन्हें अगले चुनाव में सत्ता से बाहर कर दिया। बोफोर्स में राजीव गांधी ने कोई दलाली ली यह साबित नहीं हो पाई लेकिन वे सालों प्रयास करके अपने पुरानी छवि नहीं बना पाए।

पूस का माह खरमास का धार्मिक, ज्योतिषीय और सांस्कृतिक महत्व

आचार्य संतोष
चार्टर्ड अभियंता (सिविल)
ज्योतिष विशारद एवं वास्तु आचार्य

पूस का माह, जो दिसंबर-जनवरी के बीच पड़ता है, भारतीय कैलेंडर का दसवां महीना है। इसे खरमास इसलिए कहते हैं क्योंकि इस दौरान सूर्य धनु राशि में होता है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह अवधि अशुभ मानी जाती है, जिसमें विवाह, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य वर्जित होते हैं। यह समय तप, ध्यान, और दान-पुण्य के लिए उपयुक्त माना गया है। भगवान विष्णु की पूजा और गंगा स्नान का विशेष महत्व है। ठंड और कृषि कार्यों के कारण यह माह संयम, साधना, और सामाजिक गतिविधियों में न्यूनता का प्रतीक है। जयकारों पर रोक आत्म-शुद्धि और शांति को बढ़ावा देती है।

पूस का माह भारतीय कैलेंडर का दसवां महीना है, जो अंग्रेजी कैलेंडर में दिसंबर और जनवरी के बीच आता है। यह माह शीत ऋतु के चरम पर होता है, जब ठंड अपने उच्चतम स्तर पर होती है। भारतीय समाज और कृषि प्रधान संस्कृति में यह माह विशेष महत्व रखता है। इस समय किसान अपने खेतों की देखभाल करते हैं और नई फसलों के लिए तैयारी करते हैं।पूस का नाम संस्कृत शब्द "पुष्प" से लिया गया है, जिसका अर्थ है "पुष्पित" या "खिला हुआ"। हालांकि, यह समय प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर नहीं होता, बल्कि ठंड की वजह से यह माह कठिनाई भरा माना जाता है। इस माह को धर्म और संस्कृति से जोड़ने वाली कई परंपराएं और मान्यताएं हैं।

खरमास क्यों कहते हैं?

पूस के महीने को खरमास इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस समय सूर्य धनु राशि में प्रवेश करता है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार, सूर्य के धनु और मीन राशियों में प्रवेश के समय को खरमास कहा जाता है। इस अवधि को अशुभ माना जाता है, क्योंकि "खर" का अर्थ है "गधा", जो धीमेपन और अव्यवस्था का प्रतीक है। खरमास के दौरान शुभ कार्य, जैसे विवाह, गृह प्रवेश, या अन्य मांगलिक कार्यक्रम, निषिद्ध माने जाते हैं।

खरमास से जुड़ी मान्यताएं

1. सूर्य का धनु राशि में प्रवेश

खरमास की अवधि तब शुरू होती है जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करता है और लगभग एक महीने तक वहीं रहता है। इस समय को ज्योतिषीय दृष्टि से शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। यह मान्यता है कि इस दौरान ग्रहों की स्थिति शुभ फल देने में सक्षम नहीं होती।

2. धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

खरमास को धार्मिक दृष्टि से तप, ध्यान, और उपवास का समय माना जाता है। इस दौरान लोग दान, धर्म-कर्म और ईश्वर की आराधना करते हैं। पुराणों में वर्णित है कि इस समय भगवान विष्णु की पूजा और गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है।

3. शुभ कार्यों पर रोक

खरमास के दौरान विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य निषिद्ध माने जाते हैं। यह मान्यता है कि इस समय किए गए कार्यों का फल अस्थिर होता है और उनके स्थायित्व पर संदेह रहता है।

4. खरमास और जीवनचर्या

खरमास के समय लोगों को साधारण और सात्त्विक जीवन जीने की

क्रमशः...

सलाह दी जाती है। मांसाहार और तामसिक आहार का त्याग, ब्रह्मचर्य का पालन, और ध्यान-योग की प्रथा को महत्व दिया जाता है।

जयकारों का निषेध: धार्मिक दृष्टिकोण

पूस के महीने में विशेष प्रकार के जयकारे या उत्सवधर्मिता पर रोक लगाने की परंपरा है। इसके पीछे निम्नलिखित कारण हो सकते हैं:

1. प्राकृतिक परिस्थितियां

पूस के महीने में ठंड अत्यधिक होती है, और यह समय फसलों के पकने और तैयार होने का होता है। इस माह में लोग अपने संसाधनों को बचाने और सर्दी से बचने में ध्यान केंद्रित करते हैं।

2. धार्मिक मान्यताएं

खरमास के दौरान ज्योतिषीय दृष्टि से किसी भी प्रकार की उत्सवधर्मिता को अनुकूल नहीं माना जाता। इस समय पूजा-अर्चना और ध्यान का महत्व होता है। जयकारे या बड़े आयोजन से इस शांति का उल्लंघन हो सकता है।

3. सांस्कृतिक परंपराएं

भारतीय संस्कृति में हर माह और ऋतु का अपना विशेष महत्व है। पूस के महीने को तप और संयम का समय माना गया है, जिससे धार्मिक उन्नति और आत्मिक शुद्धि होती है। जयकारों या उत्सवों के माध्यम से होने वाली शारीरिक और मानसिक ऊर्जा के व्यय को इस समय अनुचित समझा जाता है।

पूस और खरमास का कृषि और समाज पर प्रभाव

पूस का माह मुख्य रूप से किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है। यह समय रबी की फसलों के पकने और कटाई की तैयारी का होता है। खरमास के दौरान सामाजिक गतिविधियां कम होती हैं, ताकि लोग अपने कृषि कार्यों और व्यक्तिगत शांति पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

खरमास के दौरान किए जाने वाले कार्य

1. दान और पुण्य

खरमास में दान को अत्यंत शुभ माना गया है। गरीबों को अन्न, वस्त्र, और धन का दान करने से पुण्य मिलता है।

2. भगवान विष्णु की पूजा

इस समय विष्णु पूजा का विशेष महत्व होता है। भक्तगण हरि कीर्तन और भगवत गीता का पाठ करते हैं।

3. गंगा स्नान

गंगा स्नान को इस अवधि में पापों से मुक्ति दिलाने वाला माना गया है। जो लोग गंगा के पास नहीं जा पाते, वे अपने स्थान पर जल में गंगा जल मिलाकर स्नान करते हैं।

पूस का माह और खरमास भारतीय परंपरा और ज्योतिष का अनूठा संयोजन है। यह समय भले ही ज्योतिषीय दृष्टि से अशुभ माना जाता हो, लेकिन आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से यह आत्म-शुद्धि और तपस्या का अवसर प्रदान करता है। इस माह में जयकारों या उत्सवों का निषेध एक प्रकार से संयम और साधना को महत्व देता है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति, धर्म, और समाज का यह सामंजस्य अद्वितीय है, जो जीवन को संतुलित और सार्थक बनाता है।

साहित्य संस्कार

◦ अपर्णा सिंह

समर्पण

घर के दीयरखे पर
जलता हुआ एक दीया
अपनी टिमटिमाती रोशनी में
आने–जाने वाले राहगीरों को
घनघोर अंधियारी रात में
राह दिखाता रहता है
वहीं एक फतिंगा हर अंजाम से
बेपरवाह उस दीये की लौ में
स्वयं को भष्म कर लेता है
वैसे ही जैसे एक स्त्री
अपनी सारी भावनाओं को
ताक पर रख परिवार के लिए
स्वयं को समर्पित कर देती है।

◦ आचार्य राज वीर सिंह

बलिदान

बलिदानी इतिहास हमारा वीरों का यह देश है।
भगवा है संस्कृति सनातन अद्‌भुत लगता वेश है।।

वीर शिवाजी देश के खातिर प्राणों की बाजी खेले।
राणा ने अस्मिता बचाने हेतु अनगिनत दुख झेले।
दुष्ट दलन के लिए खड़े ही रहते सदा महेश है।।

ऋषियों की परिपाटी चलती आर्यावर्त महान है।
अश्वमेध साहित्यमेध से बढ़ती इसकी शान है।
यह गणतंत्र चलाने वाले जानें सभी गणेश हैं।।

दान और बलिदान सिखाते जीना सबके साथ में।
स्वार्थ सिद्धि में लगे रहे जो कुछ न लगता हाथ में।
'राज' हिंद–हिंदी सेवा में अपनी बारी शेष है।।

◦ निर्मला कर्ण

(लघुकथा)

कर्म के फल

" माँ आप यहाँ अंधेरे में क्यों बैठी हैं चलिए बाहर कितने लोग आए हुए हैं। राज भैया की हल्दी की रस्म हो रही है आप देखने नहीं जाएँगी ?"

शून्य में निहारती रमा को उसके बेटे ने सुमित ने आवाज देकर कहा। वह अपनी माँ का हाथ पकड़ कर कमरे से बाहर ले जाने लगा लेकिन उसने हाथ छुड़ाते हुए कहा –

"जिद न करो बेटा जाओ तुम जाकर सबके साथ मस्ती करो मुझे कुछ काम है।"

"क्या काम है आपको अभी यहाँ आप तो चुपचाप बैठकर शून्य में देख रही हैं काम तो कुछ कर नहीं रही !"

"सुमित माँ बाहर नहीं जा सकती, तुम जिद न करो इन्हें बाहर ले जाने की !"

उसकी बड़ी शादीशुदा बहन बिन्नी ने आकर उसे माँ को बाहर ले जाने से रोकते हुए कहा।

"लेकिन क्यों दीदी माँ बाहर क्यों नहीं जा सकती ?"

"क्योंकि माँ विधवा है इसलिए किसी भी मंगल काम में उनके जाने से अशुभ हो जाएगा। इनका वहाँ रहना भी अशुभ, अमंगलकारी होगा।"

यह कैसी बात कर रही हो तुम दीदी आशीर्वाद माँ देगी, उसमें अमंगल कहाँ से हो जाएगा।

"यह तो तुम्हें माँ ही बता पायेगी सुमित ! याद करो मेरी शादी के समय कैसे माँ ने दादी को मेरे सामने पड़ने से भी रोक दिया था।"

"भला यह कौन सी बात हो गई, माँ दीदी सही कह रही है ?"

रमा की दृष्टि नीचे झुकी हुई थी उससे कुछ भी जवाब देते नहीं बन रहा था अपने बच्चों को।

"माँ उस समय आपने दादी का चेहरा नहीं देखा उन्हें कितनी तकलीफ हुई होगी जब वह एक बहिष्कृत अनाधिकृत व्यक्ति की तरह अपनी ही पोती के विवाह के प्रत्येक कार्यक्रम से दूर रहीं। आज आपको चाची ने रोक दिया तब आपको बुरा लग रहा है। जब आपके हाथ में अवसर था गलत रिवाज को समाप्त करने की उस समय आपने भी इसी गलत रिवाज का साथ दिया। उस समय आप दादी के साथ खड़ी होतीं तो आज यह स्थिति नहीं आती आपके साथ।"

रमा की दृष्टि शर्म से अभी भी झुकी हुई थी,उसे अपनी बेटी के समय अपनी सासू माँ के साथ किया गया व्यवहार याद आ रहा था। उसने अपनी सासू माँ को एक कोने के कमरे में बैठा रहने का आदेश देते हुए कहा था–

"माँ जी आप यहाँ से बाहर निकालने की कोशिश मत कीजिएगा घर में मंगल कार्य हो रहे हैं। बिन्नी पूरे घर में कहीं भी इधर-उधर हो रही है आपकी दृष्टि उस पर नहीं पड़नी चाहिए।"

"तुमने ठीक कहा बिन्नी !

मैं उसे समय अब इन गलत रिवाज को बदल सकती थी लेकिन मैं तुम्हारी दादी माँ को सहारा नहीं दिया।"

"लेकिन हम आपके साथ हैं माँ, हम इन दकियानूसी भरे रिवाज को आगे नहीं बढ़ने देंगे। आप प्रत्येक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी और अवश्य होंगी वरना हम भी उस कार्यक्रम से दूर रहेंगे।"

बिन्नी और सुमित आगे बढ़ गए अपनी माँ के हाथों को थाम कर एक गलत रिवाज को समाप्त करने की मुहिम पर।◦

◦ बृज व्यास

बलिदान

लुटे देश के लिए प्राण जब, यह बलिदान कहाता।
सच्चा प्राणोत्सर्ग यही है, जन जन शीश नवाता।।

जहाँ जगा है शौर्य वहीं पर, भाव जगे बलिदानी।
करें भारती की सेवा नित त्र, देशभक्ति है ठानी।
गान अधर पर लिए साहसी, आनन खिल खिल जाता।।
लुटे देश के लिए प्राण जब, यह बलिदान कहाता।।

जीवन की परवाह कहाँ है, गिरि, शिखरों को रोधें।
नभ को छूते, सागर नापें, रिपु पर गरजे, कौंधें।
रौद्र रूप जब देखे उनका, काल डरा है जाता।।
लुटे देश के लिए प्राण जब, यह बलिदान कहाता।।

नमन धरा को, माटी चंदन, भाव अनूठा ध्याते।
देख तिरंगे की लहरों को, सब कुछ भूले जाते।
परिजन , संगी , तजी लालसा , मन ऐसा रम जाता।।
लुटे देश के लिए प्राण जब, यह बलिदान कहाता।।

वंदन, नमन इन्हीं वीरों को, देश सदा गर्वित है।
राष्ट्र धर्म को जीने वाले, प्राण करे अर्पित है।
फौलादी सीना है जिनका, देश प्रेम से नाता।।
लुटे देश के लिए प्राण जब, यह बलिदान कहाता।।

◦ शिवशंकर लोध राजपूत

गुनगुनी धूप

सूर्यदेव को प्रणाम
सारे जगत को देते प्रकाश
रोज सुबह उठ जाते हैं
चलना इनका काम
सूर्यदेव ने आँखें खोली
धरा पर गुनगुनी धूप है आई
धूप सेक लो भाई
मिलेगा विटामिन –डी
तुम्हारे शरीर को
कमी नहीं होगी इसकी कभी
सर्दी में गुनगुनी धूप,
अच्छी है लगती
गरम ऋतु में,
धूप है चुभती
अगर सूर्यदेव न होते
तो कैसे मिलती,
धरा पर गुनगुनी धूप
कैसे होता जग कल्याण
यह मानव फिर कैसे जिंदा रहते
कैसे पर्यावरण होता एक समान।

क्रोध

◦ चंद्र पाल सिंह 'चंद्र'

नहीं उबलते कभी क्रोध में, धीर वीर गंभीर।
द्रवित हमेशा होते हैं वे, देख पराई पीर।।
जिसने जीवन में सब्र किया, हुआ नहीं नाकाम।
बेसब्री को अश्व मानिए, वह भी बिना लगाम।।

प्रभु

(मत्तगयंद सवैया)

◦ छगन लाल गर्ग विज्ञ

पावन दीप जले मन मंदिर, अंबर नेह भरा चित मेरा!
स्पंदित प्राण सुधा रस मंथन, दंभ विश्रृंखल जीवन घेरा!
भौतिक अंचल खेल रहा मन, स्नेह चमत्कृत कानन हेरा!
सत्य प्रभा गुरु स्त्रोत अलौकिक, ध्यान जगा प्रभु चेतन तेरा!!

हिंदी

(दोहा छंद)

◦ डॉ इन्दु शर्मा शचि

हिन्दी का सम्मान कर, हिन्दी सर का ताज।
पावन हिन्दी अब करे, सबके दिल पर राज।

सुऋषि–मुनि सबने लिखी, हिन्दी जीवन प्राण।
हिन्द देश की लाडली, क्यों सहती है त्राण।

अंग्रेजी की बेड़िया, अब देओ छिटकाय।
रोम – रोम हिन्दी बसे, करना वही उपाय।

अपनी हिन्दी भाष पर, करिये तो अभिमान।
हिन्दी हमको प्रिय बड़ी, बोलो सीना तान।

ग़ज़ल

◦ कृष्णा शर्मा

रोज–रोज गिरते अश्रु क्या का श्राप नहीं देते।
ईश्वर अब किसी पापी को क्यूँ पाप नहीं देते।

थकन होने लगी आपसे एक तरफा इश्क में
क्यूँ मेरे काम में कोई योगदान आप नहीं देते।

तुम क्या जानो क्या तिलिस्म हैं इस इश्क में
तबाह होकर भी आशिक अभीशाप नहीं देते।

बड़े ही नादाँ हैं वो जो तैयारी करे मुहब्बत की
मुहब्बत के परिंदे आने से पहले चाप नहीं देते।

गुस्से में कुछ बोल दे या चाहे थप्पड़ मार ले
पर कृष्णा दिल से बद्दुआ कभी बाप नहीं देते।

◦ अर्पणा सिंह

स्वच्छता

बस इतनी सी बात है कि जिंदगी
बस पल दो पल कि सौगात है
जिसमें न आज है न कल
रखो स्वच्छ अपने आस–पास हरपल
पेड़ों की छाँव में पलता वो बचपन
स्वच्छ वायु में मचलता वो यौवन
पहाड़ों से गिरती नदियों की छन–छन
नहीं लौटता वो प्यारा अद्भुत जीवन
चाहो जो जीना स्वस्थ लंबा जीवन
तो थाम लो स्वच्छता का दामन
सोचते हमने किया ही क्या था?
बस थोड़ा कूड़ा ही तो नदियों में डाला था
पर मत भूल थोड़े का भी फर्क पड़ता है
उसमें पलती मछलियों का दम घुटता है
तो करो स्वच्छता का दिल से पालन
स्वयं करो सबको समझाओ
स्वच्छ जो रहे गली–चौबारा
सुंदर बने शहर हमारा
एक दिन की बात न करो
करो बापू के शब्दों का सम्मान
अपने घर के साथ–साथ
आस–पास की सफाई का रखो ख़्याल
क्योंकि यही है सच्ची स्वच्छता अभियान

★★★

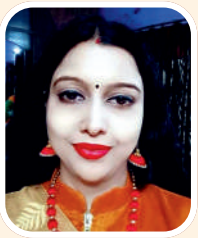

◦ खुशबू बरनवाल 'सीपी'

लघुकथा कर्म के फल

"मम्मा बताओ ना! यह क्या है?" शांति अपने आठ वर्ष के बच्चे की जिज्ञासा को शांत नहीं कर पा रही है, असमंजस में पड़ी हुई है। टालने का प्रयास करती है। वह भूल भी जाता है। लेकिन बार–बार दृश्य सामने आने के कारण उसे वापस याद आ जाता है, जिससे उसके फिर जानने की जिज्ञासा और बढ़ जाती है। और उसका हठ भी बढ़ जाता है।

शांति बाल–मन की मनः स्थिति समझ रही है। लेकिन वह कुछ नहीं कर पा रही है। उसके पति का भी दूसरे शहर में तबादला हो गया है। शांति के पास भी कोई दूसरा विकल्प नहीं है। एक्टिविटी क्लास भेज कर उसी समय बाजार का सारा काम निबटाती है। इससे बेटा को बिल्कुल अछूता रखना भी मुश्किल है।

"मम्मा बताओ ना! यह क्या है? मुझे जानना है... बस मुझे जानना है।"

"मुझे नहीं पता। चुपचाप जाकर सो जाओ।..... तड़ाक!"

और बच्चा रोते–रोते सो गया था।

शांति थप्पड़ लगाकर पछताने लगी।

फिर उसने फेसबुक और व्हाट्सएप में लिखना शुरू किया, जिससे कुछ लोग का ध्यान तो आकर्षित हो जाए।

सभी सोशल मीडिया दोस्तों,

बच्चों के कार्टून के बीच कंडोम और पॉर्न विज्ञापन क्यों आता है, जब मेरे जैसे लाखों परिवार संस्कृति का आवरण अपने जीवन में रखना चाहते हैं। तो क्यों इसे दिखाने की अनुमति दी जाती है? क्या इससे आने वाली पीढ़ियाँ स्वस्थ मानसिकता के साथ जी पाएगी? क्या पूरा परिवार एक साथ टीवी स्क्रीन बैठकर देख पाएगा? इसके लिए कौन सी संस्था हमारी सहायता करेगी और इसके लिए कौन जिम्मेदार है कृपया बताएँ। और इसका निवारण करें।

भुक्त भोगी.....एक माँ!◦

◦ प्रियंका सौरभ

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफ़ारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर ज़ोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को ख़त्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की ज़रूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को ख़त्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर ज़ोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई

ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँ: शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिए: डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है।

आमूलचूल परिवर्तन उच्च-दबाव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल-आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरुआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफ़लाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है।

स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिए: जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडल: क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

Associated with

नक्शा से निर्माण तक

Er. Santosh Srivastava
B.Tech. (Civil)
CHARTERED ENGINEER (INDIA)

jannat
ENGINEER & DEVELOPER

You dream it, we build it!

We specialize in all aspects of land development civil engineering. In addition to our design knowledge, experience and resources, we utilize a close network of surveyors, land planners, landscape architects and architects to provide you with the most comprehensive design plan(s) you require.

Drawing/permit requirements can be pretty nebulous to most individuals trying to get their plan(s) approved. We have experience with most regulatory municipalities within the DMV. Let us use this experience to assist you with your project.

वास्तुशास्त्र के अनुसार

आपकी जमीन पर हम आपके सपने को **आकार** देते हैं...

- 2D & 3D Architectural & Structural Design
- Building Elevation Design
- Bottom to Floor Construction

https://www.jedindia.com

/jannatengineer @jannatindia jannatengineer@gmail.com **+91 8409999333**

LICENCE NUMBER : CHARTERED ENGINEER (INDIA) - AM1964669, ICAS - 13072/18, UDYAM-BR-26-0014910

30+ वर्षों का अनुभव और हजारों लोगों का विश्वास

Acharya Santosh

चार्टर्ड अभियंता (सिविल) एवं ज्योतिष विशारद, हस्तरेखा प्रवीण तथा वास्तु आचार्य

[द इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजिनियर (भारत) एवं भारतीय ज्योतिर्विज्ञान परिषद, चेन्नई]

@astrosantosha

जन्म पत्रिका निर्माण
तथा विश्लेषण,
वर-वधू कुंडली निर्माण,
मिलान एवं विश्लेषण,
हस्तरेखा परीक्षण,
वास्तु सलाह, रत्न,
रुद्राक्ष, यंत्र इत्यादि के
लिए संपर्क करें

क्या आप समस्याओं से परेशान हैं ?
क्या बनते काम बिगड़ रहे हैं ?
विवाह में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है ?
कैरियर की चिन्ता सता रही है ?
वास्तुशास्त्र के अनुसार घर बनाने की सोच रहे हैं ?
अनेकों ऐसे सवाल जिनका

जन्म-पत्रिका, हस्तरेखा, वास्तुशास्त्र के अनुसार पूजन, रत्न, रुद्राक्ष तथा यंत्र-मंत्र द्वारा समस्याओं का समाधान

नोट : ग्रह शांति, पूजन सामग्री तथा सभी प्रकार के प्रमाणित रत्न एवं उपरत्न सस्ते दामों में उपलब्ध है.

ज्योतिर्विज्ञान™
अनुसंधान संस्थान

+91 99343 24 365

DELHI | PATNA | ARA | BOKARO | RANCHI

#asriindia asriindia.com